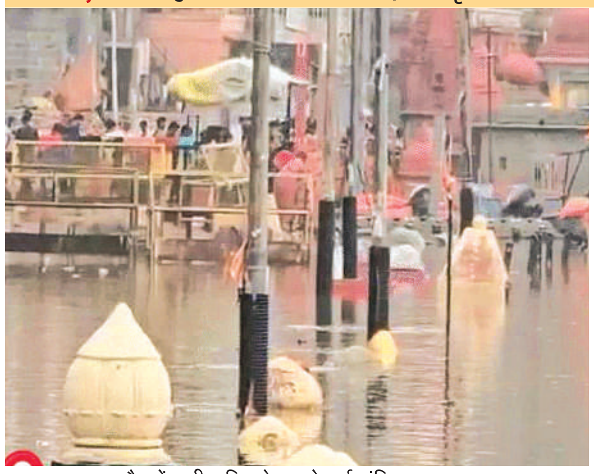

उज्जैन में भारी बारिश के चलते कई मंदिर हुए जलमग्न

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

बालाघाट : घरों में भरा पानी

सीहोर में तेज बारिश से नाले उफन पड़े

शनिवार को कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश हुई

हरदा के कई गांवों का संपर्क टूटा दो 'मासूमों' की डूबने से मौत हुई

- भोपाल में अगले सप्ताह तक इंतजार
- खरगोन-बड़वानी में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी बारिश का दौर जारी है। शनिवार को कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश हुई। लेकिन भोपाल में मानसून ऑनसेट के बाद से अब तक भारी बारिश का इंतजार है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार राजधानी में इस सप्ताह भारी बारिश की उम्मीद कम है। इस बीच अब प्रदेश में सामान्य बारिश का आंकड़ा धीरे-धीरे कवर हो रहा है। शनिवार तक प्रदेश में दीर्घावधि औसत से 7 प्रतिशत कम बारिश हुई है। पूर्वी मप्र में औसत से 30 प्रतिशत कम और पश्चिमी हिस्से में औसत से 17 फीसदी अधिक बारिश हो चुकी है। प्रदेश में जारी भारी बारिश से कई जिलों में हालात बिगड़ रहे हैं। ▶▶ शेष पेज 6 पर

हरदा जिले में तेज बारिश के कारण सड़कें जलमग्न

- **शनिवार तक** प्रदेश में औसत से 7 प्रतिशत कम बारिश हुई
- **पश्चिमी हिस्से में** औसत से 17% अधिक बारिश हो चुकी है

यहां भारी बारिश

सेंधवा में सर्वाधिक 206.1 मिमी बारिश हुई। खातेगांव 180, कुंभराज, 150 खिरकिया 142.2 और रहटगांव में 117 मिमी बारिश दर्ज हुई है। भोपाल में एक जून से अब तक कुल 324.6 मिमी बारिश हुई है, जो नॉर्मल से 143.2 मिमी अधिक है। रविवार को खरगोन, बड़वानी में अति भारी बारिश का रेड अलर्ट है। भोपाल सहित अधिकांश जिलों में सामान्य से तेज बारिश का अनुमान है। ▶▶ पढ़ें पेज 04 भी

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी बने रिएट के नए चेयरमैन

भोपाल। राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश भू-संपदा अपील अधिकरण (रिएट) का नया चेयरमैन हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जस्टिस बिनोद कुमार द्विवेदी को नियुक्त किया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उनका कार्यकाल कार्यभार ग्रहण करने से 5 वर्ष या 67 वर्ष की आयु तक रहेगा। वे जस्टिस वी.पी.एस. चौहान का स्थान लेंगे।

बस ने बाइक सवार परिवार को रौंदा, पिता-पुत्र की मौत

रायसेन। बेगमगंज में शनिवार दोपहर एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार पिता पूरन आदिवासी और उनके 5 वर्षीय बेटे डब्बू की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। रफ्तार का कहर इतना भयावह था कि मासूम बच्चे का सिर धड़ से अलग हो गया। हादसा तब हुआ जब पूरन अपनी पत्नी संध्या और दो बच्चों के साथ ससुराल से लौट रहे थे।

आधारः 31 दिसंबर तक मुफ्त मिलेगी खास सर्विस

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने आधार धारकों को एक बड़ी राहत दी है। अब आधार मोबाइल एप के जरिए अपने आधार कार्ड में ईमेल आईडी अपडेट करना 31 दिसंबर 2026 तक पूरी तरह से मुफ्त होगा। पहले इस काम के लिए यूज़र्स को करीब 75 रुपए और जीएसटी का भुगतान करना पड़ता था, आधार केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ते थे।

पेट्रोल में ई-20 एथेनॉल मिश्रण पर केंद्र सरकार की बड़ी सफाई

भ्रम में फंसने की जरूरत नहीं सोशल मीडिया के दावे गलत

सरकार ने गन्ने के रस को सीधे पेट्रोल में मिलाने वाले वीडियो को फर्जी बताया। ईंधन ग्रेड का एथेनॉल में चीनी का अंश नहीं होता है, इसलिए गाड़ियों में चींटियां लगने की बात वैज्ञानिक रूप से गलत

एआई इमेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पेट्रोल में 20 फीसदी तक एथेनॉल मिलाने (ई-20 ईंधन) को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही तमाम अफवाहों पर केंद्र सरकार ने पूरी तरह विराम लगा दिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक विस्तृत स्पष्टीकरण जारी करते हुए इन सभी भ्रामक दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। सरकार ने साफ किया है कि ई-20 ईंधन पूरी तरह सुरक्षित है और इससे वाहनों के इंजन, माइलेज, बीमा या वारंटी पर कोई भी विपरीत असर नहीं पड़ता है।

सोशल मीडिया पर दावा किया जा रहा था कि एक लीटर एथेनॉल बनाने में 10,000 लीटर पानी बर्बाद होता है, जिसे सरकार ने पूरी तरह गलत बताया है। वास्तव में प्रति लीटर एथेनॉल उत्पादन में मात्र 3 से 5 लीटर प्रोसेस्ड पानी लगता है, और आधुनिक प्लांट इस पानी को रीसाइकिल भी करते हैं। इसके अलावा ई-20 कोई नया प्रयोग नहीं है। अमेरिका, ब्राजील, कनाडा और जापान जैसे कई विकसित देशों में इसका इस्तेमाल सालों से सफलता के साथ ▶▶ शेष पेज 6 पर

इससे वाहनों के इंजन माइलेज बीमा या वारंटी पर कोई भी विपरीत असर नहीं

कॉन्फ्रेंस में ऑटोमोबाइल सेक्टर के दिग्गजों ने रखी अपनी राय

- साल 2013 और 2014 के दौरान पेट्रोल में सिर्फ 1.5% एथेनॉल मिलाया जा रहा था
- प्रति लीटर एथेनॉल उत्पादन में मात्र 3 से 5 लीटर प्रोसेस्ड पानी लगता है
- अमेरिका, ब्राजील, कनाडा और जापान जैसे कई विकसित देशों में इसका इस्तेमाल

यह जांची-परखी साइंटिफिक प्रोसेस

सरकार ने कहा कि एथेनॉल ब्लेंडिंग का काम रातों-रात नहीं हुआ। यह एक जांची-परखी, साइंटिफिक और स्टेप-बाय-स्टेप प्रोसेस है। इसे पेट्रोल में मिलाने की ग्लोबल प्रैक्टिस अपनाई है और टॉप एजेंसियां भी इसका टेस्ट कर चुकीं हैं। एथेनॉल ब्लेंडिंग पर दिल्ली में हुई इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की प्रेस कॉन्फ्रेंस में ▶▶ शेष पेज 6 पर

मारुती सुजुकी के राहुल भारती ने कहा

ई-20 के हिसाब से बन रहीं गाड़ियां

राहुल भारती

मारुती सुजुकी के एक्जिक्यूटिव ऑफिसर राहुल भारती ने बताया कि ई-20 को लेकर सोशल मीडिया पर मिथ ज्यादा हैं और सच्चाई कम हैं। उन्होंने कहा कि हम ▶▶ शेष पेज 6 पर

पर्यावरण के लिए यह अच्छाः गुलाटी

विक्रम गुलाटी

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के कंट्री हेड और एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट विक्रम गुलाटी ने कहा ▶▶ शेष पेज 6 पर

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

सोने से मढ़ी 5 करोड़ रुपए की रामचरितमानस चोरी!

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे को लेकर खड़ा हुआ विवाद गहराता जा रहा है। अब पूर्व केंद्रीय गृह सचिव लक्ष्मी नारायण ने दावा किया है कि मंदिर को भेंट की गई उनकी सोने से मढ़ी बहुमूल्य ▶▶ शेष पेज 6 पर

रामायण

चंपत राय के इस्तीफे पर कल फैसला

सुरक्षा की कमान अब मिश्रा के हाथ

एडिशनल एसपी विजय शंकर मिश्र को अयोध्या राम मंदिर का एसपी सुरक्षा नियुक्त किया गया है। अभी तक जिनके हाथ में कमान थी, उनकी छुट्टी कर दी गई है।

वैभव ने शेफाली-सचिन का रिकॉर्ड तोड़ा

15 साल 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ 'खेले'

एजेंसी ▶▶ मैनचेस्टर

हालांकि चले नहीं 14 रन पर ही आउट

वैभव सूर्यवंशी भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाले क्रिकेटर बन गए हैं। उन्होंने 15 साल 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ पहला इंटरनेशनल मैच खेला। वैभव को उपकप्तान तिलक वर्मा ने डेब्यू कैप दी। वैभव ने शेफाली वर्मा और ▶▶ शेष पेज 6 पर, ▶▶ पढ़ें पेज 13 भी

26 तक बढ़ा कमेटी का कार्यकाल

मानसून सत्र में यूसीसी विधेयक आना मुश्किल

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का विधानसभा के इस मानसून सत्र में आना मुश्किल हो गया है क्योंकि सरकार ने यूसीसी का मसौदा तैयार कर रही उच्च स्तरीय समिति का कार्यकाल 26 जुलाई 2026 तक बढ़ा दिया है, जबकि विधानसभा का मानसून सत्र 24 जुलाई को समाप्त हो जाएगा। ऐसे में इस सत्र में विधेयक पेश होने की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। विधि एवं विधायी कार्य विभाग ने 30 जून को जारी अधिसूचना में समिति के सदस्य सचिव के अनुरोध और ड्राफ्ट तैयार करने की प्रगति को देखते हुए कार्यकाल ▶▶ शेष पेज 6 पर

■ 24 जुलाई तक चलेगा विधानसभा का मानसून सत्र

10 लाख रुपए की फिरौती मांगी

रील्स में अमीरी देख कर व्यापारी का बेटा 'अगवा'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पन्ना

सोशल मीडिया पर अमीरी का दिखावा करना एक कपड़ा व्यापारी के बेटे के लिए उस वक्त भारी पड़ गया, जब रील्स देखकर कुछ युवकों ने उसे करोड़पति समझ लिया और उसका अपहरण कर डाला। पन्ना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए न केवल 19 वर्षीय अपहृत अंशुल उर्फ कान्हा डेंगरे को सकुशल मुक्त कराया, बल्कि घटना में शामिल तीनों आरोपियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार भी कर लिया है। यह सनसनीखेज वारदात 27 जून को पवई में हुई थी, जहां आरोपियों ने अंशुल का अपहरण कर परिजनों से 10 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी। ▶▶ शेष पेज 6 पर

■ करोड़पति समझ लिया था, 3 गिरफ्तार

जहरीली गैस ने ले ली जान

कुए में 'बैल' को बचाने उतरे 3 ग्रामीणों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मैहर

जिले के खरामसेड़ा गांव स्थित अहिरान टोला में शुक्रवार रात एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। कुए में गिरे एक बैल को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश में जहरीली गैस और ऑक्सीजन की कमी के कारण तीन ग्रामीणों की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि एक अन्य की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। अमरपाटन थाना पुलिस के अनुसार, शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे एक कुशवाहा परिवार के 35 फीट गहरे कुए में बैल गिर गया था। उसे बचाने के लिए दो युवक रस्सी के सहारे कुए में उतरे, लेकिन कुछ ही देर में जहरीली गैस की चपेट ▶▶ शेष पेज 6 पर

■ 35 फीट गहरे कुए में बैल गिर गया था

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इंदौर में कहा

बीएलओ ही निर्वाचन के आधार स्तंभ और लोकतंत्र के सच्चे प्रहरी

मध्य प्रदेश ने किया उत्कृष्ट कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार शनिवार को इंदौर पहुंचे, जहां एयरपोर्ट पर प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इंदौर आगमन पर उन्होंने देवी अहिल्याबाई होलकर की पावन नगरी की सराहना की। उनका यह दौरा मुख्य रूप से बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) से संवाद और चुनावी व्यवस्थाओं की समीक्षा ▶▶ शेष पेज 6 पर

ज्ञानेश कुमार ने टेबल बुक का किया विमोचन

टेलीग्राम पर केंद्र सरकार का सख्त रुख

फिल्मों व वेब सीरीज की पायरेसी रोकने दिया 15 दिन का अल्टीमेटम

अब पूरा ध्यान 'प्लेटफॉर्म की जवाबदेही' तय करने पर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फिल्म और ओटीटी कंटेंट की चोरी (पायरेसी) करने वालों के खिलाफ केंद्र सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा कदम उठाया है। भारत सरकार ने मशहूर मैसेजिंग एप टेलीग्राम को एक सख्त नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में प्लेटफॉर्म पर धड़ल्ले से शेयर की जा रही पायरेटेड फिल्मों, वेब सीरीज और अन्य ऑडियो-विजुअल कंटेंट पर तुरंत रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने टेलीग्राम से अगले 15 दिनों के भीतर इस मामले में की गई कार्रवाई की पूरी रिपोर्ट मांगी है। सरकार ने साफ कर दिया है कि अब छोटे-मोटे स्तर पर लिंक्स या चैनल्स को ब्लॉक करने से काम नहीं चलेगा। अब सरकार का पूरा ध्यान 'प्लेटफॉर्म की ▶▶ शेष पेज 6 पर

वार्ड - 67

वार्ड के विकास के लिए 1 करोड़ 30 लाख बजट 50 फीसदी कार्यों में खर्च, अब शेष राशि से आगामी कार्य योजनाएं तैयार

आईएनएच न्यूज चैनल व हरिभूमि की टीम आपके वार्ड में

आईएनएच हरिभूमि के मंच पर जनता ने बेबाकी से रखी अपनी-अपनी बात... बोले- स्ट्रीट डॉग, मवेशी और असामाजिक तत्वों की समस्या से हैं परेशान

हरिभूमि ने पांच समाजसेवियों का किया सम्मान

हरिभूमि के संपादक प्रमोद भारद्वाज ने पार्षद ममता विश्वकर्मा को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इसके अलावा महाप्रबंधक डॉ. नीरज पांडे ने करुणा चौहान, प्रसार प्रबंधक एवं रीजनल हेड शशिकांत चतुर्वेदी ने सरिता मंडलोई, आईएनएच के ब्यूरो चीफ अनुराग मालवीय ने भोलानाथ राजपूत और जसविंदर कौर का सम्मान किया।

हरिभूमि टीम ▶▶ भोपाल

दैनिक हरिभूमि समाचार-पत्र की ओर से वार्ड-67 में 'मेरा वार्ड-मेरी बात' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

राजीव नगर के प्राइम-वे स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय रहवासी शामिल हुए और उन्होंने वार्ड से जुड़ी समस्याओं को साझा किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद ममता मनोज विश्वकर्मा ने लोगों समस्याओं को सुना और विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए समाधान और आगामी कार्य योजना की जानकारी दी। पार्षद ममता मनोज विश्वकर्मा ने कहा कि उनके वार्ड में रोड, पानी के साथ बारिश में नाला, नाली की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से करवाया गया है। वार्ड के विकास के लिए 1 करोड़ 30 लाख रुपए का बजट है। इसमें से 50 फीसदी विकास कार्यों में खर्च किए हैं, जबकि बची हुई राशि से विकास की योजनाएं तैयार हैं। मंजूरी मिलते ही काम जल्द शुरू हो जाएंगे।

सतनामी नगर में स्ट्रीट लाइट की समस्या होगी दूर

सतनामी नगर में मुख्य मार्ग पर अंधेरे की समस्या से लोगों को जल्द राहत मिलेगी। यहां 55 नई स्ट्रीट लाइटें लगेगी। लक्ष्मी नगर एवं विवेकानंद नगर में पार्कों का निर्माण प्रस्तावित है।

कमला नगर, अर्जुन नगर, ऋषि कल्प सिद्धार्थ नगर में बनेगी सड़क

कमला नगर, अर्जुन नगर, ऋषि कल्प एवं सिद्धार्थ नगर में सड़क का निर्माण होगा। राजीव नगर, इंद्रपुरी, ऋषि कल्प एवं अर्जुन नगर में शेड एवं चबूतरों का निर्माण करवाया गया है, जबकि पूरे वार्ड में करीब 10 स्थानों पर शेड एवं चबूतरे बनवाए गए।

जनप्रतिनिधि को लोग बताएं अपनी समस्याएं

15 से 20 साल पहले की तुलना में अब वार्ड और कॉलोनी में विकास को लेकर परिवर्तन आया है। सफाई को लेकर लोगों को भी जागरुक होना पड़ेगा। लोगों को चाहिए कि अगर समस्याएं हैं तो अपने जनप्रतिनिधि को बताएं, ताकि उनका निराकरण हो सके।

आरडी मंडलोई, शिक्षाविद

सड़क-पानी के साथ नालों की समस्याओं को प्राथमिकता

कॉलोनियों की अंदरुनी सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव भेजा

वार्ड में अधिकांश कॉलोनियों में सीसी सड़कें हैं, लेकिन कुछ कॉलोनियों में अंदरुनी सड़कें खराब हैं। रहवासी लंबे समय से क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि को इस संबंध में शिकायतें कर रहे हैं। उन क्षेत्रों में रोड निर्माण के प्रस्ताव नगर निगम मुख्यालय मंजूरी के लिए भेजे गए हैं। वहीं, इंद्रपुरी सी सेक्टर में लंबे समय से अधूरा पड़े हॉकर्स कॉर्नर के लिए राशि मंजूर हो गई है। जल्द ही यहां रोड पर लगने वाली दुकानें शिफ्ट होंगी। सिंचाई विभाग की बाउंड्रीवॉल के पास इसका निर्माण नगर निगम द्वारा करवाया गया है। वार्ड में विकास कार्यों के लिए अन्य प्रस्ताव भी तैयार किए जा रहे हैं, जिससे लोगों को सुविधाएं मिल सकेगी।

वार्ड में स्ट्रीट डॉग और गंदे पानी की शिकायत, बदलेगी पाइपलाइन

भोलानाथ ने स्ट्रीट-डॉग और गंदे पानी की शिकायत पर कहा कि जब भी नगर निगम का वाहन स्ट्रीट डॉग को पकड़ने आती है तो रहवासी कार्रवाई नहीं करने देते। कई बार तो विरोध के कारण स्ट्रीट-डॉग को नगर निगम की गाड़ियों से नीचे उतरवाना पड़ा। भोलानाथ ने गंदे पानी की समस्या से अवगत कराते हुए कहा कि बीते दो दिन बारिश होने के कारण घरों में गंदा पानी आ रहा है। जिस पर पार्षद ने कहा कि यह मामला आपके माध्यम से हमारे संज्ञान में आया है। जल्द ही पाइप लाइन बदलवाई जाएगी। कार्यक्रम में मनोज विश्वकर्मा, स्वच्छता ब्रांड एंबेसडेर अखलाक अहमद के अलावा समाजसेवी, शिक्षाविद, विभिन्न राजनीतिक पार्टी के जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए।

हरिभूमि समाचार पत्र के संपादक प्रमोद भारद्वाज ने पार्षद ममता विश्वकर्मा को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

हरिभूमि समाचार पत्र के महाप्रबंधक डॉ. नीरज पांडे ने समाजसेवी करुणा चौहान को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

हरिभूमि समाचार पत्र के प्रसार प्रबंधक एवं रीजनल हेड शशिकांत चतुर्वेदी ने सरिता मंडलोई को सम्मानित किया।

आईएनएच के ब्यूरो चीफ अनुराग मालवीय ने समाजसेवी जसविंदर कौर को सम्मानित किया।

क्या कहते हैं लोग

बारिश के बाद घरों में गंदा पानी आ रहा है

कुछ घरों में बारिश के बाद से गंदा पानी आ रहा है, जो लोगों के स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है। वार्ड की मुख्य और अंदरुनी सड़कों के निर्माण से लोगों को बेहतर आवाजाही की सुविधा मिली है। रोड, नाली निर्माण कार्य सराहनीय हैं।

भोलानाथ, जनप्रतिनिधि

पर्यावरण को देखते हुए पौधरोपण की जरूरत

सड़क, बिजली, पानी, साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर बदलाव हुआ है। इन कामों के अलावा जरूरी है कि वार्ड को हरा-भरा बनाया जाए। इसके लिए पौधरोपण जरूरी है। कॉलोनी स्तर पर पौधरोपण मुहिम चलाई जाए।

देवेंद्र योगी, सोशल वर्कर

रोड पर खुलेआम शराब पीने वालों पर कार्रवाई हो

अयोध्या बायपास रोड से लगी कई कॉलोनियों में लोग शरारती तत्वों से परेशान हैं। सड़कों पर बैठकर शराब पीते हैं। इसके कारण महिलाओं को परेशानी होती है। इसके कारण लड़ाई-झगड़े भी होते हैं। इस समस्या से पार्षद को भी अवगत कराया है। इस तरह की असामाजिक गतिविधि पर रोक लगना चाहिए।

सुनील व्यास, रहवासी

लाइब्रेरी का निर्माण हो

वार्ड में बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स हैं, इसलिए एक लाइब्रेरी का निर्माण वार्ड में होना चाहिए, ताकि स्टूडेंट्स वहां ज्ञान अर्जित कर सकें। राजीव नगर, भावना नगर में सड़कों का निर्माण चल रहा है। इनके बनने से बड़ी समस्या दूर हो जाएगी।

नवीन खैर, राजीव नगर

आरएसके ले रहा परीक्षा शुल्क, दोहरा मापदंड समझ से परे

आरटीई फीस के भुगतान में देरी... निजी स्कूलों का दावा : 3 साल का शुल्क पेंडिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

निःशुल्क शिक्षा अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्रवेशित बच्चों की फीस के भुगतान में लेटलतीफी को मामला एक बार फिर तूल पकड़ता नजर आ रहा है। मामले में अब प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने अपना विरोध दर्ज कराते हुए इसे विभागीय अधिकारियों की लापरवाही बताया है। इसके साथ ही शुल्क में बढ़ोत्तरी की मांग की है।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अजीत सिंह का कहना है कि राज्य शिक्षा केंद्र मध्य प्रदेश द्वारा निःशुल्क शिक्षा अधिकार अधिनियम के अंतर्गत प्रवेशित बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति 3 वर्षों से लंबित पड़ी है। सिंह ने कहा कि आरटीई के तहत पढ़ने वाले विद्यार्थियों को निशुल्क पढ़ाने का प्रावधान है, परंतु पांचवी आठवीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षा कराकर राज्य शिक्षा केंद्र उन बच्चों से परीक्षा शुल्क ले रहा है।

आंदोलन की चेतावनी

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन ने मांग की है कि या तो शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 समाप्त किया जाए और यदि यह अधिनियम जारी रहता है तो मान्यता के नाम पर की जा रही वसूली बंद की जाए तथा एफ डी समाप्त किया जाए साथ ही फीस प्रतिपूर्ति अभिलंब की जाए। एसोसिएशन ने ऐलान किया है कि यदि ऐसा नहीं किया गया तो प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन राज्य शिक्षा केंद्र के गलत नियमों के विरोध में मध्य प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय पर आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

पीएमश्री विद्यालय में वन महोत्सव का शुभारंभ

भोपाल। महापौर मालती राय ने शनिवार को 3-ईएमई सेंटर स्थित पीएम केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित वन महोत्सव-2026 का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया और प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थियों के साथ एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया। इस मौके पर महापौर राय ने विद्यालय परिवार के साथ सामूहिक रूप से एक हजार पौधे रोपित किए। महापौर ने स्वच्छ पर्यावरण के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करने और उनकी पर्याप्त देखभाल करने और अन्य लोगों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया।

भाभा विश्वविद्यालय में शपथ ग्रहण समारोह

मिसरोद पुलिस ने दिया साइबर सुरक्षा पर व्याख्यान, छात्रों को दिलाई शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाभा विश्वविद्यालय में शनिवार को विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मिसरोद पुलिस टीम द्वारा साइबर सुरक्षा विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। पुलिस टीम ने छात्रों को ऑनलाइन फ्रॉड, फिशिंग, सोशल मीडिया हैकिंग, यूपीआई धोखाधड़ी से बचने के उपाय विस्तार से समझाए। साथ ही डिजिटल लेनदेन में सावधानियां और हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी भी दी गई। विद्यार्थियों को मिसरोद पुलिस टीम द्वारा साइबर सुरक्षा के नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई गई।

राजभवन के पास फूटी पाइप लाइन मेंटेनेंस में जुटा नगर निगम अमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

शहर के मालवीय नगर क्षेत्र में शनिवार को पाइप लाइन फूट गई। देखते ही देखते बड़ी मात्रा में पानी सड़क पर फैल गया, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलने पर नगर निगम का जलकार्य विभाग का अमला मौके पर पहुंचा और क्षतिग्रस्त पाइप लाइन के मेंटेनेंस का काम शुरु किया।

पाइप लाइन फूटने के कारण कुछ समय के लिए जल प्रदाय बाधित हुआ।

कर वापसी और अपीलों के निपटारे में केंद्रीय जीएसटी भोपाल क्षेत्र देश में प्रथम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) तथा सीमा शुल्क एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क के भोपाल क्षेत्र ने करदाताओं को त्वरित सेवाएं देने और अपीलों के शीघ्र निराकरण के मामले में देशभर में पहला स्थान हासिल किया है।

सीबीआईसी ने उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन के लिए भोपाल क्षेत्र को सम्मानित किया है।

एओएमएसआई के 28वें मिड टर्म कन्वेंशन एवं 14वें पीजी कन्वेंशन का समापन

विशेषज्ञों ने आधुनिक ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी की नई तकनीकों पर साझा किए अनुभव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पीपुल्स यूनिवर्सिटी में आयोजित एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन्स ऑफ इंडिया के 28वें मिड टर्म कन्वेंशन एवं 14वें पीजी कन्वेंशन का समापन हुआ। सम्मेलन के दौरान विभिन्न वैज्ञानिक सत्र, लाइव क्लीनिकल चर्चाएं, पैनल डिस्कशन, शोधपत्र एवं पोस्टर प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। इस तीन दिवसीय सम्मेलन में देशभर से लगभग 1,200 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित भव्य ट्रेड फेयर में 50 प्रदर्शनी स्टॉल लगाए गए, जहां चिकित्सा उपकरणों, अत्याधुनिक तकनीकों एवं नवीनतम उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। दो दिनों के वैज्ञानिक कार्यक्रम में 900 से अधिक शोधपत्र एवं पोस्टर प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं तथा प्रतिभागियों के व्यावहारिक कौशल को सुदृढ़ करने के लिए 8 हैंड्स-ऑन कोर्स भी संपन्न हुए।

प्रतिभागियों को सम्मानित किया

उत्कृष्ट शोधपत्र एवं पोस्टर प्रस्तुत करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया गया। आयोजन डॉ. शाजी थॉमस, आयोजन अध्यक्ष, अध्यक्ष, ओरल एवं मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग, पीपुल्स कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर तथा एओएमएसआई के प्रेसिडेंट इलेक्ट के नेतृत्व में संपन्न हुआ। सम्मेलन की वैज्ञानिक गुणवत्ता, उत्कृष्ट व्यवस्थाओं एवं आतिथ्य की देशभर से आए प्रतिनिधियों एवं फैकल्टी सदस्यों ने मुक्तकंठ से सराहना की। इस अवसर पर पीपुल्स ग्रुप के वाइस चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर तथा आरपी फाउंडेशन के संस्थापक रोहित पंडित ने कहा कि पीपुल्स यूनिवर्सिटी के लिए इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करना अत्यंत गौरव का विषय है।

तीन दिवसीय ह्यूमन वैल्यूज़ नेशनल मीट हैप्पीनेस मॉडल का समापन

भोपाल। मध्यप्रदेश का हैप्पीनेस मॉडल अब देशभर में पहचान बना रहा है,जहां भोपाल में आयोजित तीन दिवसीय ह्यूमन वैल्यूज़ नेशनल मीट में 14 राज्यों के 55 प्रतिनिधियों ने राज्य आनंद संस्थान कार्यप्रणाली का शनिवार को सम्मेलन के समापन पर प्रतिनिधियों ने कहा कि यह मॉडल समाज में सकारात्मक सोच, आपसी विश्वास और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने इसे अपने-अपने राज्यों में भी लागू करने की इच्छा जताई। राज्य आनंद संस्थान के निदेशक प्रवीण कुमार गंगराड़े ने की। उन्होंने कहा कि आज के समय में सामाजिक सहयोग, संवेदनशीलता और विश्वास को बढ़ाना सबसे बड़ी जरूरत है। ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का काम करते हैं। संस्थान के निदेशक सत्यप्रकाश आर्य ने प्रतिनिधियों को विभाग की प्रमुख गतिविधियों अल्पविराम, सार्वभौमिक मानवीय मूल्य और आनंद ग्राम की जानकारी दी।

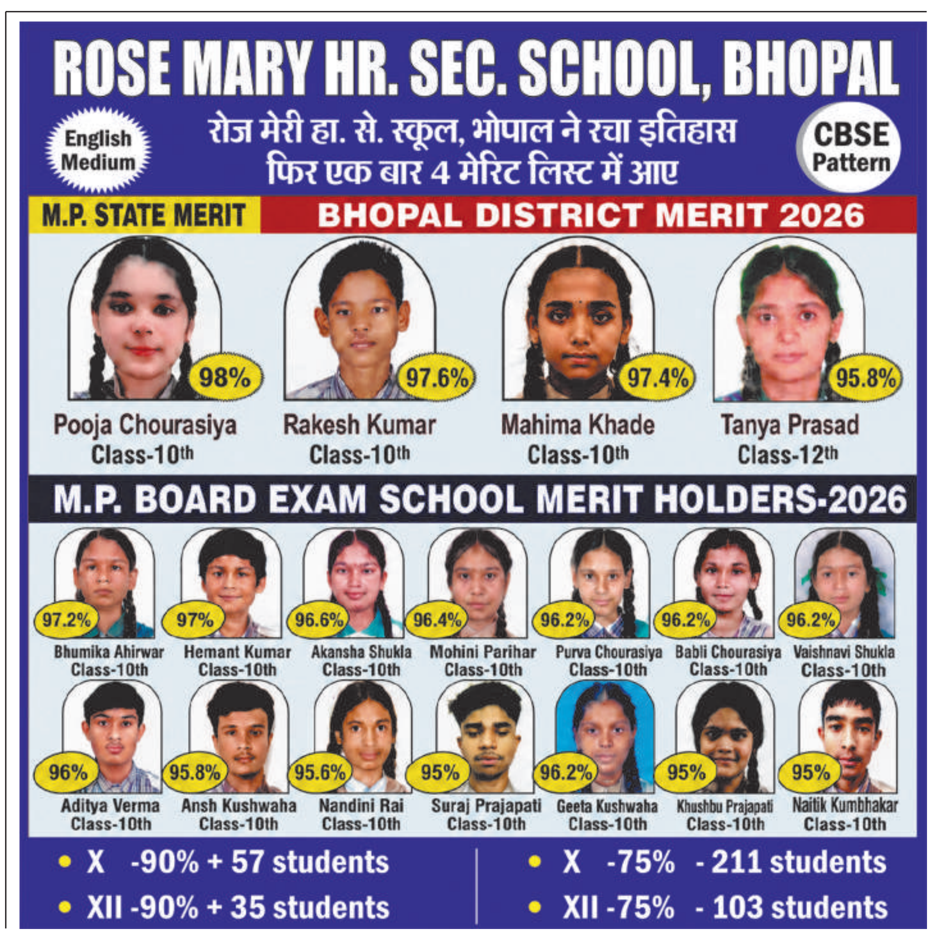

5 ग्रेफाइट के भंडार से 'क्रिटिकल मिनरल हब'...

14 सुरों की जुगलबंदी में भीगा अंतरंग सभागार...

कमिश्नर-कलेक्टर ने देखी थी समस्या, लेकिन स्थिति में नहीं हुआ सुधार

कलेक्टर और कमिश्नर के निरीक्षण के बाद भी लेफ्ट टर्न नहीं हुए क्लीयर, पीक ऑवर्स में ट्रैफिक जाम में फंसे वाहन

- *बंद ट्रैफिक सिग्नलों से बिगड़ी यातायात व्यवस्था, दुर्घटना का बना रहता है खतरा*
- *अधिकांश चौराहों पर लेफ्ट टर्न फ्री नहीं लग रहा ट्रैफिक जाम, पीक ऑवर्स में फंस रहे वाहन*

हरिभूमि की पड़ताल में सामने आए तथ्य

गोविंदपुरा में पीक आवर्स के दौरान लेफ्ट टर्न पर सबसे ज्यादा दबाव रहता है। डिपो चौराहे पर लेफ्ट टर्न अब भी अतिक्रमण और अव्यवस्थित पार्किंग की चपेट में है। मेट्रो निर्माण के चलते सड़क संकरी होने से जाम की समस्या और बढ़ गई है। सिग्नल लाइन का पालन नहीं होने से लेफ्ट टर्न बाधित हो रहा है। निरीक्षण के बाद भी मौके पर ट्रैफिक व्यवस्था में कोई ठोस बदलाव नजर नहीं आया।

गणेश मंदिर तिराहाः समयः दोपहर 3:40 बजे

रॉन्ग साइड से आते हैं वाहन

सावरकर सेतु से उतरने वाले हिस्से में हर बारिश में पानी भरने की समस्या सामने आती है। निर्माण एजेंसी को स्थाई तकनीकी समाधान निकालने के निर्देश दिए थे। लेकिन दूसरे दिन यहां कोई काम नहीं किया गया। यहां पर एक दिन पहले ही बारिश का पानी जमा था। इसके अलावा दूसरी ओर से रॉन्ग साइड से आने वाले वाहनों के कारण आरकेएमपी की ओर से आने वाले वाहन चालकों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। इसके कारण साथ ही हादसों का खतरा हमेशा बना रहता है।

बागसेवनिया चौराहा समयः शाम 4:30 बजे

पीक ऑवर्स में लगता है ट्रैफिक जाम

शनिवार को शाम करीब 4:30 बजे बागसेवनिया चौराहे पर यातायात व्यवस्था में कोई सुधार देखने को नहीं मिला। राजधानी के व्यस्ततम चौराहे पर ही लेफ्ट टर्न क्लीयर नहीं है। पीक ऑवर्स यानी करीब शाम 5 बजे के बाद यहां पर लगातार ट्रैफिक जाम की समस्या देखने को मिली। इस दौरान कोई भी यातायात जवान तैनात नजर नहीं आया।

हरिभूमि टीम ⏭ भोपाल

हरिभूमि पड़ताल

बारिश के सीजन में शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए शुक्रवार को कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने खुद सड़कों पर उतरकर समस्या को सुधारने के निर्देश दिए थे, लेकिन दूसरे दिन शनिवार को ट्रैफिक व्यवस्था में कोई सुधार नजर नहीं आया। जिन पांच चौराहों का कलेक्टर और कमिश्नर ने निरीक्षण किया था, वहां पर हरिभूमि टीम ने ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान ट्रैफिक सुधार के दावे जमीन पर फेल होते नजर आए। इनमें अधिकांश चौराहों पर लेफ्ट टर्न फ्री ही नहीं है, नतीजा चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल रेड होते ही लंबा जाम लग रहा है।

हरिभूमि टीम की पड़ताल में कुछ चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल बंद मिले। प्रमुख चौराहों पर लेफ्ट टर्न पर कारें, ऑटो और ई-रिक्शा खड़े मिले। कई वाहन चालक स्टॉप लाइन पार कर वाहन खड़े करते मिले, जिससे लेफ्ट टर्न का रास्ता बंद हो जाता है और कुछ ही देर में लंबा जाम लगने लगता है। पीक ऑवर्स में गोविंदपुरा आईटीआई तिराहे, डिपो चौराहा, गणेश मंदिर तिराहे, बाग सेवनिया तिराहा पर ट्रैफिक जाम देखने को मिला।

गोविंदपुरा आईटीआई तिराहा
समयः दोपहर 1:50 बजे

सुबह-शाम लेफ्ट टर्न जाम की चपेट में

शनिवार को दोपहर 1:50 बजे हरिभूमि टीम गोविंदपुरा आईटीआई तिराहे पर पहुंची। इस समय ट्रैफिक का दबाव कम होने से स्थिति सामान्य दिखाई दी। हालांकि स्थानीय निवासी सुनील वर्मा और मालिनी शर्मा ने बताया कि यहां से रोजाना 24 घंटे ट्रक निकलते रहते हैं, जिसके कारण यातायात बाधित होता है। कभी-कभी ट्रक मोड़ पर फंस जाता है। 20 से 30 तक मिनट का जाम लगता है। ऐसा दिन में दो से तीन बार होता ही है। सुबह और शाम के समय लेफ्ट टर्न पूरी तरह जाम की चपेट में आ जाता है। सिग्नल खुलने के बाद भी लेफ्ट की ओर जाने वाले वाहन आगे नहीं बढ़ पाते, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होता है।

डीपो चौराहा
समयः दोपहर 3:20 बजे

लेफ्ट टर्न पर ऑटो और ई-रिक्शा खड़े

शनिवार दोपहर 3:20 बजे टीम डिपो चौराहे पर पहुंची। यहां पर लेफ्ट टर्न पर कारें, ऑटो और ई-रिक्शा खड़े मिले। मेट्रो निर्माण के कारण सड़क संकरी हो चुकी है। कई वाहन चालक स्टॉप लाइन पार कर वाहन खड़े कर रहे हैं, जिससे लेफ्ट टर्न का रास्ता बंद हो जाता है और कुछ ही देर में लंबा जाम लगने लगता है। डिपो चौराहे के पास दुकान संचालक अभय कुमार ने बताया कि रात 8 से 9 बजे के बीच सबसे ज्यादा ट्रैफिक होता है। मेट्रो का काम चलने से कई बार वाहन घंटों तक जाम में फंसे रहते हैं। रोजाना इसी सड़क से ऑफिस आने-जाने वाले सोनू गुप्ता ने बताया कि यह समस्या नई नहीं है, पिछले कई सालों से समस्या बरकरार है। हम लोगों को रोजाना परेशानी झेलना पड़ती है। बारिश के दिनों में समस्या और भी बढ़ जाती है, लेकिन इस समस्या का कोई ठोस समाधान नहीं हो रहा है।

पॉलीटेक्निक चौराहा
समयः शाम 2:30 बजे

दिन में सिग्लन बंद, शाम को चालू हुआ

शनिवार को यहां पर दोपहर में करीब 2:30 बजे, पॉलीटेक्निक चौराहा पर सिग्नल बंद मिला। जिससे यहां पर यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बेतरतीब नजर आई। वाहन चालक मनमर्जी से सड़क पार कर रहे थे और टर्न लेते रहे। इससे न केवल यातायात का प्रवाह प्रभावित हुआ, बल्कि दुर्घटनाओं का खतरा भी लगातार बना रहा। शाम करीब 5 बजे पीक ऑवर्स में जब दोबारा चौराहे का जायजा लिया, तो सिग्नल चालू हो गया था, लेकिन यहां पर सिग्नल टाइमिंग 99 सेकंड थी। साथ ही लेफ्ट टर्न क्लीयर नहीं था। इसके कारण यहां पर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रही। वाहनों की कतार इतनी लंबी हो गई है कि कई बार वाहन चालकों को चौराहा क्रॉस करने के लिए दो से तीन बार सिग्नल के ग्रीन होने का इंतजार करना पड़ा। चौराहे पर काफी देर बाद यातायात सुचारु हो सका।

लांग टर्म में पूरे होंगे ट्रैफिक सुधार के काम

शहर के ट्रैफिक को सुधारने का काम लांग टर्म की प्रक्रिया है। जहां पर थोड़े बदलाव और काम से ट्रैफिक में सुधार किया जा सकता है, वहां काम शुरु करा दिया है। कई जगहों पर लांग टर्म का प्लॉन बनाकर काम करना पड़ेगा। जिन जगहों पर मेट्रो की बेरिकेडिंग की वजह से ट्रैफिक में अड़चन आ रही हैं, वहां भी सुधार किया जाएगा। यह बात कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कही। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस, पीडब्ल्यूडी और नगर निगम काम करेंगे।

15 जुलाई तक सब समस्या दूर हो जाएगी

ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार करने के लिए कुछ कुछ समस्या आ रही थी, जिनको कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर को अवगत कराया गया। संभवता 15 जुलाई तक यह सब समस्या दूर हो जाएगी। अभी इन चौराहों पर यातायात जवानों की टीम विशेष रूप से तैनात की जा रही है। जिससे ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित हो सकेगा।

बसंत कौल, एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक पुलिस

ट्रैफिक का पालन कराने कर रहे हैं पुरजोर प्रयास

कमिश्नर संजय कुमार सिंह ने बताया कि ट्रैफिक का पालन कराने पुरजोर प्रयास किया जा रहा है। ट्रैफिक संबंधी समस्याओं पर भी पुलिस को पूरा ध्यान है। ब्लैक स्पॉट पहले 16 थे। अब केवल 11 ब्लैक स्पॉट बचे हैं। बाकि के ब्लैक स्पॉट का सुधार किया गया है। इसके अलावा ब्लैक स्पॉट में लगातार सुधार भी किया जा रहा है। अधिकतर हादसों में मौत हेलमेट नहीं पहनने के कारण होती है। लिहाजा बाइक सवार हेलमेट लगाएं और कार सवार सीट बेल्ट लगाकर ही ड्राइव करें।

पुलिस कमिश्नर ने की हाई-लेवल बैठक में जांच की समीक्षा

भोपाल डबल मर्डर केसः हत्यारों की सूचना देने पर 50 हजार रुपए का इनाम घोषित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भोपाल के ऐशबाग थाना क्षेत्र में बुजुर्ग दंपति हेमंत फिलेमोन और शकुंतला बारीक की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचने के लिए इनाम घोषित कर दिया है। पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने हत्यारों या हत्या की साजिश से जुड़ी पुख्ता सूचना देने वाले को 50 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। वारदात के सात दिन बाद भी पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर कार्यालय में शनिवार को हाई-लेवल समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीसीपी अखिल पटेल की मौजूदगी में क्राइम ब्रांच, साइबर सेल और 12 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) के अधिकारियों ने अब तक की जांच की समीक्षा की।

सभी एंगल पर मामले की जांच जारी

पुलिस कमिश्नर संजय कुमार ने कहा कि जांच टीम संगठित और व्यवस्थित तरीके से काम कर रही है। मामले के हर संभावित एंगल पर जांच जारी है। फिलहाल जांच में कोई बड़ी लीड नहीं मिली है, लेकिन तकनीकी साक्ष्यों और फील्ड इनपुट के आधार पर टीम लगातार काम कर रही है।

आरजीपीवीः पेपर चोरी मामले में पांच दिन में जवाब नहीं मिला तो जिम्मेदारों होगी कड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी स्थित राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) से 9 सीलबंद लिफाफे में रखे बीटेक चौथे सेमेस्टर के पेपर चोरी होने के बाद शनिवार को भी मामले में जांच पड़ताल जारी रही। पेपर चोरी होने के बाद विवि में शुक्रवार सुबह शुरू होने वाली परीक्षा अचानक रोकनी पड़ी थी। अब इस मामले में पेपर के लिए नए सिरे से तारीख तय की जाएगी। विवि प्रशासन के अनुसार जो पेपर केंसिल किया गया है, उसके लिए नई तारीख जारी होगी। इधर इस मामले में घटना के बाद कुलगुरु डॉ. आलोक शर्मा ने यूटीडी की परीक्षा नियंत्रक डॉ. अर्चना तिवारी को नोटिस जारी कर 5 दिन में जवाब मांगा है। अगर इस अवधि में जबाव नहीं मिला तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इंजीनियरों सहित 29 दिवसीय दैवेभो कर्मचारी शामिल

नगर निगम के 700 से ज्यादा कर्मचारियों की फेस अटेंडेंस आईडी ब्लॉक, रुकेगा वेतन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

नगर निगम के कंप्यूटर सेक्शन ने 700 से ज्यादा कर्मचारियों की फेस अटेंडेंस आईडी ब्लॉक कर दी है। इसके चलते संबंधित कर्मचारियों के वेतन पर भी रोक लग सकती है। प्रभावित कर्मचारियों में इंजीनियर, सहायक राजस्व निरीक्षक (एआरआई), एलडीसी, विनियमित कर्मचारी तथा 29 दिवसीय दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी शामिल बताए जा रहे हैं। दरअसल बडी संख्या में ऐसे कर्मचारी बताए जा रहे हैं जो अटैंडेंस नियमित नहीं लगा रहे थे। हालांकि फेस अटेंडेंस व्यवस्था लागू होने के बाद विरोध के चलते निगम प्रशासन ने किसी भी कर्मचारी का वेतन नहीं रोका और वेतन लगातार जारी होता रहा।

अलग-अलग श्रेणी बनाई

अब निगम प्रशासन अटेंडेंस आईडी अन-ब्लॉक के बाद ही वेतन जारी करेगा। बताया जा रहा है कि निगम के कम्प्यूटर सेक्शन ने अटेंडेंस आईडी ब्लॉक करने के लिए अलग-अलग कैटिगिरी बनाई थीं। अगर किसी कर्मचारी ने महीने में सिर्फ 3 दिन भी अटेंडेंस लगाई है तो उसकी आईडी बंद कर दी गई। वहीं 10 दिन अटेंडेंस लगाने वाले से कारण पूछा गया है।

सेवनिया गौंड, गौरा और विसनखेड़ी में चला बुलडोजर, दो लोगों ने लिया हाईकोर्ट से स्टे, कार्रवाई टाली

तालाब किनारे के छह निर्माण ढहाए, बोट क्लब के 26 निर्माण ढहाने की तैयारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बड़े तालाब के एफटीएल से पचास मीटर दायरे में अवैध निर्माण करने को लेकर जिला प्रशासन की कार्रवाई जारी है। जिसके तहत शनिवार को टीटी नगर एसडीएम अर्चना शर्मा की टीम ने गौरा, सेवनिया गौंड और बिसनखेड़ी में छह निर्माणों को ढहा दिया। इन लोगों ने भोज वेडलैंड के तहत मार्च-2022 के बाद निर्माण कराया था।

जिसमें पक्के मकान, बाउंड्रीवॉल और पक्के पिलर शामिल हैं। सेवनिया गौंड और बिसनखेड़ी में दो निर्माणों को लेकर हाईकोर्ट का स्टे होने की वजह से उन्हें फिलहाल छोड़ दिया गया है।

अतिक्रमण को तोड़ती जेसीबी।

प्रशासन की निजी निर्माणों को लेकर कार्रवाई जारी

एसडीएम का कहना है कि भोज वेडलैंड के तहत वर्ष 2022 के बाद हुए टीटी नगर क्षेत्र के गांवों में 117 निर्माणों को चिन्हित किया गया था, जिसमें से सरकारी जमीन के सभी निर्माणों को पहले ही हटा दिया गया है, जबकि निजी निर्माणों को लेकर कार्रवाई जारी है। शनिवार को टीम ने सेवनिया गौंड में रॉबिन सिंह ठाकुर की पक्की बाउंड्रीवॉल, सेवनिया गौंड में गुड्डी बाई की बाउंड्रीवॉल टीनशेड और मकान, गौरा गांव में अशोक बिलगैया का मकान और टीन शेड, शांता दादलानी की बाउंड्रीवॉल और पिलर, बिसनखेड़ी विपिन चड्ढा की बाउंड्रीवॉल और राजेश शराफ की बाउंड्रीवॉल और पक्का मकान तोड़ा गया है।

21 अप्रैल का आदेश ढाई माह बाद अमल

तालाब के एफटीएल से पचास मीटर दायरे में आने वाले निजी निर्माणों को हटाने में जिला प्रशासन के पसीने छूट रहे हैं। टीटी नगर और बैरागढ़ सर्कल में आने वाली बाउंड्रीवॉल और कच्चे निर्माणों को हटाया गया है। जबकि इन निर्माणों को हटाने के लिए 21 अप्रैल को आदेश जारी किया गया था। हालांकि कार्रवाई ढाई महीने बाद 4 जुलाई को हुई है। इसमें भी बसंत कौर और मनीष जैन ने हाईकोर्ट से स्टे ले लिया है।

अब बोट क्लब के 26 अतिक्रमण हटेंगे

टीटी नगर क्षेत्र के बोट क्लब पर पचास मीटर के दायरे में जॉक रेस्टॉरेंट, का चार हजार वर्गफीट एरिया, लहर रेस्टॉरेंट, विंड्स एंड वेब का निर्माण भी आ रहा है। टीम ने बोट क्लब की बाउंड्री को एफटीएल मानते हुए सर्वे किया है। इधर नगर निगम के फूड जोन में बनी 26 दुकानों को भी हटाया जाना है।

भाड़ा टूटने से गिरा मिस्त्री सज्जे में दबा, मौत

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र स्थित रूचि लाइफ स्कैप में शनिवार शाम भाड़े पर खड़े होकर प्लास्टर कर रहा मिस्त्री सज्जा टूटने से गिर गया। सज्जा उस पर गिरने के कारण उसे गंभीर चोट आई थी और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। पुलिस के अनुसार देवी प्रसाद अहिरवार पिता निर्भय सिंह अहिरवार (28) सागर के गांव का था। गांव के अन्य मजदूरों के साथ वह रूचि लाइफ स्कैप में काम कर रहा था। साथी मजूदर ने बताया कि शनिवार शाम करीब चार बजे देवी सिंह अहिरवार सज्जे पर भाड़ा के सहारे खड़े होकर काम कर रहे थे। इस दौरान मिस्त्री देवी प्रसाद नीचे गिर गए।

बारिश में पानी भरने से गड्ढे दिखाई नहीं देते और वाहन चालक सीधे इनमें उतर जाते हैं, जो बड़ी दुर्घटना का सबब बन सकते हैं

एम्स मेट्रो स्टेशन से सुभाष नगर डिपो तक सड़क पर औसतन 10 मीटर के दायरे में करीब 15 गड्ढे

इंची टेप से नापे जानलेवा गड्ढे, 12 फीट लंबे 10 इंच गहरे गड्ढे, वाहनों चालकों पर 'संकट'

मनीष मान ▶▶ भोपाल

हरिभूमि पड़ताल

बरसात के बीच राजधानी की सड़कों की वास्तविक स्थिति जानने के लिए हरिभूमि की टीम मौके पर पहुंचकर पड़ताल की तो तस्वीर चौंकाने वाली सामने आई, जहां एम्स मेट्रो स्टेशन से सुभाष नगर मेट्रो डिपो को जोड़ने वाली लगभग 7 किलोमीटर की सड़क पर हरिभूमि टीम ने इंची टेप से गड्ढों की लंबाई, चौड़ाई और गहराई नापी तो 12 फीट तक लंबे और 8 से 10 इंच तक गहरे गड्ढे मिले, जो किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं।

हरिभूमि सड़क पर गड्ढों को नापते हुए।

हर एक-दो दिन में दो पहिया वाहन चालक हो रहे दुर्घटना के शिकार

10 मीटर के दायरे में 15 गड्ढे

सबसे हैरानी की बात यह रही कि एमपी नगर मेट्रो के नीचे सड़क के महज 10 मीटर के दायरे में 12 से 15 बड़े-बड़े गड्ढे मिले जिसकी ऊपरी परत पूरी तरह उखड़ चुकी है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों का संतुलन बार-बार बिगड़ रहा है। बारिश का पानी भर जाने से गड्ढों की गहराई दिखाई नहीं देती और वाहन चालक सीधे इनमें उतर जाते हैं। यह सड़क एम्स, मेट्रो स्टेशन और सुभाष नगर डिपो को जोड़ने वाली अहम सड़क है, जहां से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं।

गड्ढे में गिरने से दो पहिया चालक का हाथ टूट गया

एसबीआई मुख्यालय के सामने सड़क के तिराहे पर 15 फुट लंबी और 11 इंच तक गहरी सड़क हो चुकी है, जहां से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरतें है,जहां से स्कूल वाहन, ऑफिस से आने-जाने वाले लोग रोजाना गुजरते है सड़क के किनारे दुकानदार ने बताया कि दो दिन पहले हुई बारिश में गड्ढा पुरी तरह से भर गया था और दो पहिया चालक गड्ढे में गिरने से उसका हाथ टूट गया और पीछे बैठे व्यक्ति का पैर फैक्चर हो गया, रोजाना एक दो हादसे होते है। उसके बाद भी सड़क का पुनःनिर्माण नही किया जा रहा है। लोनिवि प्रशासन का तर्क है कि शहर में जहां भी सड़कें खराब हैं वहां मेंटेनेंस करवाया जा रहा है।

अमरनाथ यात्राः रजिस्ट्रेशन के लिए फर्जी एजेंट सक्रिय

भोपाल। 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा की शुरूआत हो चुकी है,इसी के साथ ही तत्काल रजिस्ट्रेशन

कराने के नाम पर एजेंट व दलाल भी सक्रिय हो गए। पहलगाम में हजारों की संख्या में अनरजिस्टर्ड भक्त पहुंचे हैं, जिन्होंने पहले रजिस्ट्रेशन नहीं कराया और अब ऑन स्पॉट यानी तत्काल रजिस्ट्रेशन के लिए पहलगाम पहुंच है। लेकिन अभी तक पहलगाम में तत्काल रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू नहीं हुई है। पिछले तीन दिनों से भक्त दरबदर भटक रहे हैं। इस सब के बीच कुछ दलाल तत्काल रजिस्ट्रेशन के नाम पर भक्तों के साथ लूट कर रहे है। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल रजिस्टर्ड भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि जिन यात्रियों का किन्हीं कारणों से भोपाल में यात्रा का पंजीयन नहीं हो पाया थे। वह बगैर पंजीयन के यात्रा में शामिल होने के लिए जम्मू ,बालटाल या पहलगाम पहुंच गए हैं,ऐसे भक्तों से वहां के लोकल दलालों द्वारा तत्काल पंजीयन के नाम पर अधिक राशि लेकर पंजीयन कराए जा रहे हैं। इसी तरह ग्रुप रजिस्ट्रेशन के नाम पर श्राइन बोर्ड द्वारा अग्रिम पूरी फीस जमा करा लेने के बावजूद पूरे आधे अधूरे पंजीयन किए गए । इन दोनों घटना क्रम से अमरनाथ यात्री आहत हुए है।

मौसम विभाग का अंदाजा, आज भी बरसेंगे काले-काले घने बदरा

दोपहर में उमस से बढ़ी परेशानी शाम को बारिश ने दिलाई राहत

दिन में धूप और बादलों के बीच गर्मी-उमस का रहा असर, शाम से पड़ी बौछारें, घूमने निकले सैलानी

बोट क्लब, चिड़ियाटोल, वनविहार और शाहपुरा लेक के किनारे भी सैलानियों की चहल पहल बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दिनभर मौसम का मिजाज मिलाजुला रहा। दिनभर बादल-धूप के बीच बने गर्मी और उमस के मौसम (घमस) से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लेकिन शाम को बादल गहराए और हल्की बौछारें शुरू हुईं, जिससे कुछ राहत महसूस की गई। दोपहर बाद से बदले मौसम से सैलानियों ने घूमने फिरने का मूड बनाया। इससे शहर और आसपास के पिकनिक स्पॉट्स और जंगली इलाके शाम तक गुलजार रहे। मौसम केंद्र के अनुसार रविवार को भी भोपाल में मौसम ऐसा ही रहेगा।

यहां रही ज्यादा भीड़

शनिवार को दोपहर बाद केरवा और कलियासोत के जंगली इलाके गुलजार दिखे। बोट क्लब और शाहपुरा लेक के किनारे भी सैलानियों की चहल पहल रही। मनुआभान, चिड़ियाटोल और सैरसपाटा के साथ वनविहार में अपेक्षाकृत अधिक सैलानियों की आमद देखी गई।

इसलिए बढ़ी उमस

शहर में सुबह से बादल रहे, दोपहर में कहीं धूप तो कहीं छांव रही। हवा की गति भी काफी कम रही। इस बीच दिन का पारा 1.8 डिग्री बढ़ गया। पारा 30.8 डिग्री रहा। हवा में 90 फीसदी से अधिक नमी होने और हवा की रफ्तार काफी कम होने के साथ ही धूप और बादलों से उमस बढ़ गई। शाम को हुई बारिश के बाद लोगों को कुछ राहत महसूस हुई।

पहली टनल 120 मीटर तो दूसरी 50 मीटर से ज्यादा बनकर हुई तैयार, 24 घंटे चल रही हैं मशीनें

पहली बार एक साथ दो टनल बनाने जमीन के 75 फीट नीचे चल रही हैं टनल बोरिंग मशीनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में मेट्रो परियोजना के तहत प्रदेश में पहली बार एक साथ दो अंडरग्राउंड टनल बनाने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। भोपाल रेलवे स्टेशन से पुल पातरा तक बनने वाली इन टनलों के निर्माण के लिए दो टनल बोरिंग मशीनें जमीन से करीब 75 फीट नीचे 24 घंटे लगातार खुदाई कर रही हैं।

मेट्रो अधिकारियों के अनुसार पहली टनल का निर्माण 120 मीटर से अधिक पूरा हो चुका है, जबकि दूसरी टनल भी 50 मीटर से ज्यादा आगे बढ़ चुकी है। दोनों टनलों का निर्माण समानांतर रूप से किया जा रहा है। यह प्रदेश का पहला अवसर है, जब एक ही दिशा में दो टीबीएम एक साथ काम कर रही हैं।

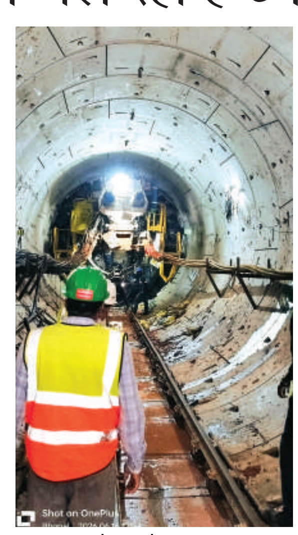

अंडरग्राउंड टनल।

टीबीएम को सतह से लगभग 24 मीटर (करीब 75 फीट) की गहराई पर स्थापित किया गया है। अत्याधुनिक तकनीक से लैस ये मशीनें खुदाई के साथ-साथ टनल की आंतरिक कंक्रीट रिंग भी स्थापित कर रही हैं, जिससे निर्माण सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रहा है। दोनों टनलों का एग्जिट प्वाइंट पुल पातरा रहेगा। यहां पहुंचने के बाद टीबीएम को बाहर निकाला जाएगा और फिर दोबारा भोपाल रेलवे स्टेशन स्थित अंडरग्राउंड मेट्रो स्टेशन तक लाकर नादरा बस स्टैंड की ओर अगली टनल के निर्माण में लगाया जाएगा।

गार्ड ऑफ ऑनर देकर शिक्षाविद् राजेश्वर प्रसाद माहेश्वरी का देहदान संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल निवासी 97 वर्षीय प्रतिष्ठित शिक्षाविद् स्वर्गीय राजेश्वर प्रसाद माहेश्वरी का देहदान एम्स में संपन्न हुआ। उन्होंने लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व स्वयं की इच्छा से देहदान का संकल्प लिया था, जिसे उनके पुत्र विपिन कुमार माहेश्वरी (आईपीएस अधिकारी) एवं परिवारजनों ने पूरा

किया। मध्य प्रदेश शासन के निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार देहदाता को गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया तथा पूरे सम्मान के साथ उनका पार्थिव शरीर एम्स भोपाल लाया गया।

बारिश के कारण ट्रेनों की रफ्तार पर लगा विराम, यात्रा करने वाले मुसाफिर परेशान

20 मिनट से लेकर साढ़े ग्यारह घंटे तक लेट हो रहीं गाड़ियां

ट्रैक मेंटेनेंस और बारिश के चलते भोपाल आने वाली ट्रेन साढ़े 11 घंटे तक की देरी से पहुंचीं, भोपाल मंडल से संचालित ट्रेनें समय पर पहुंचीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देशभर के कई हिस्सों में हो रही बारिश के चलते ट्रेनों की रफ्तार रोक दी है। इसके चलते शनिवार को भोपाल आने वाली कई ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। ट्रेनें अपने निर्धारित समय से 20 मिनट से करीब साढ़े 11 घंटे तक लेट आई। इसके चलते यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। पंजाब, दिल्ली व मुंबई रूट से आने वाली ट्रेनें सबसे अधिक प्रभावित हो रही है। उल्लेखनीय है कि भोपाल आने वाली ट्रेनें लगातार देरी आ रही है। पिछले तीन माह से यात्री ट्रेनों को लेटलतीफी से परेशान है। भोपाल रेल मंडल के अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन दूसरे मंडलों में काम व बारिश की वजह से पहले से लेट आ रही है। भोपाल मंडल से संचालित होने वाली सभी ट्रेनें टाइम पर चल रही है।

यह ट्रेनें आई देरी से

- 01080 गोरखपुर-मुंबई छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस एक्सप्रेस 11:30 घंटे
- 18238 छतीसगढ़ एक्स. 5.00 मिनट लेट आई
- 01415 पुणे - गोरखपुर स्पेशल ट्रेन 4:53 घंटे लेट आई
- 01026 बलिया - दादर स्पेशल 4:22 घंटे की देरी से आई
- 11271 विंध्याचल एक्सप्रेस 1:59 घंटे लेट आई
- 20424 पतालकोर्ट एक्सप्रेस 1:45 घंटे की देरी से आई
- 11058 अमृतसर एक्सप्रेस 1.35 घंटे की देरी से आई
- 12138 पंजाब मेल 0:24 मिनट देरी से आई
- 12198 ग्वालियर-भोपाल इंटरसिटी एक्सप्रेस 0:21 मिनट लेट आई
- 11078 झेलम एक्सप्रेस 0:22 घंटे लेट आई

जीआरपी की सराहनीय पहल

बिछड़ी मासूम बच्ची को टीटीई की सतर्कता से सुरक्षित परिजनों को सौंपा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल में कार्यरत चेकिंग स्टाफ टीटीई साकिब खान की सतर्कता, त्वरित निर्णय क्षमता के कारण एक बिछड़ी हुई मासूम बच्ची को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाने में सफलता मिली। गाड़ी संख्या 11408 लखनऊ-पुणे एक्सप्रेस के इटारसी से प्रस्थान करने के कुछ समय बाद एस-9 कोच की बर्थ

मासूम बच्ची को परिजनों को सुरक्षित सौंपता हुआ स्टाफ।

संख्या 73 पर यात्रा कर रहे एक यात्री ने टीटीई साकिब खान को सूचना दी कि उनकी छोटी बच्ची ट्रेन में नहीं है। सूचना मिलते ही बिना विलंब किए वाणिज्य नियंत्रण को घटना से अवगत कराया और आवश्यक कार्रवाई प्रारंभ कराई। कुछ ही देर बाद कमर्शियल कंट्रोल से सूचना प्राप्त हुई कि इटारसी रेलवे स्टेशन पर जीआरपी को एक मासूम बच्ची सुरक्षित अवस्था में मिली है। उन्होंने तत्काल जीआरपी इटारसी से संपर्क स्थापित कर यात्री द्वारा बच्ची की पहचान कराई, जिससे पुष्टि हुई कि वह बच्ची उसी यात्री की है। इसके बाद आवश्यक मेमो जारी कर हरदा स्टेशन पर ट्रेन रुकवाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई गई।

फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम में नोडल अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

जीएमसी में नोडल अधिकारियों को दिया गया प्रशिक्षण।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के सामुदायिक चिकित्सा विभाग और देवराज उर्स मेडिकल कॉलेज (एसडीयूएमसी) कोलार के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) के फैमिली एडॉप्शन प्रोग्राम (एफएपी) के अंतर्गत नोडल अधिकारियों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य मेडिकल कॉलेजों के प्राध्यापकों एवं चिकित्सकों को ऑटिज-एफएपी ई-लॉगबुक के उपयोग का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना था। इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से कागज रहित दस्तावेजीकरण को बढ़ावा मिलेगा तथा ऑनलाइन मॉनिटरिंग एवं मूल्यांकन अधिक प्रभावी होगा। कार्यशाला के तकनीकी सत्रों का संचालन एसडीयूएमसी, कोलार के विशेषज्ञ डॉ. सुनील बीएन, डॉ. समुद्युता यूसी. एवं डॉ. सीथल रोज द्वारा किया गया।

कम पानी एवं कम अवधि वाली फसलों का बढ़ाएं रकबा : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्राकृतिक खेती में बड़ा स्कोप है। यह बड़े मुनाफे का काम है। किसानों को चाहिए कि वे परम्परागत खेती के स्थान पर जैविक एवं प्राकृतिक खेती अपनाएं। मुख्यमंत्री ने इस साल अल्प वर्षा की आशंका को देखते हुए प्रदेश के किसानों से अपील की है कि वे अपने कृषि कार्यों की वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक योजना बनाएं तथा कम अवधि और कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों को विशेष प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा एवं कृषि उत्पादन को सुरक्षित बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां कर रही है।

कृषि, उद्यानिकी एवं संबंधित विभागों के माध्यम से जिलेवार सतत समीक्षा और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। डॉ यादव ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में जल संरक्षण और जल के विवेकपूर्ण उपयोग का विशेष महत्व है। कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग द्वारा जारी तकनीकी की सलाह का पालन करते हुए परिस्थितियों के अनुरूप फसल चयन करें।

परम्परागत के स्थान पर अपनाएं जैविक एवं प्राकृतिक खेती

डॉ. यादव, मुख्यमंत्री (फाइल फोटो)

सरकार हर परिस्थिति में किसानों के साथ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों को आश्वस्त किया कि प्रदेश सरकार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ी है। किसानों को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन, कृषि आदान उपलब्ध कराने तथा परिस्थितियों के अनुरूप हर संभव सहयोग सुनिश्चित करने के लिए सभी विभागों को निर्देश दिए गए हैं। सरकार का प्रयास है कि किसी भी किसान को कठिनाई का सामना न करना पड़े। डॉ यादव ने किसानों को मानसून और बारिश की अपडेट्स के लिए सोशल मीडिया आधारित मैसेजिंग सिस्टम पर विशेष जोर दिया है। बारिश कम होने की स्थिति में बीज उपचार, बुवाई की तकनीक, कम पानी में उपज देने वाली फसलों जैसे- बाजरा, ज्वार, उड़द, मूंग, अरहर, कोदो-कुटकी की खेती के लिए प्रेरित किया जा रहा है। ऐसी फसलें कम पानी और कम अवधि में बेहतर उत्पादन के लिए अच्छा विकल्प हैं।

श्रीअन्न के उत्पादन को दें प्राथमिकता, सरकार भी प्रसंस्करण एवं विपणन को कर रही प्रोत्साहित

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से विशेष रूप से श्रीअन्न (मोटा अनाज) जैसे कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार, बाजरा सहित अन्य कम पानी में सफलतापूर्वक पैदा होने वाली फसलों का रकबा बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ये फसलें जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के अनुरूप होने के साथ कम लागत, अधिक पोषण एवं किसानों की आय वृद्धि के बेहतर विकल्प की दृष्टि से भी अत्यंत लाभकारी हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भी श्रीअन्न के उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन को निरंतर प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने कहा कि बदलती जलवायु परिस्थितियों में वैज्ञानिक कृषि पद्धतियां अपनाकर ही उत्पादन और आय को सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश का अन्नदाता अपने अनुभव, परिश्रम और आधुनिक तकनीकों के समन्वय से हर चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करने में सक्षम है।

स्थापित प्लांट की कीमत होगी करीब ढाई हजार करोड़

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज करेंगे अडाणी डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 5 जुलाई को शिवपुरी में अडानी समूह द्वारा स्थापित किए जा रहे लगभग 2,500 करोड़ रुपए की लागत वाले अत्याधुनिक डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शिलान्यास करेंगे। यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियान के औद्योगिक विकास के विजन को नई गति प्रदान करेगी। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय मंत्री सिंधिया 211.29 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया भी जाएगा।

रोजगार और स्थानीय उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा

डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसमें स्थानीय लोगों को भी रोजगार के अवसर मिलेंगे। साथ ही क्षेत्र के छोटे एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को रक्षा उत्पादन की सप्लाई चेन से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

खबर संक्षेप

भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ता सम्मेलन आज

भोपाल। जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में स्मरण पखवाड़ा कार्यक्रमों के अंतर्गत रविवार को सुबह 10.30 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में भोपाल जिला का कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया है। भारतीय जनता पार्टी के भोपाल जिलाध्यक्ष रविन्द्र यति ने बताया कि सम्मेलन को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल संबोधित करेंगे।

दिव्यांगों की शिक्षा प्रोत्साहन आवेदन की तिथि 31 अगस्त तक

भोपाल। सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा मुख्यमंत्री दिव्यांगजन शिक्षा प्रोत्साहन योजना का वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 31 अगस्त तक ऑनलाइन आवेदन बुलाए गए हैं। सामाजिक न्याय, दिव्यांगजन कल्याण मंत्री नारायण सिंह कुशवाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को शिक्षा, तकनीक और गतिशीलता से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सादगीपूर्ण विवाह की प्रशंसा की

भोपाल। सीएम डॉ. यादव ने बैतूल में खंडेलवाल परिवार में हुए सादगी पूर्ण विवाह समारोह की प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और उनके परिवार को भेजे संदेश में कहा कि 3 जुलाई को परिवार द्वारा सीमित संख्या में अतिथियों को आमंत्रित कर सादगी पूर्ण विवाह समारोह संपन्न किया। परिवार ने आडंबर विहीन कार्यक्रम आयोजित कर बहुत कम संख्या में अतिथि बुलाकर उत्कृष्ट परंपरा का परिचय देते हुए एक उदाहरण प्रस्तुत किया।

ईवी बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा मप्र

ग्रेफाइट के भंडार से 'क्रिटिकल मिनरल हब' के रूप में विकसित हो रहा प्रदेश: डॉ. यादव

विशेष प्रतिनिधि ▸▸ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि खनिज संपदा की प्रचुरता और निवेश अनुकूल नीतियों से मध्यप्रदेश देश की औद्योगिक प्रगति में अहम भूमिका निभा रहा है। बैतूल से आलीराजपुर तक फैली खनिज बेल्ट में उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट के विशाल भंडार मिलने से प्रदेश देश के उभरते 'क्रिटिकल मिनरल हब' के रूप में तेजी से विकसित हो रहा है।

इस बेल्ट में हाई फिक्स्ड कार्बन और उत्कृष्ट फ्लेकी गुणवत्ता वाला ग्रेफाइट पाया गया है। इसे इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और रक्षा उद्योगों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह खोज मध्यप्रदेश को भविष्य की हरित अर्थव्यवस्था का प्रमुख केंद्र बनाने के साथ देश को हरित ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

विश्वभर में इलेक्ट्रिकल वाहनों, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों की बढ़ती मांग के कारण लगातार बढ़ रही है इसकी आवश्यकता

खास बातें

- बैतूल से आलीराजपुर तक तेजी से हो रहा विकसित
- हरित ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में निभाएगी महत्वपूर्ण भूमिका

फाइल फोटो।

घरेलू स्तर पर कच्चा माल उपलब्ध कराएगा

ग्रेफाइट लिथियम-आयन बैटरियों के एनोड निर्माण का प्रमुख कच्चा माल है। इलेक्ट्रिकल वाहनों, ऊर्जा भंडारण प्रणालियों की बढ़ती मांग के कारण इसकी आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में मिल रहा उच्च गुणवत्ता वाला ग्रेफाइट ईवी उद्योग को गति देगा, ऊर्जा भंडारण परियोजनाओं को सशक्त बनायेगा और पवन एवं सौर ऊर्जा परियोजनाओं के लिए बैटरी निर्माण में सहायक बनेगा। इसके साथ ही रक्षा और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योगों को भी घरेलू स्तर पर कच्चा माल उपलब्ध कराएगा।

ग्रेफाइट औद्योगिक विकास का नया आधार

प्रदेश ग्रेफाइट संसाधनों में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। प्रदेश के बैतूल, आलीराजपुर और सीधी जिलों में उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट के विशाल भंडार चिन्हित किए गए हैं। इन क्षेत्रों से प्राप्त ग्रेफाइट में उच्च स्थिर कार्बन की मात्रा होने के कारण यह इलेक्ट्रोड निर्माण, बैटरी उद्योग तथा अन्य उच्च तकनीकी औद्योगिक उपयोगों के लिए अत्यंत उपयुक्त माना जाता है। प्रदेश में ग्रेफाइट खनन के क्षेत्र में बड़ा परिवर्तन तब आया जब सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने गैर-कोयला खनन क्षेत्र में प्रवेश करते हुए आलीराजपुर जिले के खट्टाली छोटी ग्रेफाइट ब्लॉक का अधिग्रहण किया। इससे प्रदेश में बड़े स्तर पर व्यावसायिक ग्रेफाइट खनन का मार्ग प्रशस्त हुआ। विशेषज्ञों के अनुसार बैतूल क्षेत्र के ग्रेफाइट शिस्ट में वेनेडियम जैसे महत्वपूर्ण क्रिटिकल मिनरल मिलने की भी संभावना है। इससे यह क्षेत्र देश के सबसे महत्वपूर्ण बहु-खनिज क्षेत्रों में शामिल हो जाएगा।

आदिवासी क्षेत्रों में बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

बैतूल, आलीराजपुर तथा आस-पास के आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्रों में ग्रेफाइट आधारित उद्योगों, प्रसंस्करण इकाइयों तथा रिफाइनरी परियोजनाओं की स्थापना से स्थानीय स्तर पर हजारों प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। इससे क्षेत्रीय आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी और स्थानीय युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध होंगे। प्रदेश में उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट के कारण कम लागत पर खनन संभव होगा।

आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भूमिका महत्वपूर्ण

उच्च गुणवत्ता वाले ग्रेफाइट, स्वर्ण, रेयर अर्थ मिनरल्स, तांबा, मैंगनीज, कोयला, डोलोमाइट तथा अन्य बहुमूल्य खनिजों की उपलब्धता, आधुनिक तकनीक आधारित खनन व्यवस्था, वैज्ञानिक अन्वेषण, बड़े निवेश और औद्योगिक नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन के कारण मध्यप्रदेश देश के सबसे महत्वपूर्ण खनिज एवं औद्योगिक राज्यों में तेजी से उभर रहा है।

सांसद फिरोजिया ने अमित शाह को लिखा पत्र

आतंकी पकड़ाने के बाद महाकाल मंदिर की सुरक्षा की फिर उठी मांग

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

देवास से हाल ही में एटीएस द्वारा एक संदिग्ध आतंकी की गिरफ्तारी के बाद उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया ने एक बार फिर श्री महाकालेश्वर मंदिर की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। सांसद ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर महाकाल मंदिर की सुरक्षा में केंद्रीय रिजर्व फोर्स (सीआरपीएफ) की तैनाती की मांग की है।

सांसद अनिल फिरोजिया ने कहा कि श्री महाकालेश्वर मंदिर विश्व प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है, जहां प्रतिवर्ष लाखों-करोड़ों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या और अधिक बढ़ेगी, इसलिए अभी से सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना आवश्यक है।

पहले भी लिखा पत्र

फिरोजिया ने बताया कि इससे पहले भी उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को महाकाल मंदिर की सुरक्षा को लेकर पत्र लिखा था। उस पत्र के बाद केंद्र सरकार की टीम उज्जैन पहुंची थी, जिसने मंदिर परिसर और सुरक्षा व्यवस्था का सर्वे किया तथा अधिकारियों के साथ बैठक भी की थी। सांसद का दावा है कि केंद्रीय गृह मंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया था कि सिंहस्थ से पहले महाकाल मंदिर की सुरक्षा के लिए केंद्रीय रिजर्व फोर्स की तैनाती की प्रक्रिया पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सांसद ने कहा कि देवास से जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े संदिग्ध आतंकी की गिरफ्तारी और उसके अन्य राज्यों से संपर्क सामने आने के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि उज्जैन के आसपास पहले भी सिमी और पीएफआई जैसी गतिविधियों की चर्चाएं रही हैं।

सीएम से भी अतिरिक्त बल बढ़ाने की मांग

उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने उज्जैन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) से भी चर्चा कर मंदिर की सुरक्षा बढ़ाने का आग्रह किया है। साथ ही मुख्यमंत्री से अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराने की मांग की है। सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री के पास गृह विभाग का भी प्रभार है, इसलिए उन्हें पूरी अपेक्षा है कि सिंहस्थ और श्रद्धालुओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किया जाएगा। फिरोजिया ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि केंद्र सरकार महाकाल मंदिर की सुरक्षा को लेकर सकारात्मक निर्णय लेगी।

नव-नियुक्त शिक्षकों के नियुक्ति आदेश

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग ने माध्यमिक शिक्षक (हिन्दी, गणित, अंग्रेजी, संस्कृत, सामाजिक विज्ञान), माध्यमिक शिक्षक (खेल), माध्यमिक शिक्षक (गायन-वादन) के कुल 4067 एवं प्राथमिक शिक्षक के पदों पर 950 अभ्यर्थियों के नियुक्तियों आदेश 3 एवं 4 जुलाई 2026 को जारी किए हैं। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने चयनित सभी 5017 नव-नियुक्त शिक्षकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बच्चों के सर्वांगीण विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए जो विजन, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में अपनाया है, इन नियुक्तियों के रूप में मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हम उसी दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

दिग्विजय के आरोपों को बताया निराधार

दिग्विजय सिंह पहले अपने कार्यकाल का हिसाब दें : वीडी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

खजुराहो सांसद एवं पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने दिग्विजय सिंह के राम मंदिर और उज्जैन महाकाल मंदिर की जमीन से जुड़े आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि पूरा देश जानता है कि दिग्विजय सिंह किस तरह के बयान देते हैं। वीडी शर्मा ने कहा कि यदि राम मंदिर ट्रस्ट से जुड़े किसी भी मामले में अनियमितता की शिकायत आई है तो ट्रस्ट ने स्वयं संज्ञान लिया है, सरकार ने उनके ही अनुरोध पर एसआईटी गठित की गई और निष्पक्ष जांच जारी है। यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। महाकाल मंदिर की जमीन पर आरएसएस के गेस्ट हाउस बनाने के आरोपों पर भी वीडी शर्मा ने पलटवार करते हुए कहा कि दिग्विजय सिंह पहले अपने कार्यकाल का हिसाब दें।

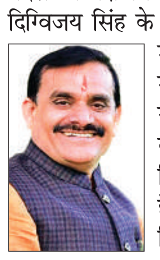
वीडी शर्मा

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस शासनकाल में चरनोई भूमि के आवंटन को लेकर स्वयं दिग्विजय सिंह ने बाद में उसे अपनी बड़ी गलती बताया था। उन्होंने कहा कि दिग्विजय सिंह लगातार हिंदुत्व और सनातन पर सवाल खड़े कर उसे बदनाम करने की कोशिश करते रहे है, जबकि भाजपा सरकार पारदर्शिता के साथ हर मामले की जांच कर रही है।

कांग्रेस की एकजुटता पर जताया पूरा विश्वास

दतिया उपचुनावः कांग्रेस पूरी ताकत से चुनाव के लिए तैयार, लोकतंत्र की रक्षा करेगी जनताः जीतू

हरिभूमि न्यूज ▸▸ दतिया

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शनिवार को दतिया में आयोजित कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन में आगामी विधानसभा उपचुनाव को लेकर कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है और जनता के आशीर्वाद से चुनाव जीतने के लिए पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी।

उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं का उत्साह और संगठन की मजबूती इस बात का संकेत है कि प्रदेश में बदलाव की लहर है। सम्मेलन में पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह, पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह, पूर्व मंत्री प्रियव्रत सिंह, विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा, साहब सिंह गुर्जर, कैलाश कुशवाहा, पूर्व विधायक राधेलाल बघेल, मदन कुशवाहा, सुनील शर्मा, घनश्याम सिंह और नीटू सिकरवार सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। अपने संबोधन में जीतू पटवारी ने पूर्व विधायक राजेंद्र भारती का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने सत्ता के दबाव, लगातार अदालती प्रक्रियाओं और राजनीतिक षड्यंत्रों के बावजूद कभी समझौता नहीं किया।

फाइल फोटो।

कांग्रेस पर भरोसा

उन्होंने जनता के जनादेश, लोकतंत्र और अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष किया। पटवारी ने कहा कि झुकने के बजाय संघर्ष करना ही एक सच्चे जनप्रतिनिधि की पहचान है। उन्होंने दतिया की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ढाई वर्ष पहले मतदाताओं ने भाजपा के अहंकार को हराकर कांग्रेस पर भरोसा जताया था। उन्हें विश्वास है कि इस बार भी दतिया की जनता अन्याय, अहंकार और लोकतंत्र विरोधी सोच को करारा जवाब देगी तथा कांग्रेस के पक्ष में जनादेश देकर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करेगी।

सुनो शहर सरकार

प्रशासनिक फेरबदल की फिर चर्चा

नगर निगम में एक बार फिर प्रशासनिक फेरबदल की सुगबुगाहट तेज हो गई है। हाल ही में हुए तबादलों के बाद अब नई सूची तैयार होने की चर्चा है। बताया जा रहा है कि कम राजस्व वसूली वाले जोनों में फिर बदलाव हो सकते हैं। निगम की मंशा चालू वित्तीय वर्ष में राजस्व वसूली का लक्ष्य समय से पहले हासिल करने की है। ऐसे में कई अधिकारी और कर्मचारी इन दिनों अपनी नई पोस्टिंग को लेकर कयास लगाने में जुटे हैं। आखिर सूची कब जारी होगी, इस पर सबकी नज़रें टिकी हैं। कई अधिकारियों ने तो अपनी राजनीतिक पहुंच के चलते जुगाड़ लगाना शुरू कर दी है। यह वो लोग बताए जा रहे हैं जो अपना जोन और वार्ड नहीं छोड़ना चाहते।

सुर्खियों में 70 करोड़ का नया मुख्यालय

करीब 70 करोड़ रुपये की लागत से बना नगर निगम का नया मुख्यालय इन दिनों फिर चर्चा में है। बारिश के दिनों में भवन में पानी भरने की तस्वीरों ने निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उद्घाटन के बाद से लगातार नई-नई कमियां सामने आती रही हैं। निगम प्रशासन भले ही खामियों से इनकार कर रहा हो, लेकिन विपक्ष इसे बड़ा मुद्दा बनाकर निर्माण की गुणवत्ता और जिम्मेदारी पर लगातार सवाल उठा रहा है। हालांकि निगम प्रशासन ने ओपन-ट्-स्काई वाले क्षेत्र को कवर्ड करवाने की बात कही है। अब देखना यह है कि इस काम के पूरा होने के बाद क्या समस्या खत्म होती है या कोई अन्य खामी सामने आती है।

बाहरी ठेकेदारों की एंट्री की चर्चा

नगर निगम मुख्यालय में इन दिनों शहर के बाहर के ठेकेदारों की सक्रियता चर्चा का विषय बनी हुई है। कहा जा रहा है कि सड़क, नाली और भवन निर्माण के बड़े टेंडर बाहरी एजेंसियों को दिए जा सकते हैं। इसके पीछे हाल के निर्माण कार्यों में सामने आई गुणवत्ता संबंधी शिकायतों को वजह बताया जा रहा है। हालांकि अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इस चर्चा ने स्थानीय ठेकेदारों की चिंता जरूर बढ़ा दी है।

एमएम सिद्दीकी

जीतू पटवारी को 5 करोड़ की मानहानि का नोटिस भेजा

भोपाल। वीर भारत न्यास के सचिव श्रीराम तिवारी ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी को पांच करोड़ रुपए की मानहानि का नोटिस भेजा है। इसके साथ ही कहा है कि जिस तरह सार्वजनिक मंच से पीसीसी चीफ पटवारी ने श्रीराम तिवारी पर आरोप लगाए हैं, उसी तरह सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, अन्यथा मानहानि की कार्यवाई के लिए तैयार रहें। श्रीराम तिवारी की ओर से पटवारी के न्यास की प्रासंगिकता को लेकर दिए गए बयान के बाद पांच सवाल भी किए गए हैं।

यह जानकारी वीर भारत न्यास के सचिव श्रीराम तिवारी की ओर से उनके वकील हरीश मेहता और सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता गुंजन चौकसे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से दी। मेहता ने कहा कि दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जीतू पटवारी ने वीर भारत न्यास में 500 करोड़ रुपए का घोटाला होने और एक रुपए में जमीन सौंपने का आरोप लगाया था। साथ ही न्यास के सचिव श्रीराम तिवारी पर भी कई आरोप लगाए थे। मेहता ने कहा कि तथ्यों की जानकारी होने के बावजूद पटवारी ने श्रीराम तिवारी पर आरोप लगाए हैं।

विस अध्यक्षता वाली समिति ने लोकसभा अध्यक्ष को सौंपी रिपोर्ट

विधानसभा समिति प्रणाली को और प्रभावी बनाने 11 सिफारिशें

विस समिति प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने 11 अनुशंसाएं तैयार कर अंतिम रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंपी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ भोपाल

फाइल फोटो।

मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की अध्यक्षता में गठित पीठासीन अधिकारियों की समिति ने विधानसभा समिति प्रणाली को अधिक प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए 11 महत्वपूर्ण अनुशंसाएं तैयार कर अपनी अंतिम रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को सौंप दी है। यह रिपोर्ट पश्चिम बंगाल विधानसभा, कोलकाता में आयोजित समिति की अंतिम बैठक के बाद प्रस्तुत की गई। समिति में मध्य प्रदेश के अलावा उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और ओडिशा विधानसभा के अध्यक्ष शामिल थे। रिपोर्ट सौंपने के दौरान मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, हिमाचल प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया, पश्चिम बंगाल विधानसभा अध्यक्ष रथीन्द्र नाथ बोस, सिक्किम विधानसभा अध्यक्ष मिंग्मा नोर्बु शेरपा तथा ओडिशा विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढी मौजूद रहे।

समिति का गठन किया था

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने विधायी कार्यवाही में वित्तीय एवं तदर्थ समितियों की भूमिका को और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से इस समिति का गठन किया था। समिति ने तीन चरणों में बैठकें आयोजित कर विभिन्न विषयों पर विस्तृत मंथन किया। पहली बैठक 14 जुलाई 2025 को भोपाल, दूसरी 5 मई 2026 को जयपुर और तीसरी एवं अंतिम बैठक 4 जुलाई 2026 को कोलकाता में हुई। समिति ने अपनी रिपोर्ट में विधानसभा समितियों की कार्यप्रणाली को मजबूत बनाने के लिए 11 प्रमुख बिंदुओं पर सिफारिशें की हैं। इनमें समितियों की बैठकों की संख्या बढ़ाने, सदस्यों के कार्यकाल और कोरम की व्यवस्था, समितियों की अनुशंसाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, विधेयकों को समितियों के पास भेजने की प्रक्रिया, समिति प्रतिवेदनों पर सदन में चर्चा, विशेषज्ञों को आमंत्रित करने, सदस्यों के प्रशिक्षण कार्यक्रम, मौखिक साक्ष्य के दौरान विभागीय अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति, बजट परीक्षण के लिए स्थायी समितियों का गठन, सलाहकार समितियों के गठन तथा अध्ययन दौरों के बाद की जाने वाली कार्रवाई जैसे विषय शामिल हैं।

पेज एक का शेष....

हरदा के कई ...

नदी-नाले उफान पर होने से कई गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया है। हरदा में तेज बारिश के कारण कई गांवों का संपर्क कट गया है। ग्राम मांदला के पास कालीमाचक नदी का पानी पुल से करीब तीन फीट ऊपर बह रहा है, जिससे नर्मदापुरम-खंडवा स्टेट हाईवे बंद हो गया है। इधर, आष्टा क्षेत्र के बापचा दोनिया गांव में डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत हो गई।

भ्रम में फंसने ...

किया जा रहा है। ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) की जांच में भी सामने आया है कि इससे गाड़ी की परफॉर्मेंस और माइलेज पर कोई खास फर्क नहीं पड़ता है। जो वाहन ई-20 के लिए प्रमाणित हैं, उनकी वारंटी और बीमा भी पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। सरकार ने गन्ने के रस को सीधे पेट्रोल में मिलाने वाले वीडियो को फर्जी बताते हुए कहा है कि ईंधन ग्रेड का एथेनॉल एक सख्त औद्योगिक प्रक्रिया से बनता है, जिसमें चीनी का अंश नहीं होता है, इसलिए गाड़ियों में चींटियां लगने की बात वैज्ञानिक रूप से गलत है। सरकार के अनुसार, एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम से देश को बहुत बड़ा आर्थिक लाभ हुआ है। इस नीति के कारण भारत को तेल आयात में 1.9 लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत हुई है। इसके साथ ही देश के किसानों को 1.6 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त कमाई हुई है, जबकि कच्चे तेल के आयात में 310 लाख मीट्रिक टन की कमी आई है। इससे पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में भी भारी मदद मिली है, इसलिए वाहन मालिकों को घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है।

यह जांची-परखी ....

सरकार की ओर से शामिल एक्सपर्ट वर्तिका शुक्ला ने यह बात कही। वर्तिका शुक्ला ने बताया कि देश में साल 2013 और 2014 के दौरान पेट्रोल में सिर्फ 1.5% एथेनॉल मिलाया जा रहा था।

ई-20 के ....

अपनी गाड़ियों को ई-20 पेट्रोल के हिसाब से ही बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि 20 प्रतिशत एथेनॉल मिक्स वाले पेट्रोल से गाड़ी के इंजन पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता है। माइलेज के सवाल को लेकर उन्होंने कहा कि ई 20 पेट्रोल से गाड़ी की माइलेज में 3 प्रतिशत की मामूली गिरावट देखने को मिली है। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि इसके कई फायदे भी हैं।

पर्यावरण के लिए...

कि ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में समय समय पर कई सारे रेगुलेशन करने पड़ते हैं। ई-20 पर्यावरण के लिए अच्छा फ्यूल है, क्लीन फ्यूल है और जब पर्यावरण को लेकर तमाम तरह की चुनौतियां हैं, ऐसे में ये आने वाली पीढ़ियों के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे कार्बन उत्सर्जन भी कम होता है।

सोने से मढ़ी ...

रामचरितमानस गायब हो गई है। उन्होंने 8 अप्रैल 2024 को राम मंदिर ट्रस्ट को सवा क्विंटल वजन की रामचरितमानस भेंट की थी।

हालांकि, उन्हें आज तक इसकी रसीद नहीं मिली और 3-4 महीने बाद ही यह मंदिर से गायब हो गई। जब वे इस सिलसिले में अयोध्या पहुंचे, तो ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने उन्हें 9 घंटे इंतजार कराया और हाथ जोड़ने पर भी रूखा व्यवहार किया। चंदे में गड़बड़ी और इन गंभीर आरोपों के बीच राम मंदिर ट्रस्ट की कल यानी 6 जुलाई को एक अहम बैठक होने जा रही है। इस बैठक में महासचिव चंपत राय और न्यासी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर अंतिम फैसला लिया जा सकता है।

15 साल 99...

सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। शेफाली ने 15 साल 239 दिन और सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में पहला मैच खेला था। भारत ने दूसरे टी-20 में टॉस जीतकर बैटिंग का फैसला किया। वैभव 10 बॉल पर 14 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक शर्मा 24 बॉल पर 43 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वैभव सूर्यवंशी ने जिस मैदान पर भारत के लिए टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया, उसी ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर में सचिन तेंदुलकर ने 14 अगस्त 1990 को अपने टेस्ट करियर का पहला शतक जड़ा था। तब 17 साल 112 दिन की उम्र में सचिन ने इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 119 रन बनाकर भारत को हार से बचाया था।

मानसून सत्र में ....

बढ़ाने का निर्णय लिया है। समिति के गठन से जुड़े अन्य सभी प्रावधान पहले की तरह यथावत रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव कह चुके हैं कि जुलाई में होने वाले मानसून सत्र के दौरान यूसीसी कानून का रूप ले सकता है। 2 जुलाई को मुख्यमंत्री के समक्ष ड्राफ्ट का प्रेजेंटेशन हो चुका है। ऐसे में समिति का कार्यकाल बढ़ने के बावजूद सरकार ड्राफ्ट को अंतिम रूप देकर विधेयक लाने का प्रयास कर सकती है। अब तक तैयार ड्राफ्ट का करीब 90 प्रतिशत हिस्सा गुजरात यूसीसी के प्रावधानों पर आधारित है। इसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, वसीयत, भरण-पोषण, बच्चों की अभिरक्षा और लिव-इन रिलेशनशिप जैसे पारिवारिक मामलों के लिए सभी समुदायों पर समान कानूनी व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव है।

रील्स में अमीरी ...

डर के मारे परिजनों ने आरोपियों के खाते में 1,48,000 ट्रांसफर भी कर दिए, लेकिन पन्ना पुलिस और साइबर सेल ने तत्परता दिखाते हुए नेशनल साइबर अपराध पोर्टल की मदद से उस बैंक खाते को तुरंत फ्रीज करवा दिया, जिससे पूरी रकम सुरक्षित बच गई। शनिवार को पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी राजकमल रजक, राजकुमार पाल और शिवेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि वे अंशुल की रील्स देखकर उसे बेहद अमीर समझ बैठे थे और कर्ज चुकाने के लिए उन्होंने यह साजिश रची थी। पुलिस ने उनके पास से एक देसी पिस्टल, दो कट्टे, कारतूस और दो बाइक बरामद की हैं। आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

कुए में 'बैल'...

में आकर अचेत हो गए। उन्हें बचाने के चक्कर में दो और ग्रामीण बिना किसी सुरक्षा उपकरण के कुए में उतर गए और वे भी बेहोश हो गए। बाहर खड़े ग्रामीणों ने अनहोनी की आशंका होने पर रस्सियों की मदद से चारों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने राहुल यादव (34), वीरेंद्र यादव (47) और कृष्णकुमार यादव (28) को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल रामचंद्र यादव (42) को प्राथमिक उपचार के बाद सतना जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीएलओ निर्वाचन ...

पर केंद्रित रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने बीएलओ को निर्वाचन आयोग की पूरी व्यवस्था का आधार स्तंभ और लोकतंत्र का सच्चा प्रहरी बताया। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के संधारण से लेकर जमीनी स्तर पर चुनाव प्रक्रिया को सफल बनाने तक बीएलओ की भूमिका महत्वपूर्ण है। देश में 95 करोड़ मतदाता हैं और 1.80 करोड़ से अधिक चुनावकर्मी इस विशाल प्रक्रिया को संचालित करते हैं, भारत की पारदर्शिता और जवाबदेही का दुनिया में उत्कृष्ट उदाहरण है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के नेतृत्व में संभागायुक्तों, जिला निर्वाचन अधिकारियों, ईआरओ और बीएलओ ने मिलकर मप्र में उत्कृष्ट कार्य किया है।

फिल्मों व वेब...

जवाबदेही' तय करने पर है। टेलीग्राम को दी गई चेतावनी में कहा गया है कि वह केवल इस भरोसे नहीं बैठ सकता कि सरकार खुद एक-एक करके पायरेसी वाले चैनल्स की पहचान करेगी और उन्हें बताएगी।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च
tifr HBCSE

भारतीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) 2026-27

भारतीय राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (INMO) 2027 में भाग लेने के इच्छुक छात्रों के लिए, राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड पात्रता परीक्षा (IOQM) में शामिल होना अनिवार्य है।
यह परीक्षा 6 सितंबर, 2026 को आयोजित की जाएगी।
IOQM में सफल होने वाले छात्र INMO 2027 में भाग लेने के पात्र होंगे।
यह अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड (IMO) 2027 और यूरोपीय गर्ल्स गणित ओलंपियाड (EGMO) 2028 में भारतीय टीम के आधिकारिक सदस्य के रूप में भागीदारी की दिशा में पहला चरण है।

अधिक जानकारी और पंजीकरण लिंक:
https://olympiads.hbcse.tifr.res.in एवं https://www.mtai.org.in/

पंजीकरण संबंधित परीक्षा केंद्रों पर सीधे किया जा सकता है
इसके अलावा, ऑनलाइन पंजीकरण भी **29 जून 2026** से शुरू होगा
ऑनलाइन पंजीकरण के लिए वेबसाइटः https://ioqm.mtai.org.in/

CBC 48143/11/0004/2627

पंजीकरण की अंतिम तिथिः 25 जुलाई 2026

खंड-1
ई-निविदा आमंत्रण सूचना
मध्यप्रदेश शासन

कार्यालय - उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल, जिला बैतूल, मध्यप्रदेश
ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 3729/ ई-टेंडरिंग/2026-27 दिनांक 29/06/2026

वनमंडलाधिकारी, उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भंडार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित-2022) के अंतर्गत निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सामग्री का विवरण	स्पेसिफिकेशन	मात्रा	सत्यांकार निधि	निविदा दस्तावेजो का मूल्य
1.	सीमेंट	सीमेंट PPC (ISI) स्टेण्डडे बैग (मेजर ब्रांड)	2700 Bag	23000/-	500/-

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर निःशुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते है।
2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट कार्ड/डेबिट कार्ड/ कैश कार्ड/इंटरनेट बैकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर दिनांक 03/07/2026 शाम 05.00 PM बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है।
3. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होगी।
4. ई-निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नही ।
5. ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टलः https://www.mptenders.gov.in/

वनमंडलाधिकारी
उत्तर बैतूल (सा.) वनमंडल

जी 15239/26 स्वच्छता ही सेवा

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
म.प्र.गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र-1, गोमांतिका परिसर जवाहर चौक, भोपाल

आम-सूचना

हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, शबरी नगर, रासलाखेड़ी, भोपाल में स्थित भूखण्ड क्रमांक ई.डब्ल्यू.एस./ ई-58 मण्डल द्वारा श्री अमित कलावत आत्मज श्री नारायण सिंह के नाम से आवंटित है। उक्त सम्पत्ति का विक्रय विलेख पंजीयन उप पंजीयक कार्यालय से दिनांक 09/08/2024 को पंजीकृत है। श्री अमित कलावत आत्मज श्री नारायण सिंह द्वारा उक्त सम्पत्ति सुश्री सुनीता बाई पुत्री श्री रामस्वरूप को विक्रय विलेख के माध्यम से विक्रय कर दिया है। जिसका विक्रय विलेख दिनांक 06/09/2024 को पंजीयन कार्यालय से पंजीकृत है। क्रेता / विक्रेता द्वारा आवेदन, शपथ पत्र, संयुक्त शपथ पत्र एवं दान पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करते हुये उक्त सम्पत्ति सुनीता बाई पुत्री श्री रामस्वरूप के नाम से हस्तांतरित करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त दस्तावेजो के आधार पर उक्त सम्पत्ति का हस्तांतरण की कार्यवाही की जा रही है। यदि उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / उत्तराधिकारी / संस्था / वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस के अन्दर लिखित रूप में मय सबूत के साथ इस कार्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत करें। समयावधि समाप्त होने के पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी एवं मण्डल नियमानुसार कार्यवाही करने हेतु स्वतंत्र रहेगा।

संपदा अधिकारी
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रक्षेत्र-1, भोपाल

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार श्री मती कुमकुम साहू आयु वयस्क निवासी वार्ड नंबर 24. स्क्वायर कॉलोनी मंडीदीप की ओर से सर्वसाधारण को सूचित करता हूं की मेरे पक्ष कार का विवाह 24 नवम्बर 2022 को कपिल साहू निवासी मण्डीदीप के साथ हुआ था यह कि मे एम. एससी तक पड़ी लिखी हु। मेरी छोटी बहन किर्ति साहू पति हेमंत साहू निवासी कृष्णा मोबाईल शसकिय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सामने श्रंगार ज्वेलर्स के पास पुराना बस स्टेण्ड बड़ा बजार बरेली जिला रायसेन म.प्र. मोवाईल न. 8962484037, 7489845550, 8720071714 के द्वारा मेरे पति कपिल साहू एवं मेरे ससुर अशोक साहू मेरी सास निर्मला साहू मेरी नन्द करुणा साहू तथा मेरे पुरे ससुराल पक्ष को मोबाईल फोन पर गंदी-गंदी गलिया बकी मेरी ससुराल को बर्बाद करने एवं झूठे अरोप लगाकर जैसे दहेज मांगना बलत्कार, छेड़छाड़ थाने, जेल में बंद करवाना अन्य किसी भी प्रकार का झूठे अरोप लगाकर अभव किसी अन्य से लगवाकर जेल में बंद करवाने की धमकिया दी गई जिस कि मेरे पास मोबाईल की ओडियो रिकार्डिंग भी हैं इस रिकार्डिंग को जब मेरे सुसराल वालों को सुनाया तो बहुत बुरे-बुरे शब्द बोले जो अशोभनिया भाषा से अपमानित किया इसके बाद मेने मेरे पापा सुरेश साहू एंव भाई धमेन्द्र साहू को बताया लेकिन इन्होने भी इन बातो पर ध्यान नहीं दिया और किर्ति साहू का झुटा पक्ष लिया जब की मेरे ससुर अशोक साहू किर्ति के घर भी गए वही बरेली से मेरे बड़े पापा जी को एव मेरे पापा जी को एवं मेरे चाचा जी को फोन लगाकर बैठकर बात-चीत करने इस मामले, को खत्म करने की प्रार्थना करी परंतु मेरे मायका पक्ष के सभी लोग किर्ति का झूठा पक्ष ले रहे है दोनो पक्षो को सुनकर बात खत्म करने को मेरे मायका पक्ष, तैयार नहीं है इस विवाद को को लगभग लगभग दो साल हो गए है। अब विवाद इतना बड़ गया हैं कि हेमंत साहू ने मेरा भाई धमेन्द्र साहू इसका साला राहुल साहू तथा राहुल के पिता टिकाराम को कीर्ति का पति हेमंत साहू ने दिनाँक 17-5-2026 को तिन फोरविल गाड़ी में 15 से 20 गुडे बदमाशों को भेजकर, मण्डीदीप ब्रिज के पास मेरे ससुर एव मेरे पति को जान से मारने के लिए भेजे थे। उसी समय मेरे ससुर अशोक साहू ने पुलिस पुलिस साहयता डायल 112 को फोन कर दिया पुलिस समय पर आ गई इस कारण हमारे उपर हमला होने से हम बच गये जिसकी रिपोर्ट थाना मडिदीप में की गई है जाते उपरोक्त लोग जान से मारने की धमकी देकर गयै यह बताना अति आवश्सक है कि मेरे सुसराल में मेरे को किसी भी प्रकार की दुख तकलिफ परेशानी नहीं है जब की मेरे से बहुत बड़ी गलती यह हो गई थी कि मेरे को पुत्रि हुई थी उस समय से आज तक मेरे को नीर (दुध) नही आया तो मेरी पुत्री की तबिसत इतनी खराब हो गई कि उसको बचाना मुश्किल था मेरे से घर का काम करने में कई बार कपड़े प्रेस करते जल गये लेकिन मेरे ससुराल में मेरे सास ससुर पति नन्द किसी ने कभी भी डाट फटकार नही ओर न किसी प्रकार के ताने दिये मुझे मेरे सुसराल में मायके से भी ज्यादा लाड प्यार से स्खते है हमारे यहाँ तिजोरी में ताला नही लगता है रूप्ये पैसे भी मे निकालती हूँ रखती हूँ मेरी ससुराल मे मेरे या मेरी ससुराल वाले के उपर किसी भी तरह का हमल या अन्य कुछ होता है तो इसके लिए। उपरोक्त लोग जिम्मेदार होगे। आत-उपयुक्त मामले की गंभीरता को देखते हुए मैं मेरे माता-पिता बहन भाई और मायके पक्ष के सभी लोगों से संबंध समाप्त कर रही हूं मायके पक्ष के द्वारा मेरे वैवाहिक जीवन में दखल अंदाजी के कारण मेरा वैवाहिक जीवन संकट में हो गया है जिसके कारण मैं अपने मायके पक्ष के सभी लोगों से संबंध समाप्त कर रही हूं मेरे मायके पक्ष के कोई भी व्यक्ति मेरे यहां नहीं आएगा और न ही मेरे यहां से कोई आप के यह नहीं जायेगा. किसी भी प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम या मय्यत या बीमारी में कोई भी ना हमारे यहां से वहां जाएगा और न मेरे मायके पक्ष से कोई आएगा आप लोगों की अत्यंत गंभीर दखलंदाजी के कारण हम रिश्ता समाप्त कर रहे हैं ।

तुलाराम नामदेव (एडवोकेट)
कार्यालय एवं निवास 147, ई-सेक्टर, बरखेडा, नेहरू मार्केट, बी.एच.ई.एल. भोपाल म.प्र.
मो. नं. 9926370757

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल

आधिपत्य सूचना (स्थावर संपत्ति) नियम-8 (1)

जबकि, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 (एक्ट 54 का 2002) अन्तर्गत एवं धारा 13(12) सहपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्राधिकृत अधिकारी ने निम्न वर्णित दिनांक को मांग सूचना पत्र को जारी किया जिसमें निम्नवर्णित ऋणी एवं जमानतदार को नोटिस में निम्न वर्णित राशि एवं उस पर देय ब्याज एवं अन्य खर्चो सहित नोटिस प्राप्ति की दिनांक से 60 दिनों की समयावधि में भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था।
ऋणी द्वारा पूर्ण राशि के भुगतान नहीं करने पर ऋणी, जमानतदार एवं आमजनता को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त कथित एक्ट की धारा 13 (4) सहपठित उक्त कथित नियम के नियम 8 के अधीन निम्न हस्ताक्षरकर्ता ने निम्नवर्णित संपत्तियों का कब्जा निम्नवर्णित दिनांक को ले लिया गया है।
ऋणी एवं जमानतदार को विशिष्टतया और सर्वसाधारण को सामान्यतः एतद् द्वारा निम्नवर्णित संपत्ति के साथ कोई व्यवहार नहीं करने की चेतावनी दी जाती है कि इस संपत्ति से संबंधित कोई भी व्यवहार निम्न वर्णित राशि के लिए सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया संबंधित शाखा के निर्मित प्रभार के अध्यधीन होगा।
ऋणकर्ता जमानतदार / संपत्ति स्वामी का ध्यान आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुर्नगठन एवं प्रतिभूति-हित-का प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(8) के प्रावधान के तहत उपलब्ध समय में प्रतिभूत आस्तियों को छुड़ाने की ओर आकर्षित किया जाता है।

ऋणी एवं जमानतदार का नाम	चल एवं अचल बंधक संपत्ति का विवरण / चौहद्दी /संपत्ति मालिक का नाम	मांग सूचना दिनांक / कब्जा दिनांक	मांग सूचना के अनुसार देय राशि
सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, परी बाजार शाखा, भोपाल			
ऋणी- **श्री सुनील गुप्ता पुत्र श्री गिरजा गुप्ता** सहऋणी- **श्रीमती गिरिजाशंकर गुप्ता पुत्र सत्यनारायण गुप्ता**	एक रिहायशी सह कमर्शियल दो मंजिला निर्मित मकान प्लाट नं. 171, नगर निगम कॉलोनी (फायर ब्रिगेड कॉलोनी), छोला, तहसील-हुजूर, जिला-भोपाल, मध्य प्रदेश (वार्ड संख्या-76),प्लाट क्षेत्रफल 139.40 वर्ग मीटर/1500 वर्गफुट (जिस पर भूतल में 9.29 वर्गमीटर की व्यावसायिक दुकान और 130.11 वर्गमीटर का रिहायशी मकान बना है) और (प्रथम मंजिल पर 139.40 वर्गमीटर का रिहायशी मकान बना है) संपत्ति मालिक- श्री सुनील गुप्ता पुत्र श्री गिरजा गुप्ता चर्तुसीमाएँः उत्तरः मकान नं. 184, दक्षिणः कॉलोनी रोड, पूर्वः मकान नं. 172, पश्चिमः कॉलोनी रोड।	23.04.2026 / 30.06.2026	दिनांक 23.04.2026 को ₹ 75,55,236.19 +दिनांक 24.04.2026 से ब्याज एवं खर्चे

स्थान : भोपाल, दिनांक : 30.06.2026 — प्राधिकृत अधिकारी, सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया

आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
हरिभूमि क्लासीफाइड
संपर्क सूत्र : 9407279644

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी
भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईटः- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
सफल ईलाज का 40 वर्षो का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm

Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्प्लेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौतत मंजिल पुरानी कजियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

आवश्यकता
भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 500- रू 1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के । जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955
R- 01,02,05,06,08

हरिभूमि
आम सूचना, कोर्ट नोटिस, इस्तहार,जाहिर सूचना
@ Rs.1200/- साइज (फिक्स) 12X4 cm
अन्य साईज में @ Rs. 40 sq.cm
1 अप्रैल 2025 से लागू
बुकिंग के लिए संपर्क करें। मो. 9977912473

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

- व्यावस्थापक

JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE
Affiliated to Barkatullah University, Bhopal, Recognised by Govt. of M.P. & NCTE New Delhi)
DIRECT ADMISSION
QUALITY EDUCATION · AFFORDABLE FEES · A BETTER FUTURE
ESTD. 1999
COURSES OFFERED
UNDERGRADUATE PROGRAMMES (UG)
•B.A. •B.Com. (Plain) •B.Com. (Computer Application) •B.B.A. •B.C.A. •B.Sc. (Computer Science / IT) •B.Sc. PCM/CBZ •B.Sc. Microbiology / Biotechnology •B.Sc. Electronics/Environmental Science •B.Lib.I.Sc. •B.P.E.S.
POSTGRADUATE & DIPLOMA PROGRAMMES (PG)
•M.Sc. •Physics •Botany •Zoology •Microbiology •Biotechnology •Computer Science •Mathematics
•M.A. •English •Urdu •Political Science •Sociology •Economics
•M.Com. •M.Lib.I.Sc. •Chemistry •P.G.D.C.A.
•P.G. Diploma in Yogic Science
ADMISSION HELPLINE 7000306323
8889560478 | 9098276651 | 9826264575 | 8085377716
PROFESSIONAL COURSES CAMPUS D.El.Ed. B.Ed. B.P.Ed. M.P.Ed. M.Ed.
Mugalia Hat, Parwalia Sadak, Bhopal
Add.: 56-C, Shyamla Hills, Opp. Khushbu Park, Civil Lines, Bhopal
0755-2660949, 2661064 www.jncbpl.com jlnpgcollege_bhopal@yahoo.com

वैवाहिकी
वधु चाहिए

वधु चाहिए
59 वर्षीय अविवाहित ब्राह्मण पुरुष, बिलासपुर निवासी हेतु 50 से 62 वर्षीय कामकाजी या सेवानिवृत वधू चाहिए (जाति बंधन नहीं, बिना बच्चों वाली तलाकशुदा/ विधवा भी स्वीकार्य)
सम्पर्क करें 7898655147

वधु चाहिए- 34 वर्ष-5'6" मनवा (कुर्मी), (US) अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजिनियर हेतु शिक्षित मांगलिक वधु चाहिए मो.- 99819-096941, 97552-05590 (मैरिज ब्यूरो क्षमा करें) (313)

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17.09.82 / 5'-11" एमबीबीएस, अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट क्लीनिक, मासिक आय 1.50 लाख हेतु हायर सेकेण्डरी ग्रेजुएट शिक्षित अविवाहित वधु चाहिए। सभी हिन्दु उच्च जाति मान्य। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

गाँधी पी.आर. महाविद्यालय
बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय से संबद्ध
UG COURSE
B.A., BCA, BBA BPES, BSC, B.Com (Economics/ Computer)

PG COURSE
M.A: HINDI, ENGLISH, MATHS, ECONOMICS POLITICAL SCIENCE, SOCIOLOGY & SOCIAL WORK
M.Com: ACCOUNTS & MANAGEMENT
B.Lib: (Librarian Science)
B.Ed: BACHELOR OF EDUCATION (ONLINE COUNSELLING)
DIPLOMA COURSE
PG DCA: DIPLOMA IN COMPUTER APPLICATION
D.EL.ED: DIPLOMA IN ELEMENTARY EDUCATION
Mob. 9827208070, 9425346230, 9893194695, 9981291288
पता: डी-1, दानिश नगर, होशंगाबाद रोड, आशिमा मॉल के पास, भोपाल | www.gandhiprcollege.com, principal@gandhiprcollege.com

भोपाल की सबसे कम कीमत में सबसे ज्यादा सुविधा के साथ
क्लासेस राति 10 बजे तक उपलब्ध है।
DCA PGDCA में प्रवेश लेने पर
FREE GYM+CPCT +LIBRARY एक साल तक फ्री
और साथ में Free DCA, PGDCA की All Subject की Books, Q Bank Notes
ONLY LIBRARY 299/-
भोपाल कम्प्यूटर एकेडमी (अधिकृत : माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय)
PLOT NO. 15, NIRMAL TOWER, NEAR APSARA CINEMA ABOVE SBI BANK, ASHOKA GARDEN, BHOPAL
M. 86027-11111

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

वृष — बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

कर्क — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

सिंह — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

कन्या — पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

तुला — शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — किसी पैतृक सम्पति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

धनु — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

मकर — मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ — मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

मीन — संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

शब्द पहेली - 6277

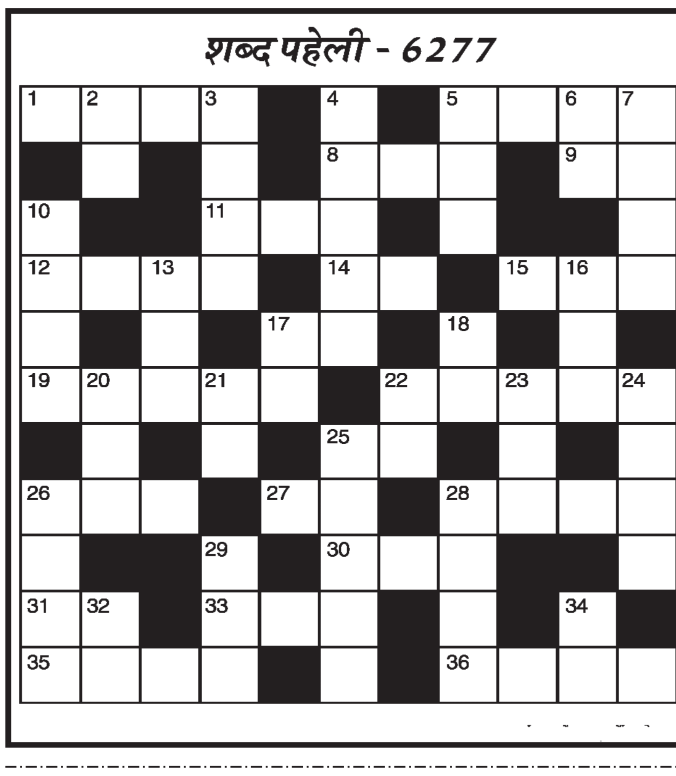

बाएँ से दाएँ
1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा,समीर-3
9.रुष्ट,गुस्सा होना-2
11.सफेद,श्वेत-3
12.हमेशा,सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ,महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक,नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन,नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल,टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे
2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच,अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर,मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता,होशियारी-4
10.उपकार,दया भार-4
13.कुचलना,दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य,कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज,नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता,दुश्मनी-4
29.हूर,परी,अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़,दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली- 6276 का हल

■	सो	नि	या	गां	धी	■	म	हा	न	ता
खा	ना	■	प	■	र	क्ष	क	■	म	ल
ना	■	म	न	सि	ज	■	र	ग	■	मे
ब	ला	त	■	■	वा	दा	■	म	ह	ल
दो	■	दा	■	क	ला	■	आ	■	व	■
श	य	न	क	क्ष	■	दि	शा	ही	न	ता
■	म	■	प	■	ह	ल	■	न	■	क
का	ज	ल	■	शा	म	■	■	त	ह	त
म	■	त	य	■	व	फा	दा	र	■	व
चो	र	■	की	म	त	■	म	■	का	र
र	म	जा	न	■	न	य	न	ज	ल	■

सूडोकु नवताल - 6287

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6286 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

■ 60 हजार बचाने के चक्कर में गंवा सकते हैं 82 लाख रुपए

■ कंपाउंडिंग बताता है कि निवेश में समय ही सबसे बड़ी पूंजी

■ जल्दी शुरुआत करने वालों को मिलता है सबसे बड़ा फायदा

एसआईपी में सिर्फ 1 वर्ष की देरी पड़ सकती है भारी

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले ज्यादातर लोग यह मानते हैं कि जितना अधिक पैसा निवेश करेंगे, उतना बड़ा फंड तैयार होगा। यह बात सही है, लेकिन पूरी सच्चाई नहीं। निवेश विशेषज्ञों का कहना है कि निवेश की रकम से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण है निवेश की शुरुआत का समय। यदि कोई व्यक्ति एसआईपी शुरू करने में सिर्फ एक साल की भी देरी करता है तो उसे भविष्य में लाखों रुपये का नुकसान उठाना पड़ सकता है। वित्तीय विशेषज्ञों के अनुसार कंपाउंडिंग की ताकत समय के साथ सबसे अधिक काम करती है। यही वजह है कि एसआईपी की पहली किस्त की कीमत आखिरी किस्त से कई गुना ज्यादा होती है। एक साल की देरी केवल 12 किस्तों का नुकसान नहीं कराती, बल्कि उन किस्तों पर मिलने वाले वर्षों के रिटर्न से भी निवेशक वंचित रह जाता है।

क्यों सबसे अहम है पहली एसआई

कंपाउंडिंग का अर्थ है कि निवेश पर मिलने वाला रिटर्न भी आगे चलकर रिटर्न कमाने लगता है। यानी आपका पैसा केवल बढ़ता नहीं, बल्कि बढ़ा हुआ पैसा भी कमाई करता है। यदि कोई निवेशक 30 वर्ष तक लगातार एसआईपी करता है, तो पहले साल जमा की गई रकम को पूरे 30 वर्षों तक बढ़ने का मौका मिलता है। वहीं अंतिम वर्ष में जमा की गई राशि को केवल कुछ महीनों का ही समय मिलता है। यही कारण है कि शुरुआती निवेश की ताकत सबसे अधिक होती है। विशेषज्ञ इसे निवेश की दुनिया का सबसे बड़ा जादू मानते हैं। जितनी जल्दी शुरुआत होगी, कंपाउंडिंग उतना ही अधिक काम करेगी।

एक साल की देरी का बड़ा नुकसान

मान लीजिए कोई निवेशक हर महीने 5,000 रुपये की एसआईपी करता है और उसे औसतन 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न मिलता है। यदि वह लगातार 30 वर्षों तक निवेश करता है तो कुल निवेश राशि 18 लाख रुपये होगी। इस अवधि के अंत में उसका फंड लगभग 1.76 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। लेकिन यदि वही निवेशक एसआईपी शुरू करने में सिर्फ एक वर्ष की देरी कर देता है और केवल 29 वर्ष निवेश करता है, तो उसका अंतिम फंड घटकर लगभग 1.56 करोड़ रुपये रह जाएगा। यानी केवल 60 हजार रुपये (12 किस्तें) का निवेश टालने की कीमत लगभग 20.43 लाख रुपये हो सकती है। यह उदाहरण बताता है कि निवेश में सबसे बड़ा नुकसान बाजार की गिरावट नहीं, बल्कि समय गंवाने से होता है।

जितनी बड़ी एसआई, उतना नुकसान

एक साल की देरी का असर निवेश राशि बढ़ने के साथ और भी ज्यादा दिखाई देता है। यदि कोई निवेशक हर महीने 2,000 रुपये की एसआईपी करता है तो एक साल की देरी से लगभग 8.17 लाख रुपये का संभावित नुकसान हो सकता है। 10,000 रुपये मासिक एसआईपी करने वाले निवेशक के लिए यही नुकसान बढ़कर लगभग 40.87 लाख रुपये तक पहुंच सकता है। वहीं यदि मासिक एसआईपी 20,000 रुपये की है तो केवल एक साल की देरी भविष्य में करीब 82 लाख रुपये के संभावित फंड को कम कर सकती है। यही कारण है कि निवेश विशेषज्ञ हमेशा कहते हैं कि ₹सही समय का इंतजार मत कीजिए, समय को अपने पक्ष में कीजिए।

आखिर में रफ्तार पकड़ती है कंपाउंडिंग

एसआईपी का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि शुरुआती वर्षों में निवेश की रफ्तार धीमी लगती है, लेकिन बाद के वर्षों में वही निवेश तेजी से बढ़ने लगता है।
उदाहरण के तौर पर 5,000 रुपये की मासिक एसआईपी में

- 10 वर्ष बाद कुल निवेश लगभग 6 लाख रुपये होगा और फंड करीब 11.62 लाख रुपये बन सकता है।
- 20 वर्ष बाद कुल निवेश 12 लाख रुपये होगा, लेकिन फंड करीब 50 लाख रुपये तक पहुंच सकता है।
- 30 वर्ष पूरे होने पर कुल निवेश 18 लाख रुपये रहेगा, जबकि फंड बढ़कर लगभग 1.76 करोड़ रुपये हो जाएगा।
- यानी अंतिम दस वर्षों में केवल 6 लाख रुपये का अतिरिक्त निवेश पूरे फंड को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.76 करोड़ रुपये तक पहुंचा देता है। यही कंपाउंडिंग की असली ताकत है।

शुरुआत में देरी हो गई तो क्या करें?

यदि किसी कारणवश एसआईपी शुरू करने में देरी हो गई है तो भी नुकसान की भरपाई की जा सकती है।
विशेषज्ञों के अनुसार यदि आपने पहला साल गंवा दिया है तो शेष अवधि में अपनी मासिक एसआईपी थोड़ी बढ़ाकर इस अंतर को काफी हद तक पूरा किया जा सकता है। उदाहरण के लिए यदि आपकी योजना 5,000 रुपये मासिक एसआईपी की थी और एक साल की देरी हो गई, तो अगले 29 वर्षों तक लगभग 5,655 रुपये प्रति माह निवेश करके उस संभावित अंतर को काफी हद तक भरा जा सकता है। यानी हर महीने केवल 655 रुपये अतिरिक्त निवेश भविष्य में लाखों रुपये का अंतर पैदा कर सकता है।

छोटी एसआईपी भी बनेगी बड़ा फंड

- कई लोग सोचते हैं कि निवेश शुरू करने के लिए बड़ी रकम होना जरूरी है, जबकि वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है।
- वित्तीय सलाहकारों का कहना है कि यदि फिलहाल बड़ी राशि उपलब्ध नहीं है तो 500 रुपये, 1,000 रुपये या 2,000 रुपये से भी एसआईपी शुरू की जा सकती है। जैसे-जैसे आय बढ़े, वैसे-वैसे एसआईपी की राशि भी बढ़ाई जा सकती है।
- नियमित निवेश और लंबी अवधि का अनुशासन ही बड़ा कोष तैयार करने की सबसे प्रभावी रणनीति है।

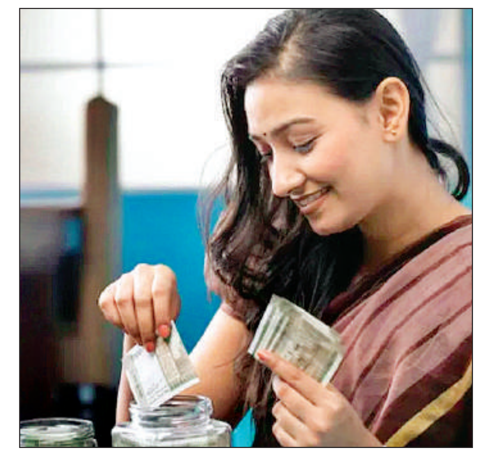

समय ही सबसे बड़ा निवेश है

विशेषज्ञों का मानना है कि निवेश की दुनिया में सबसे मूल्यवान चीज पैसा नहीं, बल्कि समय है। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, लेकिन लंबे समय तक निवेश बनाए रखने वाले निवेशकों को कंपाउंडिंग का सबसे बड़ा लाभ मिलता है। यदि आप भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूत बनना चाहते हैं तो निवेश की शुरुआत टालने के बजाय जितनी जल्दी संभव हो, उतनी जल्दी एसआईपी शुरू करें। छोटी-सी शुरुआत भी समय के साथ करोड़ों रुपये का फंड तैयार कर सकती है। इसलिए निवेश का सबसे अच्छा समय आज है, क्योंकि एक साल की देरी भविष्य में लाखों नहीं, बल्कि बड़े निवेशकों के लिए करोड़ों रुपये तक का अंतर पैदा कर सकती है।

पीपीएफ या म्यूचुअल फंड पर लें लोन?

- इमरजेंसी में कौन सा विकल्प है बेहतर
- अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर निवेश तोड़े बिना मिल सकती रकम
- दोनों विकल्पों के फायदे, नुकसान और किसके लिए कौन बेहतर

बिजनेस डेस्क

अचानक मेडिकल इमरजेंसी, बिजनेस में नकदी की जरूरत या किसी अन्य जरूरी खर्च के लिए अक्सर लोग अपने निवेश तोड़ देते हैं। लेकिन वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेश को समय से पहले भुनाने के बजाय उसके बदले लोन लेना कई बार अधिक फायदेमंद साबित होता है। पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ) और म्यूचुअल फंड, दोनों पर लोन लेने की सुविधा उपलब्ध है, लेकिन दोनों की शर्तें, ब्याज दरें और लोन की सीमा अलग-अलग हैं। ऐसे में जरूरत और निवेश के आधार पर सही विकल्प चुनना जरूरी है। पीपीएफ पर लोन: कम ब्याज, लेकिन सीमित सुविधा पीपीएफ पर लोन केवल एक निश्चित अवधि के दौरान ही लिया जा सकता है। खाता खुलने वाले वित्तीय वर्ष के तीसरे साल से लेकर छठे वित्तीय वर्ष तक ही यह सुविधा मिलती है। यदि पहले लिया गया लोन पूरी तरह चुका दिया गया हो, तभी अगला लोन लिया जा सकता है। लोन की अधिकतम राशि आवेदन से दो वित्तीय वर्ष पहले के खाते में उपलब्ध बैलेंस के केवल 25 प्रतिशत तक सीमित होती है। चूंकि पीपीएफ सरकार समर्थित बचत योजना है, इसलिए इस पर ब्याज भी कम लगता है। वर्तमान में पीपीएफ पर 7.1 प्रतिशत ब्याज मिलता है और लोन की ब्याज दर इससे केवल 1 प्रतिशत अधिक यानी लगभग 8.1 प्रतिशत है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी निवेशक को चार लाख रुपये का लोन चाहिए तो उसके पीपीएफ खाते में लगभग 16 लाख रुपये का बैलेंस होना आवश्यक होगा, क्योंकि केवल 25 प्रतिशत राशि ही लोन के रूप में मिल सकती है।

म्यूचुअल फंड पर लोन : ज्यादा रकम और अधिक लचीलापन

म्यूचुअल फंड के बदले लोन निवेशकों के लिए अधिक लचीला विकल्प माना जाता है। यह सुविधा फिजिकल और डीमैट दोनों रूपों में रखी गई म्यूचुअल फंड यूनिट्स पर उपलब्ध है। इसका लाभ व्यक्तिगत निवेशकों के अलावा एचयूएफ, कंपनियां, एलएलपी, ट्रस्ट और साझेदारी फर्में भी ले सकती हैं। इक्विटी, डेट, हाइब्रिड और लिक्विड फंड सभी पर लोन मिल सकता है, हालांकि लोन की सीमा फंड के प्रकार पर निर्भर करती है। डेट और लिक्विड फंड पर आमतौर पर 70 से 80 प्रतिशत तक लोन मिल जाता है, जबकि इक्विटी फंड पर यह सीमा लगभग 50 प्रतिशत रहती है। यदि किसी निवेशक को चार लाख रुपये की जरूरत है तो करीब आठ लाख रुपये के म्यूचुअल फंड निवेश के आधार पर यह राशि मिल सकती है। सबसे बड़ा फायदा यह है कि निवेशक की यूनिट्स बिकती नहीं हैं और वे बाजार में निवेशित बनी रहती हैं, जिससे लंबी अवधि में संपत्ति निर्माण जारी रहता है।

ब्याज और जोखिम में बड़ा अंतर

म्यूचुअल फंड पर लोन की ब्याज दर आमतौर पर 9 से 12 प्रतिशत के बीच होती है। कई बैंक और वित्तीय संस्थान इसे ओवरड्राफ्ट सुविधा के रूप में देते हैं, जिसमें केवल इस्तेमाल की गई राशि पर ही ब्याज देना पड़ता है। हालांकि इसमें एक जोखिम भी है। यदि बाजार गिरता है और म्यूचुअल फंड की नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) कम हो जाती है, तो बैंक अतिरिक्त सिक्योरिटी या आंशिक भुगतान की मांग कर सकता है। ऐसा नहीं करने पर गिरवी रखी गई यूनिट्स बेची भी जा सकती हैं।

किसके लिए कौन सा विकल्प बेहतर

वेतनभोगी कर्मचारियों के लिए, जो नियमित एसआईपी करते हैं और अच्छा म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो बना चुके हैं, म्यूचुअल फंड पर लोन बेहतर विकल्प माना जाता है। इससे निवेश टूटता नहीं और कंपाउंडिंग का लाभ भी जारी रहता है। स्वरोजगार या व्यवसाय करने वालों के लिए भी म्यूचुअल फंड पर लोन अधिक उपयोगी है, क्योंकि इसमें बड़ी राशि अपेक्षाकृत जल्दी मिल सकती है।

एसआईएफ की बढ़ती लोकप्रियता से लंपसम निवेश को मिल रही है चुनौती

10 लाख की न्यूनतम निवेश सीमा के बावजूद एसआईएफ की ओर बढ़ा रुझान

जानकारी
बिजनेस डेस्क

विशेषज्ञों का कहना है कि पहले लॉन्ग-शॉर्ट निवेश रणनीति का लाभ केवल कैटेगरी-III अल्टरनेटिव इन्वेस्टमेंट फंड (एआईएफ) के माध्यम से ही मिल पाता था। लेकिन एआईएफ में निवेश की न्यूनतम सीमा एक करोड़ रुपये होती है, जो अधिकांश निवेशकों की पहुंच से बाहर है। इसके विपरीत एसआईएफ में केवल 10 लाख रुपये से निवेश संभव है। इससे संपन्न निवेशकों को कम पूंजी में वही निवेश रणनीति अपनाने का अवसर मिल रहा है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में एचएनआई निवेशक अब एसआईएफ को अपनाने लगे हैं।

म्यूचुअल फंड उद्योग में लंपसम निवेशकों के लिए एक नया विकल्प तेजी से उभर रहा है। स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) की बढ़ती लोकप्रियता अब पारंपरिक इक्विटी म्यूचुअल फंडों के लंपसम निवेश को चुनौती देती दिखाई दे रही है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि हाल के महीनों में इक्विटी म्यूचुअल फंडों में लंपसम निवेश घटने के पीछे एसआईएफ की बढ़ती स्वीकार्यता भी एक अहम वजह हो सकती है। पिछले महीने इक्विटी म्यूचुअल फंडों में शुद्ध निवेश (नेट इनफ्लो) में करीब 40 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि दूसरी ओर एसआईपी (एसआईपी) निवेश लगातार मजबूत बना रहा। इससे यह संकेत मिला कि छोटे निवेशक नियमित निवेश जारी रखे हुए हैं, जबकि बड़े निवेशक अब नए विकल्पों की तलाश कर रहे हैं।

सात माह में सात गुना बढ़ा एयूएम

पिछले वर्ष शुरू किए गए स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड्स ने बेहद कम समय में निवेशकों का भरोसा जीत लिया है। अक्टूबर 2025 में इनका एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) लगभग 2,010 करोड़ रुपये था, जो मई 2026 तक बढ़कर 13,814 करोड़ रुपये के करीब पहुंच गया। यानी महज सात महीनों में इनका आकार लगभग सात गुना बढ़ गया। हालांकि एसआईएफ में निवेश के लिए न्यूनतम 10 लाख रुपये की सीमा तय की गई है, फिर भी हाई नेटवर्थ इंडिविजुअल (एचएनआई) निवेशकों में इसका आकर्षण लगातार बढ़ रहा है।

हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम पसंद

एसआईएफ के भीतर सबसे अधिक लोकप्रियता हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम को मिली है। मई 2026 तक इस श्रेणी में करीब 9,709 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो कुल एसआईएफ एसेट्स का लगभग 70 प्रतिशत है। इन योजनाओं में प्रति फोलियो औसत निवेश भी सबसे अधिक रहा। हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम में औसत निवेश करीब 33.86 लाख रुपये प्रति फोलियो दर्ज किया गया। इसके मुकाबले इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम में यह आंकड़ा 15.64 लाख रुपये और इक्विटी एक्स-टॉप-100 लॉन्ग-शॉर्ट स्कीम में 12.77 लाख रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आंकड़ा बताता है कि संपन्न निवेशक इस नई श्रेणी पर तेजी से भरोसा जता रहे हैं।

क्यों बढ़ रही है एसआईएफ मांग

बाजार जानकारों के अनुसार एसआईएफ की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह निवेशकों को बेहतर जोखिम-समायोजित रिटर्न देने की कोशिश करता है। विशेष रूप से हाइब्रिड लॉन्ग-शॉर्ट रणनीति बाजार में गिरावट के दौरान भी नुकसान को सीमित रखने का प्रयास करती है। हालिया बाजार सुधार के दौरान इन योजनाओं ने सकारात्मक रिटर्न देकर निवेशकों का भरोसा और मजबूत किया है। यही वजह है कि कई निवेशक अब पारंपरिक लंपसम इक्विटी निवेश की जगह एसआईएफ को प्राथमिकता दे रहे हैं।

म्यूचुअल फंडों पर पड़ेगा असर?

विशेषज्ञों का मानना है कि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि एसआईएफ पारंपरिक म्यूचुअल फंडों का स्थान ले लेंगे। फिलहाल इसका प्रभाव मुख्य रूप से बड़े लंपसम निवेशकों तक सीमित है। एसआईपी निवेश में किसी प्रकार की कमजोरी देखने को नहीं मिली है। इससे स्पष्ट है कि खुदरा निवेशक अभी भी नियमित निवेश के लिए पारंपरिक म्यूचुअल फंडों पर भरोसा बनाए हुए हैं। हालांकि यदि एसआईएफ का प्रदर्शन लगातार बेहतर रहता है तो आने वाले वर्षों में बड़े निवेशकों का एक हिस्सा इस श्रेणी की ओर शिफ्ट हो सकता है।

किन निवेशकों के लिए बेहतर है एसआईएफ

विशेषज्ञों के अनुसार एसआईएफ उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हो सकता है जिनके पास पहले से बड़ा निवेश पोर्टफोलियो है और जो बाजार की अस्थिरता के बीच बेहतर जोखिम प्रबंधन चाहते हैं। विशेष रूप से ऐसे निवेशक जो एकमुश्त बड़ी राशि निवेश करते हैं और केवल इक्विटी पर निर्भर नहीं रहना चाहते, उनके लिए यह एक बेहतर विकल्प बन सकता है। इसके अलावा फिक्स्ड इनकम निवेशक, जो सीमित जोखिम के साथ अपेक्षाकृत बेहतर रिटर्न चाहते हैं, वे भी भविष्य में इस श्रेणी की ओर आकर्षित हो सकते हैं।

अभी भी कई चुनौतियां बाकी

हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि एसआईएफ को व्यापक स्तर पर लोकप्रिय होने में अभी समय लगेगा। निवेशकों में जागरूकता बढ़ाने, वितरकों को प्रशिक्षित करने और लंबी अवधि का प्रदर्शन रिकॉर्ड तैयार होने के बाद ही यह श्रेणी बड़े पैमाने पर स्वीकार की जाएगी। निवेशकों के लिए यह भी जरूरी होगा कि वे केवल शुरुआती प्रदर्शन देखकर निवेश न करें, बल्कि फंड की रणनीति, जोखिम, शुल्क और अपने वित्तीय लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लें।

लंबी अवधि में बदल सकता है निवेश का परिदृश्य

वित्तीय विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय निवेश उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। जैसे-जैसे निवेशकों की समझ बढ़ेगी, वे पारंपरिक इक्विटी और डेट फंडों से आगे बढ़कर नई निवेश रणनीतियों को भी अपनाएंगे। स्पेशलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड इसी बदलाव का संकेत हैं। यदि इनका प्रदर्शन स्थिर और बेहतर बना रहता है तो आने वाले वर्षों में यह हाई नेटवर्थ निवेशकों के पोर्टफोलियो का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि खुदरा निवेशकों के लिए एसआईपी आधारित म्यूचुअल फंड अभी भी सबसे सरल, अनुशासित और प्रभावी निवेश विकल्प बने हुए हैं।

20 साल की एसआईपी में सिर्फ पांच फंड ही बने असली 'वेल्थ क्रिएटर'

बिजनेस डेस्क। म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले अधिकांश निवेशकों का सपना होता है कि उन्हें लंबे समय तक लगातार बेहतर रिटर्न मिले। हालांकि, ऐसा करने वाले फंड बहुत कम हैं। करीब 600 सक्रिय इक्विटी म्यूचुअल फंड्स के विश्लेषण में केवल पांच ऐसी योजनाएं सामने आई हैं, जिन्होंने 3, 5, 10, 15 और 20 वर्ष जैसी सभी प्रमुख निवेश अवधियों में 15 प्रतिशत से अधिक सालाना एसआईपी रिटर्न दिया है। यह विश्लेषण वैल्यू रिसर्च के 29 जून 2026 तक के आंकड़ों पर आधारित है। सबसे खास बात यह है कि इस सूची में कोई भी फ्लेक्सी-कैप या लार्जकैप फंड शामिल नहीं है। दो मिडकैप, दो हेल्थकेयर और एक इंफ्रास्ट्रक्चर थीम आधारित फंड ने निवेशकों को लंबी अवधि में शानदार संपत्ति बनाने का अवसर दिया। यह दर्शाता है कि मजबूत सेक्टरों में लंबे समय तक धैर्य के साथ निवेश करने वाले निवेशकों को बेहतरीन रिटर्न मिला।

ये हैं पांच सबसे सफल एसआईपी फंड

- इस सूची में एचएसबीसी मिडकैप फंड (रेगूलर) पहले स्थान पर है। इस फंड ने 3 वर्ष में 20.05%, 5 वर्ष में 21.46%, 10 वर्ष में 18.39%, 15 वर्ष में 18.96% और 20 वर्ष में 17.70% का वार्षिक एसआईपी रिटर्न दिया। निवेशक ने 20 वर्षों तक हर महीने 10,000 की एसआईपी की होती, तो उसका निवेश बढ़कर 1.86 करोड़ हो जाता।
- दूसरे स्थान पर एसीबीआई हेल्थकेयर ऑपर्च्युनिटी फंड (रेगूलर) रहा। इसने 20 वर्षों में 16.80 प्रतिशत वार्षिक एसआईपी रिटर्न दिया और 10,000 मासिक निवेश को लगभग 1.68 करोड़ रुपये में बदल दिया।
- तीसरे स्थान पर आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मिडकैप फंड रहा। इस फंड ने 20 वर्षों में 16.52 प्रतिशत का रिटर्न दिया और लगभग 1.61 करोड़ का कोष तैयार किया।
- चौथे स्थान पर यूटीआई हेल्थकेयर म्यूचुअल फंड (रेगूलर) रहा, जिसने 20 वर्षों में 15.61 प्रतिशत रिटर्न देते हुए 10,000 की मासिक एसआईपी को लगभग 1.45 करोड़ रुपये तक पहुंचाया।
- पांचवें स्थान पर डीएसपी इंडिया टीआईजीईआर फंड (रेगूलर) रहा। इंफ्रास्ट्रक्चर थीम पर आधारित इस फंड ने 20 वर्षों में 15.40 प्रतिशत रिटर्न दिया और निवेशकों का कोष करीब 1.40 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया।

अमेरिकी ब्याज दरों, ट्रेजरी यील्ड और वैश्विक अनिश्चितता से बढ़ा दबाव

सात माह के निचले स्तर पर सोना-चांदी, ऐसे में क्या करें?

बिजनेस डेस्क

जुलाई की शुरुआत सर्राफा बाजार के लिए झटके भरी रही। 1 जुलाई को घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में तेजी, फेडरल रिजर्व की सख्त मौद्रिक नीति के संकेत और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इसका असर यह हुआ कि सोना और चांदी दोनों सात महीने के निचले स्तर के करीब पहुंच गए। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरावट केवल नकारात्मक संकेत नहीं है, बल्कि लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर भी बन सकती है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगस्त डिलीवरी वाला सोना 1,701 रुपये यानी 1.19 प्रतिशत टूटकर करीब 1.40 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं सितंबर डिलीवरी वाली चांदी में और बड़ी गिरावट देखने को मिली। चांदी 5,380 रुपये यानी 2.35 प्रतिशत लुढ़ककर 2.23 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कमजोरी का यही रुख दिखाई दिया। कॉमेक्स पर सोना करीब 4,000 डॉलर प्रति औंस के महत्वपूर्ण स्तर के आसपास सात महीने के निचले स्तर पर कारोबार करता रहा, जबकि चांदी लगभग तीन प्रतिशत गिरकर 57.73 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

अमेरिकी फेड की सख्ती बनी सबसे बड़ी वजह

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व का सख्त रुख है। हाल के दिनों में फेड अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि यदि महंगाई पूरी तरह नियंत्रण में नहीं आती है तो इस वर्ष के अंत तक ब्याज दरों में एक और बढ़ोतरी की जा सकती है। ब्याज दरें बढ़ने से निवेशकों का रुझान सोने जैसी बिना ब्याज वाली परिसंपत्तियों से हटकर बॉन्ड और अन्य ब्याज देने वाले निवेश विकल्पों की ओर बढ़ जाता है। यही कारण है कि सोने और चांदी पर बिकवाली का दबाव लगातार बना हुआ है।

ट्रेजरी यील्ड और मजबूत डॉलर का असर

अमेरिकी सरकारी बॉन्ड यानी ट्रेजरी की यील्ड में तेजी ने भी सोने की चमक फीकी कर दी है। जब ट्रेजरी यील्ड बढ़ती है तो निवेशकों को सुरक्षित और बेहतर रिटर्न वाले विकल्प मिलने लगते हैं। इससे सोने की मांग घटती है। इसके साथ ही डॉलर इंडेक्स में मजबूती आने से भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों पर दबाव बढ़ा। चूंकि सोने का कारोबार डॉलर में होता है, इसलिए डॉलर मजबूत होने पर अन्य देशों के निवेशकों के लिए सोना महंगा हो जाता है और मांग कमजोर पड़ जाती है।

मध्य-पूर्व में बढ़ता तनाव भी चिंता का कारण

मध्य-पूर्व में एक बार फिर बढ़ते तनाव ने बाजार की चिंता बढ़ा दी है। ईरान और अमेरिका के बीच रिश्तों में आई तल्खी तथा शांति वार्ता को लेकर अनिश्चितता ने निवेशकों को सतर्क बना दिया है। हालांकि सामान्य परिस्थितियों में ऐसे तनाव के दौरान सोने को सुरक्षित निवेश माना जाता है, लेकिन इस समय ब्याज दरों और डॉलर की मजबूती का प्रभाव अधिक देखने को मिल रहा है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने भी वैश्विक महंगाई को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। यदि तेल महंगा होता है तो महंगाई बढ़ सकती है, जिससे केंद्रीय बैंक ब्याज दरें लंबे समय तक ऊंची रख सकते हैं।

विशेषज्ञ बोले- जल्दबाजी नहीं, रणनीति के साथ ही करें निवेश

अब अमेरिकी आंकड़ों पर टिकी नजर

बाजार की अगली दिशा काफी हद तक अमेरिका से आने वाले आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगी। निवेशकों की नजर जून के ADP रोजगार आंकड़ों और नॉन-फार्म पेरोल डेटा पर है। यदि रोजगार के आंकड़े मजबूत आते हैं तो फेड के लिए ब्याज दरें ऊंची बनाए रखने का आधार मजबूत होगा, जिससे सोने पर दबाव बना रह सकता है। वहीं, यदि आंकड़े उम्मीद से कमजोर आते हैं तो ब्याज दरों में नरमी की उम्मीद बढ़ेगी और सोना-चांदी में रिकवरी देखने को मिल सकती है।

विशेषज्ञों की रायः अभी सतर्कता जरूरी

सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि फिलहाल तकनीकी रूप से सोना और चांदी दोनों कमजोर स्थिति में हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर से नीचे बना रहता है तो अगला मजबूत सपोर्ट 3,600 डॉलर प्रति औंस के आसपास दिखाई देता है। इसी तरह चांदी यदि 60 डॉलर प्रति औंस के नीचे टिकती है तो इसमें 50 डॉलर प्रति औंस तक गिरावट की संभावना बनी रह सकती है। हालांकि लगातार बिकवाली के कारण दोनों धातुएं अब ओवरसोल्ड जोन में पहुंच चुकी हैं। ऐसे में किसी भी सकारात्मक वैश्विक संकेत या कमजोर अमेरिकी आर्थिक आंकड़ों के बाद तेज तकनीकी रिकवरी भी संभव है।

क्या यह खरीदारी का सही समय है?

विशेषज्ञों का मानना है कि लंबी अवधि के निवेशकों को घबराने की जरूरत नहीं है। यदि किसी का निवेश लक्ष्य पांच से दस वर्ष या उससे अधिक का है तो ऐसी गिरावट चरणबद्ध निवेश (स्टैगर्ड इन्वेस्टमेंट) का अवसर बन सकती है। एकमुश्त निवेश करने के बजाय किस्तों में खरीदारी करना अधिक सुरक्षित रणनीति मानी जा रही है। इससे यदि कीमतें और गिरती हैं तो औसत खरीद मूल्य कम किया जा सकता है। वहीं अल्पकालिक ट्रेडर्स को फेडरल रिजर्व के अगले संकेत, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड, डॉलर इंडेक्स और वैश्विक घटनाक्रमों पर लगातार नजर बनाए रखनी चाहिए।

दीर्घकाल में बनी रहेगी सोने की अहमियत

सोना सदियों से महंगाई, आर्थिक संकट और वैश्विक अनिश्चितताओं के दौरान सबसे भरोसेमंद निवेश विकल्प माना जाता रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि अल्पकाल में कीमतों में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है, लेकिन लंबी अवधि में सोना निवेश पोर्टफोलियो को स्थिरता देने का महत्वपूर्ण माध्यम बना रहेगा। यही कारण है कि वित्तीय सलाहकार कुल निवेश का एक हिस्सा सोना और चांदी जैसी कीमती धातुओं में रखने की सलाह देते हैं। मौजूदा गिरावट को केवल कमजोरी के रूप में नहीं, बल्कि रणनीतिक निवेश के अवसर के रूप में भी देखा जा सकता है।

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण आजकल काफी चर्चा में है। इससे करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और श्रद्धा पर गहरी चोट पहुंची है। सवाल उठता है कि इस मामले में कहां चूक हुई और क्या किया जाना चाहिए था, जिसका पालन नहीं हो पाया? आखिर प्रबंधन को लेकर ऐसी क्या व्यवस्था बनाई जाए, जिससे मंदिरों के कामकाज में पारदर्शिता आए, जबकि भारत के अनेक प्रमुख मंदिरों खास तौर पर दक्षिण के प्रबंधन इतने अच्छे हैं कि उनमें ज्यादा परिवर्तन या हस्तक्षेप की आवश्यकता ही नहीं है। आज भी वहां समितियों की बैठकें होती हैं और उनके अनुसार निर्णय भी होते हैं। उनकी प्रबंधन समितियां बड़े स्तर पर श्रद्धालुओं और दान का प्रबंधन करती हैं। उत्तर भारत के मंदिर इनसे क्या सबक ले सकते हैं? सभी बड़े धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है। हालांकि राम मन्दिर चन्दा मामले की जांच संबंधित राज्य सरकार द्वारा करवाई जा रही है। दूसरी ओर, क्या राममंदिर चढ़ावा चोरी विवाद भारतीय जनता पार्टी को राजनीतिक रूप से प्रभावित करेगा। यदि हां तो कितना और नहीं तो क्यों नहीं? ***इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...***

सरकारी व्यवस्था से परे हो मंदिर प्रबंधन

विश्लेषण
अवधेश कुमार
वरिष्ठ स्तंभकार

काफी समय से मंदिरों के प्रबंधन को लेकर देश में लगातार बहस और विमर्श चल रहा है। मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हटाने को लेकर उच्चतम न्यायालय में याचिका भी पड़ी हुई है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान चोरी के बाद इस विषय को एक बहुत बड़े वर्ग ने नए सिरे से गर्म करने की कोशिश की है। इनमें नेताओं, निहित स्वार्थी तत्वों, मंदिरों के महत्व से अनभिज्ञों आदि की बड़ी संख्या शामिल है। हालांकि संपूर्ण इतिहास में किसी धार्मिक स्थल की कोई भी व्यवस्था शत- प्रतिशत बेईमानी, पाप, भ्रष्टाचार को रोकने में सफल हुई हो इसके उदाहरण न के बराबर हैं। प्रश्न यही है कि आखिर श्रेष्ठतम व्यवस्था क्या हो सकती है? मंदिरों के आविर्भाव के साथ भारत में इसकी स्थापित परंपराएं हैं।

पिछले काफी समय से मंदिरों के प्रबंधन को लेकर देश में लगातार बहस और विमर्श चल रहा है। मंदिरों से सरकारी नियंत्रण हटाने को लेकर उच्चतम न्यायालय में याचिका भी पड़ी हुई है। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दान चोरी के बाद इस विषय को एक बहुत बड़े वर्ग ने नए सिरे से गर्म करने की कोशिश की है। इनमें नेताओं, निहित स्वार्थी तत्वों, मंदिरों के महत्व से अनभिज्ञों आदि की बड़ी संख्या शामिल है। हालांकि संपूर्ण इतिहास में किसी धार्मिक स्थल की कोई भी व्यवस्था शत- प्रतिशत बेईमानी, पाप, भ्रष्टाचार को रोकने में सफल हुई हो, इसके उदाहरण न के बराबर हैं। हां, ऐसा करने वालों को दंड, पाप मोचन तथा सुधार की व्यवस्था सतत् रही है।

इसके बावजूद हमारे मंदिर हर दृष्टि से धार्मिक मान्यताओं और हमारी आस्थाओं के अनुरूप पावन पुण्य स्थल बन रहें, श्रद्धालुओं के मन में वहां से जीवन में शुचिता, नैतिकता, सेवा, दान व ईमानदारी की प्रेरणा मिले इसके लिए मनुष्य के रूप में जितना संभव है, श्रेष्ठतम व्यवस्था होनी चाहिए। प्रश्न यही है कि आखिर श्रेष्ठतम व्यवस्था क्या हो सकती है? मंदिरों के आविर्भाव के साथ भारत में इसकी स्थापित परंपराएं हैं। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हमारे मंदिर केवल कर्मकांड, पूजा- पाठ व दर्शन के केंद्र नहीं थे। मंदिरों की भूमिका समाज के मुख्य शक्ति केंद्र के रूप में भी थी। आज भी प्रमुख मंदिरों द्वारा शिक्षालय, अस्पताल, औषधालय,योग आश्रम, विचार प्रसार केंद्र, पुस्तकालय, वाचनालय, प्रकाशन, मुफ्त भोजनालय, समाज के निर्धन निराश्रित लोगों की सहायता सेवा आदि संचालित होते हैं।

यह उसी परंपरा का अंग है। ज्यादातर मंदिर ऐसा करते हुए प्रचार-प्रसार में नहीं पड़ते ते इसलिए दुनिया में ईसाई मिशनरियों ने ही यह भाव फैलाया है कि दान, गरीबों की सेवा, मनुष्य को शिक्षित करने की भूमिका केवल वही निभाते हैं। यह सरासर झूठ है। साफ है कि अगर मंदिरों के प्रबंधन की बात करें तो उसके पूरे व्यापक आयाम को ध्यान में रखकर ही आप किसी निष्कर्ष पर पहुंच सकते हैं।

संपूर्ण देश के लिए एक संरचना उपयुक्त नहीं

वस्तुतः मंदिरों को सरकारी व्यवस्था, ट्रस्ट तंत्र के हवाले करना सच कहें तो धार्मिक विधान के ही विपरीत है और उससे उसकी मूल स्वायत्तता दुष्प्रभावित हो जाती है। झूठे वही खाता बनाने पड़ते हैं। दूसरे, संपूर्ण देश के लिए कोई एक संरचना उपयुक्त नहीं हो सकती।

यह भी ध्यान रखिए कि भारत के अनेक प्रमुख मंदिरों के प्रबंधन इतने अच्छे हैं कि उनमें ज्यादा परिवर्तन या हस्तक्षेप की आवश्यकता ही नहीं है। आज भी समितियों की बैठकें होती हैं और उनके अनुसार निर्णय भी होते हैं। मूल बात हिंदू समाज के सांस्कृतिक पुनर्जागरण की है जो आगे बढ़ रही है। अच्छा हो कि धर्म तंत्र, धार्मिक विशेषज्ञ, समाज क्षेत्र में इसके अन्य ज्ञाता, आस्थावान इतिहासकार सब मिलकर धार्मिक विघ्नों एवं परंपराओं के आरोप स्थानीय स्थान पर व्यवस्था बनाएं। मंदिरों के महत्व, उनकी व्यवस्था को न जानने वाले निहित स्वार्थी तत्वों के हल्ला बोल में पड़ने की आवश्यकता नहीं।

समाज और सत्ता का समन्वय

राजा या वैभवशाली, संपन्नशाली लोग मंदिर अवश्य बनवाते थे और प्रबंधन में उनकी भूमिका भी होती थी, पर संपूर्ण निजी मंदिरों को छोड़कर नियंत्रण जैसी स्थिति नहीं रही। उसके संपूर्ण विधि विधान ही नहीं, प्रबंधन की विधियां भी धर्म क्षेत्र - द्वारा ही निर्धारित होती थी। मंदिर के प्रबंध का सूत्र समाज क्षेत्र और सत्ता तंत्र के समन्वय से होता था। दक्षिण में आगमों के द्वारा मंदिर के पूजा विधान तय होते थे। समाज की समितियां कई बार जिसे सभा - महासभा कहते थे जिनमें विद्वान बुजुर्ग आदि होते थे, प्रतिदिन की व्यवस्था संभालते थे। आज भी हम दक्षिण के कुछ मंदिरों के अंदर धन देख, सुनकर चकित होते हैं और कई प्राचीन राज परिवार अभी भी मंदिरों की प्रमुख भूमिका में हैं। पर उनका नियंत्रण नहीं है। भाव यही है कि हम केवल उस धन के न्यासी हैं, उनमें से रति भर भी स्वयं के लिए उपयोग करने का अधिकार हमें नहीं है।

चैरिटेबल सोसायटी एक्ट

यह भी समझने की आवश्यकता है कि भारत में विविधताओं के बीच मूल भाव एक ही रहा है किंतु स्थानीय प्रकृति , परंपरा, रीति - रिवाज , धार्मिक आस्थाएं, ज्ञान आदि के अनुसार ही मंदिरों के प्रबंधन होते थे। हजार वर्षों के आक्रमणों, परकीय शासनों के कारण समस्याएं पैदा हुई और स्वतंत्रता के बावजूद जीवन का मूल होते हुए भी समाज की प्राथमिकता में नहीं रहा। बावजूद आज भी प्रमुख मंदिरों की व्यवस्था अपनी स्थापित परंपरा के अनुसार अभी भी काफी हद तक उपयुक्त और प्रेरणादायी हैं। दरअसल, अंग्रेजों ने भारत को हर दृष्टि से गुलाम करने के लिए 1860 में चैरिटेबल सोसायटी एक्ट बनाया तथा सभी के लिए इस कानून के तहत निबंधन अनिवार्य किया। इस एक कानून ने पूरे भारत में मंदिरों से लेकर सेवा परंपराओं सहित दान शालाओं, शिक्षा शालाओं की प्रकृति को ही विकृत कर दिया। आज भी ऐसे सरकारी विभागों की दशा कैसी है, वे कैसा व्यवहार करते हैं यह अनुभव दिल दहलाने वाला है।

व्यवस्था में भ्रष्टाचार का दलदल

कम से कम इस तरह के प्रबंधन से मंदिरों की स्वतः स्फूर्त सुधार व्यवस्था के साथ-साथ पूरा कर्मकांड तक दुष्प्रभावित होता है। राज्यों के धार्मिक न्यास बोर्डों के हस्तक्षेप के कारण धार्मिक, सत्यनिष्ठ, नैतिक लोगों के लिए भी मंदिर का संचालन कठिन हो जाता है। मंदिरों में तात्कालिक कई खर्च ऐसे होते हैं जो दे दिए पर उनका हिसाब-किताब रखना कठिन होता है। कई बार कुछ निर्माण होते हैं जिनके सम्पूर्ण व्यय को लिखना लगभग असंभव होता है।

न्यास बोर्डों को उनके फॉर्मेट के अनुरूप के साथ हिसाब - किताब चाहिए होता है। इनको पुजारी की नियुक्ति से लेकर प्रबंधन तक में हस्तक्षेप का अधिकार कई राज्यों में है। इस कारण पूरी व्यवस्था भ्रष्टाचार के दलदल में फंस गई। हिंदू समाज के पतन के कारण गांवों व शहरों के बड़ी संख्या में मंदिरों की संपत्तियों पर स्थानीय लोगों, बाहुबलियों और प्रभावी लोगों का कब्जा हो गया है और मंदिर पतन की अवस्था में हैं।

निगरानी, जवाबदेही और पूर्ण पारदर्शिता जरूरी

व्यवस्था
सुशील देव
स्वतंत्र पत्रकार

सनातन संस्कृति में कोई भी मंदिर लोगों की आस्था, विश्वास और श्रद्धा का प्रतीक होता है। मगर जब मंदिरों की कुव्यवस्था को लेकर स्वर उठने लगते हैं तो आस्था, विश्वास और श्रद्धा पर गहरी चोट पहुंचती है। अयोध्या के राम मंदिर में यही हुआ है। दान की चोरी का मामला बेहद निंदनीय है। करोड़ों लोगों की आस्था, लंबे संघर्ष और सामाजिक-राजनीतिक संघर्ष के बाद यह मंदिर दोबारा अस्तित्व में आया था। यह मंदिर केवल धर्म-अध्यात्म का केंद्र ही नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। इसलिए दान में चोरी का मामला वित्तीय अनियमितता से ज्यादा गंभीर है। अयोध्या का राम मंदिर मामला इन दिनों सुर्खियों में है। हर कोई इस घटना की निंदा कर रहा है। अपनी चिंताएं व्यक्त कर रहा है। चढ़ावे या चंदे की लूट की चर्चा धर्मानुरागियों को आहत कर रहा है। इस मामले में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने कहा है कि इसके दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यह एक असाधारण और अति निंदनीय घटना है, जिसमें माफी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मंदिर प्रबंधन और सरकार से इस मामले में सख्त कार्रवाई करने की अपील भी की। इससे राम भक्तों की भावनाएं आहत हुईं हैं। पूछताछ और जांच की कार्रवाई चल रही है। राम मंदिर में चढ़ावा की जांच कर रही एसआईटी टीम ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पिछले पांच सालों के खातों को फिर से आडिट करेगा, क्योंकि शुरूआती जांच में बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के संकेत मिले हैं। देश में ऐसे कई मंदिर हैं जो कई बार चढ़ावे या चंदा गबन के कारण चर्चा में रहे हैं। ऐसे में न केवल उन मंदिरों के प्रबंधन को भी चुस्त—दुरूस्त रहना चाहिए, बल्कि स्थानीय प्रशासन और सरकार को निगरानी बढ़ाने की जरूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के राम मंदिर का उद्घाटन किया था। तभी से मंदिर में बड़ी मात्रा में चढ़ावा आ रहा है। साल 2024-25 में मंदिर ट्रस्ट ने कुल 327 करोड़ रुपए की आमदनी बताई थी, जिसमें 153 करोड़ चढ़ावे के रूप में मिली थीं। सब कुछ ठीक चल रहा था लेकिन 7 जून 2026 को समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक पवन पांडेय ने आरोप लगाया कि राम मंदिर के दान पात्रों से लगभग 7 करोड़ से ज्यादा रुपए का गबन हुआ है। इन आरोपों से पूरी अयोध्या में राजनीतिक भूचाल आ गया। इसके बाद भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखा और कथित चंदा चोरी मामले की सीबीआई जांच की मांग की। तुरंत बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी इस कथित चंदा चोरी जांच के लिए तीन सदस्यों वाली एसआईटी का गठन कर दिया। एसआईटी ने कैश हैंडलिंग प्रक्रिया और डोनेशन बॉक्स की जांच की, सीसीटीवी फुटेज खंगाला और वहां के कर्मचारियों से बात की तो कई विरोधाभास नजर आया। एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार ने सख्ती दिखाई। नतीजतन, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने कुछ कर्मचारियों सहित आठ संदिग्ध लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इसी कारण ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को भी अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। पूरी कहानी से यह स्पष्ट होता है कि इस प्रसिद्ध मंदिर में आस्था, विश्वास और श्रद्धा का जो सैलाब उमड़ा, उनसे जो चढ़ावा मिला, उसे मंदिर ट्रस्ट सही रूप से व्यवस्थित रखने में नाकाम साबित हुआ। हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि मंदिर ट्रस्ट को मई अंतिम सप्ताह में ही कथित चंदा चोरी की भनक लगी थी, जब बैंकों में जमा हो रही रकम और दान पेटियों में कम चढ़ावा मिलने का शक हुआ था। उसके बाद वहां हिडन कैमरे लगा दिए थे और चौकसी बढ़ा दी गई थी। बावजूद इसके, कुछ लोभी प्रवृत्ति के लोगों ने इस घोटाले को अंजाम दिया। यह घोटाला अब सरकार और जनता की अदालत से आगे कानून की अदालत तक पहुंच चुका है। इस मामले में चाक-चौबंद व्यवस्था होती तो शायद यह दिन नहीं देखना पड़ता। राम मंदिर में अब तक जो भी दान प्राप्त हुआ, वह करोड़ों लोगों की आस्था की अमानत है।

धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है। सनद रहे कि मंदिर चढ़ावा विवाद का असर बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर पर भी पड़ा है।

दान राशि के प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। श्रद्धालुओं को नियमित रूप से यह जानकारी मिलनी चाहिए कि कितनी राशि प्राप्त हुई और उसका उपयोग किन कार्यों में किया जा रहा है। इसके लिए स्वतंत्र ऑडिट, वार्षिक वित्तीय रिपोर्ट, सार्वजनिक आय-व्यय विवरण और डिजिटल दान प्रणाली को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। किसी भी धार्मिक संस्था की सबसे बड़ी पूंजी लोगों का विश्वास होता है और यह विश्वास पारदर्शिता एवं नियमित संवाद से ही मजबूत होता है। हालांकि राम मंदिर ट्रस्ट ने दलील दी है कि तमाम आरोप निराधार हैं। मंदिर निर्माण और दान राशि का पूरा लेखा-जोखा निर्धारित प्रक्रियाओं के आधार पर रखा जा रहा है। अब तक सभी वित्तीय लेनदेन कानूनी प्रक्रिया और दस्तावेजों के आधार पर किए गए हैं। जबकि विपक्षी दलों और कुछ सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा दान राशि और भूमि खरीद से जुड़े कुछ मामलों पर पारदर्शिता बढ़ाने तथा स्वतंत्र जांच की लगातार मांग की जा रही है। सभी बड़े धार्मिक संस्थान में दान प्रबंधन को लेकर समय-समय सार्वजनिक जानकारी, नियमित ऑडिट और पारदर्शी वित्तीय रिपोर्टिंग से भ्रम की स्थिति को कम किया जा सकता है।

लोकहित में व्यय की जाए दान की रकम

मंथन
उमेश चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

अयोध्या के श्रीरामलला मंदिर के चढ़ावे की चोरी के खुलासे के बाद दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। समाज के एक वर्ग की ओर से उत्तर भारत के मंदिरों को भी सबक लेने और उनकी ही तर्ज पर प्रबंधन चलाने की मांग उठ रही है। इसकी वजह यह है कि दक्षिण भारत के बड़े मंदिरों, तिरूपति, अयप्पा, सबरीमाला, मीनांबकम् आदि के चढ़ावे की हेराफेरी की कोई जानकारी अब तक सामने नहीं आई है। यह नहीं भूलना चाहिए कि श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की गिनती और उसे उचित बैंक तक पहुंचाने का भी तकरीबन वैसा ही इंतजाम किया गया है, जैसा शिरड़ी के साईं मंदिर या दक्षिण भारत के मंदिरों में किया गया है। असल समस्या मंदिर प्रबंधन में तैनात कर्मचारियों के चरित्र की है।

अगर कर्मचारी और अधिकारी ईमानदार होंगे तो फिर कड़ी व्यवस्था की जरूरत नहीं रह जाती। जहां तक दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की बात है तो वहां के मंदिरों का प्रबंधन मोटे तौर पर संबंधित राज्य के कानून के जरिए बनाए गए हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती बोर्ड करते हैं। हालांकि कुछ मंदिरों का प्रबंधन और संचालन उत्तर भारत के मठों की तरह वंशानुगत महंतों और ट्रस्टियों द्वारा भी किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा गठित बोर्ड मंदिर की आय, दान, पुजारियों की नियुक्ति और प्रशासनिक व्यवस्था संभालते हैं। मोटे तौर पर यह व्यवस्था तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल और तेलंगाना के ज्यादातर बड़े मंदिरों में लागू है। इसके तहत सरकार की ओर से मंदिर के लिए एक आयुक्त और कार्यकारी अधिकारी नियुक्त होता है, जो मंदिर के रोजाना का प्रशासन, सुरक्षा और कर्मचारी आदि की व्यवस्था देखते हैं। सरकार की ओर से नियुक्त बोर्ड में स्थानीय प्रतिष्ठित लोगों, विद्वानों और सरकारी प्रतिनिधि शामिल होते हैं। बोर्ड प्रबंधन मंदिरों के चढ़ावे पर कड़ी निगरानी रखते हैं। इसके लिए विशेष तौर पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। वहां सुरक्षा बलों की भी तैनाती है। चढ़ावे से प्राप्त रकम के आय-व्यय का लेखा-जोखा राज्य सरकार हर साल कर करती है। केरल के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर और कर्नाटक के उडुपी के मठ का प्रबंधन वहां के पारंपरिक शाही परिवार या उत्तर भारत की तरह वंशानुगत मठ के महंत के जरिए होता है, लेकिन इन मंदिरों के चढ़ावे आदि पर राज्य सरकार की निगरानी होती है। दक्षिण भारत के ज्यादातर बड़े मंदिरों के आर्थिक और प्रशासनिक मामलों में राज्य सरकारों का हस्तक्षेप होता है। हालांकि मंदिर की पूजा-पद्धति, अनुष्ठान, स्थानीय त्योहार आदि के आयोजन में राज्य सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं होती। इस पर फैसले लेने का अधिकार वहां के पुजारियों को होता है। कुछ इसी तरह का प्रबंधन उत्तर भारत के भी कुछ बड़े मंदिरों का भी होता है। उज्जैन का महाकाल मंदिर मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 1982 में पारित श्रीमहाकालेश्वर मंदिर अधिनियम के तहत गठित 'महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति' करती है। उज्जैन के जिलाधिकारी इसके पदेन अध्यक्ष होते हैं। इस समिति में उज्जैन नगर निगम के पार्षद, राज्य सरकार द्वारा नामित संस्कृत के विद्वान और पुजारी सदस्य होते हैं। जिलाधिकारी इसकी दिन-प्रतिदिन की व्यवस्था और प्रबंधन के लिए एक प्रशासक को नियुक्त करते हैं। तिरूपति देवस्थान बोर्ड की ओर से करीब 35 स्कूल, कॉलेज और उच्च शिक्षण संस्थान संचालित किए जा रहे हैं। उत्तर भारत का प्रसिद्ध वैष्णोदेवी मंदिर का भी संचालन कुछ इसी तरह होता है। 1986 में सरकार द्वारा बनाया गया श्री माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड मंदिर और उसके चढ़ावे आदि का प्रबंधन करता है। श्री माता वैष्णोदेवी श्राइन बोर्ड जम्मू-कश्मीर के कटरा में श्री माता वैष्णोदेवी विश्वविद्यालय संचालित करता है। बोर्ड कटरा में श्री माता वैष्णोदेवी गुरुकुल का भी संचालन करता है। पटना के महावीर मंदिर का प्रबंधन भी इसी तरह से जनहित के लिए महावीर कैंसर संस्थान, महावीर नेत्रालय, महावीर आरोग्यालय आदि का संचालन करता है। दक्षिण भारत के मंदिरों के प्रबंधन की तरह श्रीरामलला मंदिर के प्रबंधन की मांग का एक वर्ग विरोध भी कर रहा है। इसके लिए दक्षिण भारत के मंदिरों की व्यवस्था का उत्तर वालों को गहन अध्ययन करना चाहिए और उसी तरह की व्यवस्था को अपनाना चाहिए। चूंकि चढ़ावे की रकम आम लोगों के दान की रकम होती है, लिहाजा इस रकम को लोकहित में स्कूल और अस्पताल चलाने, गरीबों को रोजगार आदि दिलाने का इंतजाम करने के मद में खर्च किया जाना चाहिए।

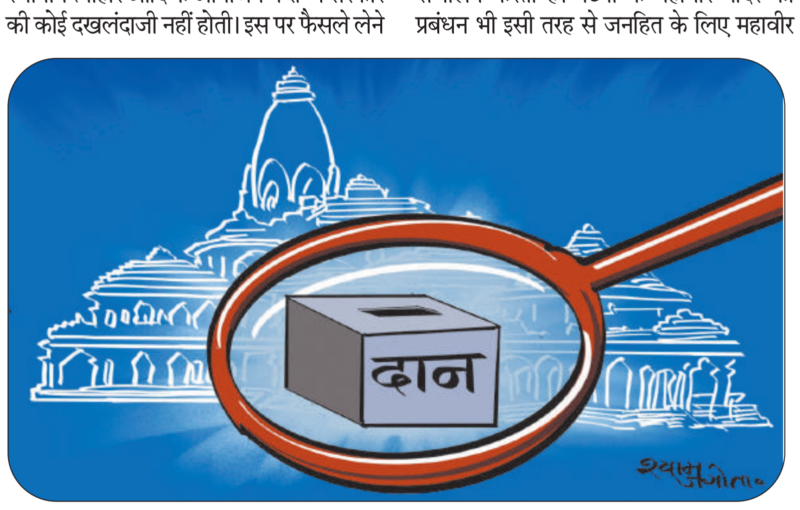

दक्षिण भारत के ज्यादातर बड़े मंदिरों के आर्थिक और प्रशासनिक मामलों में राज्य सरकारों का हस्तक्षेप होता है। हालांकि मंदिर की पूजा-पद्धति, अनुष्ठान, स्थानीय त्योहार आदि के आयोजन में राज्य सरकार की कोई दखलंदाजी नहीं होती। इस पर फैसले लेने का अधिकार वहां के पुजारियों को होता है।

आपदा प्रबंधन में माहिर है भाजपा

दान चोरी प्रकरण
सुनील अमर
स्वतंत्र पत्रकार

देश का माहौल इन दिनों अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर में हुए चढ़ावा चोरी प्रकरण से उद्वेलित है। मामले की जांच भी हो रही है। अपने देश का मिजाज ही कुछ ज्यादा धार्मिक है, इसलिए धर्म-कर्म होते रहते हैं और स्वाभाविक है कि उनमें अव्यवस्थाएं भी होती रहती हैं। अयोध्या का राम मन्दिर कांड कोई पहला नहीं है। देश के कई प्रमुख मन्दिरों में इससे पहले भी ऐसे कांड होते रहे हैं जिनमें तिरुमला वेंकटेश्वर मन्दिर, सबरीमला मन्दिर, जगन्नाथ मन्दिर तथा बीते जून महीने में ही हुए योग नरसिम्हा स्वामी मन्दिर का चढ़ावा चोरी मामले चर्चित हैं। अयोध्या मन्दिर का मामला इसलिए ज्यादा उबाल ले रहा है क्योंकि भारतीय जनता पार्टी ने अयोध्या आन्दोलन की नाव पर चढ़कर अपना राजनीतिक अभीष्ट प्राप्त किया।

दूसरे, सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद प्रधानमन्त्री कार्यालय ने ही इस ट्रस्ट का गठन किया, इसके सदस्यों का चयन किया और खास बात यह कि इस ट्रस्ट की गतिविधियों को सूचना के अधिकार के बाहर कर दिया। रही बात राम मन्दिर चढ़ावा चोरी कांड से जनता पर असर पड़ने की तो अगर अतीत में हम देखें तो पता चलता है कि इस देश की जनता की राजनीतिक याददाश्त और भावनाएं दोनों बहुत टिकाऊ नहीं हैं। आखिर इसी देश में आपातकाल लगा, तमाम ज्यादतियां हुईं और मौका मिलने पर जनता ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंका, लेकिन कुछ ही महीनों के भीतर जनता सारे दुःख भूल गई और दोबारा उसी कांग्रेस की सरकार को सत्ता में स्थापित कर दिया। असल सवाल है जनता को बहलाने-फुसलाने का और भाजपा का प्रचार तंत्र इसमें माहिर है। भाजपा को राजनीतिक और धार्मिक दोनों मोर्चों पर लड़ना आता है। सांगठनिक तौर पर भाजपा आज देश की सबसे ताकतवर पार्टी है। एक समय था कि वामदलों को कॉडर आधारित दल कहा जाता था। कांग्रेस के पास भी सेवादल हुआ करता था। बसपा संस्थापक कांशीराम ने भी पहले बामसेफ ही बनाया था लेकिन आज ये दल अपने इस मूलभूत ढांचों को खो बैठे हैं, जबकि भाजपा के साथ उसका मातृ संगठन आरएसएस अपने समस्त आनुषांगिक संगठनों के साथ आज पूरी क्षमता से कार्यरत है। ऐसे ताकतवर इन्फ्रास्ट्रक्चर से अन्य दल क्या मुकाबला कर पाएंगे।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की बात करें तो भाजपा के पास अभी आपदा प्रबन्धन का थोड़ा समय है और भाजपा इसमें पारंगत है। आखिर बीते लोकसभा चुनाव में फैजाबाद संसदीय सीट, जिसके अन्तर्गत ही अयोध्या भी आती है, सपा के हाथों हार जाने के बाद भाजपा ने इसकी एक विधानसभा सीट मिल्कीपुर को उपचुनाव में येन-केन-प्रकारेण जीत ही लिया था और प्रचारित किया था कि अयोध्या की जनता भाजपा से नाराज नहीं है। दूसरे, चुनावी प्रक्रिया इधर के वर्षों में बहुत हाईटेक और बहुत ज्यादा खर्चीली हो गई है। इस लिहाज से देखें तो भाजपा के मुकाबले कोई भी राजनीतिक दल टिकता ही नहीं है। लेकिन ये राजनीतिक और पेचीदगी की बातें अपनी जगह। हिन्दू धर्म में दान की परम्परा बहुत उदारमना है। यहां तो 'त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये' कहकर भगवान को चढ़ावा अर्पित किया जाता है। एक आस्थावान हिन्दू दान करने के बाद उसे भूल जाता है और फिर आगे उसका हिसाब नहीं रखता। जैसे भिखारी को भिक्षा देकर उस पर यह शर्त नहीं थोपी जाती कि वह इसे कैसे खर्च करेगा। यही वजह है कि देश के अन्य हिस्सों की बात छोड़ दें तो इस मुद्दे पर अयोध्या में स्थानीय स्तर पर जनता का कोई भी मुखर विरोध नहीं है। जो विरोध है वह संस्थागत स्तर पर ही है और भाजपा जनता की इस अमुखरता को भुनाएगी ही। राम मन्दिर चन्दा मामले की जांच राज्य सरकार द्वारा करवाई जा रही है। आने वाले समय में भाजपा पर इसका क्या राजनीतिक असर दिखेगा, यह कहना अभी जल्दबाजी होगी, लेकिन यह महत्वपूर्ण होगा कि जांच का नतीजा क्या निकला। जिम्मेदार किसे ठहराया गया, सजा किसे हुई तथा व्यवस्था में परिवर्तन क्या किया गया और इन सबका जनता पर असर कैसा हुआ। भाजपा किसी लकीर को छोटा साबित करने के लिए बड़ी लकीर खींचने में माहिर है। चुनाव में अभी समय है और संभावना है कि तब तक भाजपा कोई ऐसा राजनीतिक/सामाजिक तूफान खड़ा कर सकती है, जिसमें यह मन्दिर चढ़ावा चोरी ओझल ही हो जाए।

हिन्दू धर्म में दान की परम्परा बहुत उदारमना है। यहां तो 'त्वदीयं वस्तु गोविन्द तुभ्यमेव समर्पये' कहकर भगवान को चढ़ावा अर्पित किया जाता है। तात्पर्य यह है कि एक आस्थावान हिन्दू दान करने के बाद उसे भूल जाता है और फिर आगे उसका हिसाब नहीं रखता।

खबर संक्षेप

कथा में पार्थिव शिवलिंग पूजन का महत्व समझाया

औबेदुल्लागंज। अर्जुन नगर के वार्ड 12 पीपल चौक पर चल रही महाशिवपुराण भागवत कथा में 5वें दिन कथा वाचक अरुण भावसार ने कलयुग में भगवान भोलेनाथ के पार्थिव शिवलिंग की पूजन का महत्व समझाया। उन्होंने कई प्रसंगों में भगवान श्रीराम के जन्म के बारे में भी बताया और कहा कि माता-पिता ही आपके भगवान है, उनकी सच्ची सेवा करना ही मानव धर्म है। इस दौरान कैलाश मालवीय, आदित्य भावसार, मोनू मालवीय, बचन सिंह लोधी, शुभम शर्मा, मनीष, धन्नु चौरसिया, रामचरण साहू सहित क्षेत्र की महिला शक्ति मंडल महावीर कॉलोनी, श्रीराम महिला मंडल शक्ति उपस्थिति रहीं।

कृषि उपज मंडी मार्ग पर किया पौधरोपण

औबेदुल्लागंज। नगर में पिछले दस सालों से सामाजिक कार्यकर्ता दीपक नागर द्वारा पौधरोपण कराया जाता है, जिसमें नगर के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। शनिवार को कृषि उपज मंडी मार्ग पर महावीर कॉलोनी के सपन श्रीवास्तव, वार्ड-14 के मनीष साहू व उनकी टीम के सदस्य अनम ओड़, विनोद गायक, अशोक केवट, अभिषेक जायसवाल, अमन लोधी, जीतू रायकवार ने करंज व चांदनी के फूलों के पौधे रोपे। इस दौरान राकेश दुबे, पूर्व पार्षद विजेंद्र गुर्जर, कृषि उपज मंडी के सचिव कैलाश चंद्र बामानिया, वरिष्ठ व्यापारी सुदाम तिवारी ने भी पौधरोपण किया। रविवार सुबह आठ बजे हिरानिया के टिगारिया मार्ग स्थित मुक्तिधाम पर पौधरोपण किया जाएगा।

कॉलेज में बीजारोपण अभियान का शुभारंभ

औबेदुल्लागंज। जन अभियान परिषद जिला रायसेन द्वारा वीर सावरकर महाविद्यालय में एमएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू पाठयक्रम के स्टूडेंट के साथ नगर विकास प्रस्फुटन समिति महावीर कॉलोनी के अध्यक्ष भूपेन्द्र नागर कारीतलाई द्वारा बीजारोपण अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान परिषद के स्थापना दिवस पर समुदाय के कल्याण को लेकर शपथ दिलाई गई। इस दौरान नीम, जामून, अमलतास, एवं अन्य औषधी पौधों के बीज रोपण किया गया। इस अवसर पर ब्लाक समन्वयक निशा बहेकार, मेंटर प्रेमनारायण सोनी, रीना पंवार, भवानी पवार, सिद्धार्थ चौहान एवं स्टूडेंट मौजूद थे।

राजेंद्र गुड्डू साहू की नाती को पटवा ने दी बधाई

औबेदुल्लागंज। वार्ड 9 के पार्षद व वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र गुड्डू साहू नाती एकांश साहू को जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। एकांश साहू को बधाई देने विधायक सुरेंद्र पटवा भी समरोह में पहुंचे और नाती को बधाई दी। इस अवसर पर परिवार के अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

शुभांक

कल्याण:	1736		
दिन:	347	49	117
रात:	58	40	299
तारा:			
दिन:	136	00	550
रात:	670	31	489

पुलिस ने शिकायत आवेदन लेकर युवक को चलता किया, दूसरे दिन खाते से निकाले लुटेरों ने 3033 रुपए

मोपेड सवार बदमाशों ने युवक का मोबाइल झपटा, दो महीने बाद सीएम हेल्पलाइन की शिकायत का समाधान कराने पुलिस ने की एफआईआर

16 अप्रैल की रात करीब साढ़े 11 बजे दोस्त के घर से अपने घर लौट रहे थे

पीड़ित निजी कंपनी में आरएसओ के पद पर करते हैं नौकरी

सागर लैंडमार्क आयोध्या बायपास के सामने मुख्य सड़क पर ऑटो का इंतजार कर रहे थे तभी बदमाशों ने की वारदात

अंधेरा होने के कारण मोपेड का नंबर नहीं देख सका था युवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

छोला मंदिर थाना क्षेत्र स्थित अशोक लैंडमार्क के पास मोपेड सवार बदमाशों ने निजी कंपनी में नौकरी करने वाले युवक का मोबाइल झपट लिया। घटना गत 16 अप्रैल की रात करीब साढ़े 11 बजे की है। घटना की शिकायत 17 अप्रैल को युवक ने छोला मंदिर पहुंचकर की थी। पुलिस ने शिकायती आवेदन लेकर युवक को चलता कर दिया। लुटेरों ने मोबाइल से 3033 रुपए का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कर लिया।

इधर, शिकायत नहीं होने से दुखी और ऑनलाइन ट्रांजेक्शन होने के कारण युवक को मजबूरन अपने खाते से बाकि की रकम निकालनी पड़ी। हद तो उस समय हो गई कि जब खाते में महज 37 रुपए बचे थे। इसके बाद भी लुटेरों ने 32 रुपए का रिचार्ज करवा लिया। थाने का चक्कर काटकर थक चुके युवक ने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की थी। दो महीने बाद सीएम हेल्पलाइन की शिकायत का समाधान कराने पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली। पुलिस के अनुसार पुष्पेन्द्र सिंह सोनगिरा (31) जैन मंदिर के पास राजवंश कॉलोनी, मेमोरियल के सामने थाना निशातपुरा में रहते हैं और एचएमडी नौकिया मोबाइल कंपनी में आरएसओ के पद पर नौकरी करते हैं। गत 16 अप्रैल की रात करीब साढ़े 11 बजे वह अपने दोस्त मुकेश राजवानी के घर सागर लैंडमार्क अयोध्या बायपास रोड से अपने घर राजवंश कॉलोनी जाने के लिए सागर लैंडमार्क आयोध्या बायपास के सामने मुख्य सड़क पर ऑटो का इंतजार कर रहे थे।

हाथ से झपटा था मोबाइल

इसी बीच पीछे से एक मोपेड पर अज्ञात व्यक्ति आया और उनके हाथ से ओप्पो कंपनी का मोबाइल झपटकर फरार हो गया। अंधेरा होने के कारण मोपेड का नंबर वह नहीं देख सके। वह तेजी से मोपेड चलाकर फरार हो गया। रात अधिक होने के कारण अगले ही दिन 17 अप्रैल की सुबह वह छोला मंदिर थाने पहुंचे। इस दौरान पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस ने उन्हें शिकायत आवेदन देने का कहा।

सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद दर्ज की एफआईआर

शिकायती आवेदन लेने के बाद पुष्पेंद्र को थाने से चलता कर दिया। इसके बाद वह तीन चार बार थाने गए, लेकिन कोई न कोई बहाना बनाकर उन्हें थाने से चलता कर दिया। उन्होंने पुलिस को शिकायत करते हुए यह भी बताया था कि उनके अकाउंट से 3033 रुपए का ट्रांजेक्शन हुआ है, लेकिन पुलिस ने शिकायत दर्ज नहीं की। मजबूरन पुष्पेंद्र को सीएम हेल्प लाइन पर शिकायत करनी पड़ी। दो महीने बाद सीएम हेल्पलाइन की शिकायत का समाधान कराने पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली।

कारोबारी को कार में बंधक बनाकर आरोपियों ने जमकर की मारपीट

खाना खाने के लिए ढाबे पर बुलाया, पांच लाख रुपए की अड़ीबाजी कर दोस्तों ने ही लूटी कार

मना करने पर मारपीट कर छीनी कार की चाबी, घर के पास छोड़कर कार ले भागे बदमाश

पुलिस ने कार्रवाई कर एक आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

कोहेफिजा थाना क्षेत्र में दुबई से लौटे कारोबारी से चार अड़ीबाज दोस्तों ने उसकी टाटा टियागो कार छीन ली। आरोपियों ने उसे ढाबा पर खाना खाने के लिए बुलाया था। इसके बाद पांच लाख रुपए की अड़ीबाजी की। इंकार करने पर कारोबारी को कार में ही बंधक बनाकर आरोपियों ने जमकर मारपीट की और उन्हें घर के पास छोड़कर उनकी कार ले भागे। पुलिस का कहना है कि सभी आरोपी रिकार्डेड बदमाश हैं और मुख्य आरोपी उसका दोस्त है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस के अनुसार पंचवटी कॉलोनी एयरपोर्ट रोड निवासी सौरभ सितलानी (27) प्राइवेट काम करता है। दो-तीन माह से काम के सिलसिले में उसका दुबई आना-जाना है। करीब 8 दिन पहले ही वह दुबई से लौटा है। गुरुवार देर रात सौरभ के दोस्त बाबर उर्फ मंडी ने इंस्टाग्राम कॉल कर कहा कि चलो, खाना खाकर आते हैं। इसके बाद सौरभ अपनी टाटा टियागो कार लेकर दाता कॉलोनी के पास पहुंचा। वहां बाबर उर्फ मंडी अपने साथी मोईन के साथ मिला। तीनों कार में सवार होकर परवलिया सड़क स्थित एक ढाबे पर खाना खाने पहुंचे। वहां से रात करीब 3 बजे खाना खाकर लौटे। सौरभ ने दाता कॉलोनी के पास कार रोकी ताकि बाबर और मोईन उतर सकें। तब बाबर ने कहा कि मनुआभान टेकरी के पास उसके दोस्त आदित्य शर्मा और बुशरान हैं, वहां छोड़ दो। इसके बाद तीनों मनुआभान टेकरी के पास पहुंचे। वहां पहुंचने पर वहां आदित्य और बुशरान मिले। मनुआभान टेकरी पहुंचते ही बाबर और उसके साथियों का रवैया बदल गया। चारों दोस्त सौरभ सितलानी से पांच लाख रुपए की मांग कर अड़ीबाजी करने लगे। विरोध करने और पैसे देने से इंकार करने पर चारों ने सौरभ से मारपीट की और उससे कार की चाबी छीन कर गाड़ी ले ली। शुक्रवार तड़के बाबर और उसके साथियों ने सौरभ को पंचवटी कॉलोनी के पास छोड़ा और कार लेकर फरार हो गए। शुक्रवार रात सौरभ कोहेफिजा थाने पहुंचा और बाबर उर्फ मंडी, मोईन खान, आदित्य शर्मा व बुशरान के खिलाफ बंधक बनाने और लूट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज करा दिया। पुलिस ने आरोपी बुशरान उर्फ नासिर (35) निवासी कृष्णा कॉलोनी गौतम नगर को गिरफ्तार कर लिया है।

तीन लाख देकर कार ले जाना

पुलिस ने बताया कि सौरभ सितलानी पूर्व में क्रिकेट सटोरिया रहा है। कुछ माह से वह प्राइवेट काम करने लगा है। काम के सिलसिले में उसका दुबई आना-जाना होता है। आरोपी बाबर और उसके साथी उस पर अड़ी डालते हुए कह रहे थे कि आज कल तेरा दुबई आना-जाना बहुत है। इसका मतलब तेरे पास पैसा भी बहुत होगा। आरोपी 5 लाख रुपए की मांग कर रहे थे। जब फरियादी ने इंकार किया तो कार में ही बंधक बनाकर मारपीट और कार छीनकर ले गए। आरोपी बाबर उर्फ मंडी ने उससे कहा कि कार चाहिए तो 3 लाख रुपए लेकर आ जाना। पुलिस ने आरोपी बुशरान को हिरासत में ले लिया है, जबकि तीन अन्य आरोपियों व कार की सरगर्मी से तलाश की जा रही है। आरोपी बाबर उर्फ मंडी के खिलाफ पहले से कई अपराध दर्ज हैं।

नाले में डूब रहे बुजुर्ग को पुलिस ने बाहर निकाला, अस्पताल में मौत

भोपाल। हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित पुट्ठा मिल अग्रवाल तिराहा के पास गत 28 जून की रात नाले की दलदल व तेज बहाव में फंसे बुजुर्ग को पुलिस की टीम ने सकुशल बाहर निकाला था। बुजुर्ग को सीपीआर दी गई और उसकी सांस चलने लगी। लिहाजा तत्काल बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन पांच दिन चले इलाज के बाद बुजुर्ग की हमीदिया अस्पताल में मौत हो गई। डॉक्टर का कहना है कि नाले का गंदा पानी मुंह से अंदर जाने के कारण बुजुर्ग को संक्रमण हो गया था। संभवतः संक्रमण के कारण ही बुजुर्ग की जान गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए मर्चूरी में सुरक्षित रखवा दिया है। बुजुर्ग की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस के अनुसार गत 28 जून को तेज बारिश हुई थी। हनुमानगंज की चार्ली 2/1 में तैनात आरक्षक मोहित शिवहरे और आरक्षक राजेन्द्र रघुवंशी रात करीब 12 बजे छोला रोड पर गश्त कर रहे थे। इसी वजह से पुट्ठा मिल अग्रवाल तिराहा के पास छोला रोड पर नाले में पानी का बहाव तेज हो गया था। बीट भ्रमण के दौरान चार्ली पर तैनात पुलिसकर्मियों को नाले से बचाओ-बचाओ की आवाज सुनाई दी। मौके पर जाकर देखने पर करीब 60 साल का एक बुजुर्ग नाले में पीली मिट्टी की दलदल में धंसा दिखाई दिया। वह सिर में चोट लगने के कारण नाले में गिर गए थे। नाले के पानी का तेज बहाव बुजुर्ग को आगे बने संकीर्ण पुल की ओर बहाकर ले जा रहा था। आरक्षक मोहित शिवहरे ने नाले में उतरकर दलदल में फंसे बुजुर्ग को बचाने का प्रयास किया। दलदल की गहराई इतनी अधिक थी कि उनका आधा शरीर उसमें धंस चुका था। बावजूद इसके आरक्षक मोहित ने मौके पर पहुंचकर बुजुर्ग को संभाले रखा। इस बीच साथी आरक्षक राजेन्द्र रघुवंशी ने रात्रि अधिकारी एसआई रामसजीवन और एफआरवी में तैनात प्रधान आरक्षक के संयुक्त प्रयास से काफी मशक्कत के बाद बुजुर्ग को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद बुजुर्ग को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान शुक्रवार को बुजुर्ग की मौत हो गई।

सड़क पर भरा बारिश का पानी आने-जाने वाले लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

वार्ड 8 में मंगल बाजार खेल मैदान के पास सड़क में बारिश का पानी इक्कठा होने से लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नाली न होने के कारण पानी नहीं निकल पा रहा है, जिससे लोगों को कीचड़ एवं गंदे पानी से ही गुजरना पड़ रहा है।

वहीं स्कूली बच्चों व राहगीरों के कपड़े भी गंदे हो रहे हैं। वहीं वाहन चालक भी परेशान हैं। रहवासियों द्वारा कई बार पार्षद को सूचना देकर समस्या के निराकरण की मांग की, लेकिन समाधान नहीं हुआ।

बच्ची ने काउंसलिंग के दौरान बताया

मून बहादुर ने की थी नौ साल की मासूम के साथ अश्लील हरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

अशोका गार्डन थाना क्षेत्र से 9 साल की बच्ची का अपहरण करने वाले 45 साल के आरोपी मून बहादुर पर एक और दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया है। 9 साल की बच्ची ने काउंसलिंग में बताया कि उसके साथ मूनबहादुर ने गंदी हरकत की थी।

काउंसलिंग में यह बात सामने आई कि उसके प्राइवेट पार्ट से आरोपी ने छेड़छाड़ की थी। लिहाजा उसके खिलाफ दुष्कर्म और पाक्सो एक्ट की धाराओं में एक और एफआईआर अशोका गार्डन पुलिस ने की है। उल्लेखनीय है कि अशोका गार्डन सेमरा में रहने वाले आरोपी मून बहादुर पर पहले से ही यौन शोषण के चार मामले दर्ज है। वह फरवरी महीने में ही जेल से छूटकर आया था।

मानसिक बीमार होने के कारण उसने दौबारा हरकत की और 9 साल की बच्ची का अपहरण कर लिया और सुनसान जगह ले जाने की फिराक में था। बच्ची के रोने की आवाज सुनकर कुछ लोगों ने आरोपी को देख लिया। आरोपी बच्ची को छोड़ कर भाग निकला।

ग्लोबल स्कूल में स्टूडेंड इलेक्शन उत्साह पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग कर नेतृत्व, जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लगंज

ग्लोबल स्कूल में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए स्टूडेंड इलेक्शन उत्साह, अनुशासन एवं पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न हुआ। इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग करते हुए नेतृत्व, जिम्मेदारी एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। मतदान एवं मतगणना की समस्त प्रक्रिया निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई।

छात्र मंत्रिमंडल चुनाव विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। विद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। ग्लोबल स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में शिक्षा केवल शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि संस्कार, अनुशासन, नेतृत्व, सेवा, सहयोग, सत्यनिष्ठा एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे जीवन मूल्यों के विकास पर विशेष बल दिया जाता है। छात्र मंत्रिमंडल चुनाव इसी सोच का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों को व्यवहार में अपनाने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करता है।

दुकान आवंटन में निष्पक्ष और पारदर्शिता की मांग

औबेदुल्लागंज। नगर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद प्रभावित दुकानदारों के बीच दुकान आवंटन को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। दुकानदारों का कहना है कि जिन लोगों की दुकानें तोड़ी गई हैं, प्राथमिकता के आधार पर उन्हीं को नई दुकानें आवंटित की जाएं।

आवंटन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हो तथा दुकानें नीलामी या लॉटरी प्रणाली के माध्यम से आवंटित की जाएं। इस संबंध में भाजपा नेताओं वचन लोधी, आरती यादव, धर्मेंद्र चौरसिया, पदम चौहान और माखन सेन ने आरोप लगाया कि दुकान आवंटन को लेकर गुप्त रूप से अवैध तरीके से दुकानदारों से चंदा वसूला जा रहा है। उनका दावा है कि अधिक चंदा देने वालों को पहले दुकान आवंटित करने की बात कही जा रही है। नगर परिषद के आठ पार्षदों तथा प्रतिपक्ष नेता राजेश खटीक ने भी दुकान आवंटन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है।

स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

स्वामी विवेकानंद केवल एक संत नहीं युवा चेतना के अमर प्रेरणास्रोत हैं: पाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

नगर में शनिवार को पटेल नगर स्थित सीएल आर्य हाई सेकंडरी स्कूल परिसर में स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के अवसर पर राष्ट्रभक्ति, सेवा और युवा जागरण के संदेशों से गुंजायमान हो उठा। सेवा समिति, मध्य भारत तत्वावधान में आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

सेवा समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह पाल ने कहा कि स्वामी विवेकानंद केवल एक संत नहीं, युवा चेतना के अमर प्रेरणास्त्रोत हैं। स्वामी विवेकानंद ने भारत की आध्यात्मिक शक्ति और सांस्कृतिक गौरव को पूरी दुनिया के सामने स्थापित किया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि सेवा, आत्मविश्वास और राष्ट्रभक्ति के मार्ग पर चलकर ही एक सशक्त भारत का निर्माण किया जा सकता है।

स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते समिति के लोग।

आज आवश्यकता है कि युवा नशामुक्त, संस्कारित और समाजहित में कार्य करने वाले नागरिक बनें। सीएल आर्य हाई सेकंडरी स्कूल के संचालक शिवप्रसाद जायसवाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि चरित्रवान, अनुशासित बनना है।

भोपाल में 10 से 12 जुलाई तक आयोजित की जाएगी स्पर्धा

भोपाल सहित 26 सेंटरों पर होगा सिंधी मेला समिति का कुकिंग कॉम्पीटिशन, बड़ी संख्या में भाग लेंगी महिलाएं

फास्ट फूड के दौर में सिंधी सभ्यता के खान-पान की विरासत को संजोकर रख है मुख्य उद्देश्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶ संतनगर

सिंधी व्यंजन की परंपरा को बरकरार रखने के उद्देश्य से भोपाल की सिंधी मेला समिति द्वारा शुक्रवार 10 से 12 जुलाई रविवार तक राजधानी भोपाल के 26 से अधिक सेंटरों पर एक साथ कुकिंग कॉम्पिटिशन का आयोजन किया जा रहा है। उसके वाद 15 जुलाई को मंडीदीप, 16 जुलाई नर्मदापुरम, 17 जुलाई को हरदा, 18 जुलाई गंजबसोदा, इटारसी, विदिशा, औबेदुल्लागंज एवं 19 जुलाई आष्टा व सुल्तानपुर में कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिता में हजारों की संख्या में सिंधी समाज की महिलाएं एवं युवतियों प्रमुखता से हिस्सा लेंगी। समिति के अध्यक्ष मनीष दरयानी एवं महासचिव नरेश तलरेजा ने बताया कि फास्ट फूड के दौर में अपनी सिंधी सभ्यता के ख़ान पान की विरासत को संजोकर रखने के उद्देश्य से सिंधी मेला समिति द्वारा इस वर्ष भी सिंधी कुकिंग कॉम्पीटिशन का आयोजन किया जा रहा है।

पिछले 17 वर्षों से लगातार हो रहा आयोजन

दरयानी ने बताया कि समिति पिछले 17 वर्षों से इस आयोजन को करती आ रही है। इस वर्ष यह आयोजन सफलतापूर्व अपने 18वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इसके अलावा इस वर्ष यह आयोजन को भोपाल सहित अन्य संभागों के 26 सेंटरों पर आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष इस कुकिंग कॉप्टिशन कार्यक्रम की संयोजिका मीना भागचंदानी, सह- संयोजिका दिव्या दरयानी एवं सह संयोजक मनोहर लालवानी को नियुक्त किया है। इसके साथ ही इस आयोजन में सीमा सबनानी एवं माया पंजवानी विशेष सहयोगी के रूप में अपनी सहभागिता प्रदान करेंगी।

अधिकारियों को समय सीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के दिए निर्देश

सांदीपनि विद्यालय में नए भवन का विधायक पटवा ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

सांदीपनि विद्यालय में 38 करोड़ 45 लाख की लागत से निर्मित नए भवन का विधायक सुरेंद्र पटवा ने शनिवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को समय सीमा के अंदर गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के लिए निर्देशित किया। 58 आधुनिक एवं सुसज्जित कक्षाओं से युक्त यह भव्य शिक्षण संस्थान वर्तमान में लगभग 2,500 विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। आने वाले समय में यह विद्यालय 5,000 से 7,000 विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगा। यह केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सपनों को साकार करने वाला ज्ञान का भव्य मंदिर है। इस अवसर पर पटवा ने कहा कि शिक्षित युवा ही विकसित समाज और सशक्त राष्ट्र की पूंजी हैं। इस अवसर पर एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव, नगर परिषद सीएमओ किरण रहंगडाले, तहसीलदार नीलेश सरवटे, संदीपनी विद्यालय की प्राचार्य, मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, नरेंद्र शर्मा, दीपू परमार, माधव यादव, गजेंद्र नागर, नरेश सेठी, जीतू नंदवंशी, बागिश अग्रवाल, कोमल चौहान, लोकेश परमार आदि लोग मौजूद रहे।

सांदीपनि विद्यालय में नए भवन निर्माण कार्य का अवलोकन करते विधायक पटवा।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने एक्स पर दी जानकारी, राष्ट्रपति ने स्वीकृति दी

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से 13 अगस्त तक चलेगा, राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सार्थक बहस, चर्चा और कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 20 जुलाई से 13 अगस्त तक संसद के दोनों सदनों की बैठक बुलाने को मंजूरी दे दी है। परंपरानुसार सत्र राष्ट्रपति के अभिभाषण के साथ शुरू होगा। दोनों सदनों में अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा भी कराई जाएगी। करीब 3सप्ताह के इस मानसून सत्र में सरकार कई अहम विधेयकों को पारित कराने का प्रयास करेगी।

बजट सत्र में 152 घंटे कामकाज हुआ था

इससे पहले संसद का बजट सत्र विगत 18 अप्रैल को समाप्त हुआ था। 28 जनवरीको शुरू हुए संसद के बजट सत्र में कई अहम विधेयक पारित कराए गए थे। स्पीकर ओम बिरला के मुताबिक सत्र के दौरान 31 बैठकें हुईं। लगभग 151 घंटे 42 मिनट तक चली कार्यवाही के दौरान कई अहम विधेयकों पर चर्चा कराई गई थी।

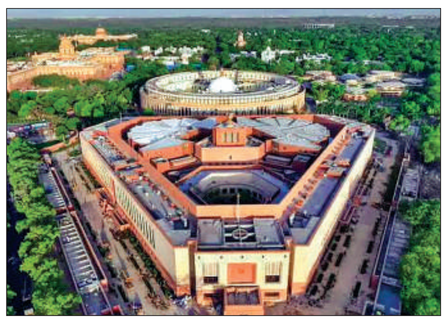

किन मुद्दों पर हंगामा कर सकता है विपक्ष?

बीते दिनों मेडिकल की पढ़ाई से जुड़ी प्रतियोगी परीक्षा- नीट के पेपर लीक, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग, उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का चढ़ावा चोरी विवाद जैसे कई मामले लगातार सुर्खियों में है। ऐसे में हंगामा होने की आशंका है। इसके अलावा तृणमूल के दो फाड़ होने का मुद्दा भी चर्चा में है। नजरें स्पीकर ओम बिरला के फैसले पर टिकी हैं। कांग्रेस अंडमान की ग्रेट निकोबार परियोजना पर भी लगातार हमलावर है। ऐसे में हंगामे और नारेबाजी से सत्र की कार्यवाही बाधित हो सकती है।

12 सरकारी विधेयक पुर:स्थापित किए गए 9 विधेयक पारित

बिरला ने बताया था कि सत्र के दौरान 12 सरकारी विधेयक पुर:स्थापित किए गए और 09 विधेयक पारित किए गए। 131वें संविधान संशोधन विधेयक, 2026, संघ राज्यक्षेत्र विधि (संशोधन) विधेयक, 2026 और परिसीमन विधेयक, 2026 पर 21 घंटे 27 मिनट तक चर्चा हुई। 131 सदस्यों ने भाग लिया था। कार्य-उत्पादकता लगभग 93 प्रतिशत रही थी।

संसद में राष्ट्रीय पुरुष आयोग बिल

मित्तल बोले- न्याय सब के लिए समान होना चाहिए

राज्यसभा सांसद अशोक कुमार मित्तल ने कहा है कि पुणे के केतन अग्रवाल का केस बहुत ही ज्यादा चिंताजनक है। उनका कहना है कि केतन और उसके परिवार वालों को निष्पक्ष जांच और न्याय दिलाए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वे पिछले साल संसद में राष्ट्रीय पुरुष आयोग बिल भी पेश कर चुके हैं।

बजट सत्र में ये बिल पारित हुए

- औद्योगिक संबंध संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026
- उभयलिंगी व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2026
- वित्त विधेयक, 2026
- दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) विधेयक, 2026
- आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2026
- जन विश्वास (उपबंधों का संशोधन) विधेयक, 2026
- केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026
- 93 प्रतिशत उत्पादकता, चर्चा में कई सदस्यों ने भाग लिया।

खबर संक्षेप

निर्वासन के लिए 50 बांग्लादेशी बंगाल पहुंचे

सलेम। तमिलनाडु से 50 बांग्लादेशी नागरिकों के समूह को ट्रेन से बंगाल भेजा गया ताकि उन्हें उनके देश वापस भेजा जा सके। पुलिस ने जानकारी दी। वापस भेजे जा रहे इन लोगों में 44 पुरुष और छह महिलाएं शामिल हैं। इन्हें पहले सलेम जिले के अत्तूर तालुक कार्यालय परिसर में बने विशेष निरुद्ध शिविर में रखा गया था।

शिंदे को वायरल बुखार अस्पताल में भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को वायरल बुखार और सर्दी की शिकायत के बाद ठाणे के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुक्रवार को अस्पताल में भर्ती कराए गए उपमुख्यमंत्री को चिकित्सकों ने आराम करने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि उम्मीद है कि शिंदे को जल्द अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

करनाल में कृषि-रसायन कारखाने में भीषण आग

चंडीगढ़। हरियाणा के करनाल में शनिवार को एक कृषि-रसायन कारखाने में भीषण आग लग गई। सदर थाना प्रभारी तरसेम ने बताया कि नगला चौक के पास स्थित कारखाने के गोदाम में आग लगने के समय कोई मौजूद नहीं था। पुलिस के मुताबिक आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया।

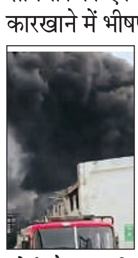

चंडीगढ़ में निर्माणाधीन इमारत गिरी, कई दबे

चंडीगढ़। रामदरबार फेज-2 में शनिवार को एक निर्माणाधीन इमारत भरभराकर गिर गई। भवन में मजदूर निर्माण कार्य कर रहे थे। 7 मजदूर मलबे में दब गए। 5को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जबकि 2 मजदूर अब भी मलबे में फंसे हुए हैं। हादसा रामदरबार फेज-2 स्थित प्लॉट नंबर 28/9 में हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने जोधपुर एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का किया उद्घाटन

हम लोगों की सुविधाओं में कर रहे इजाफा युद्धकाल में विपक्ष ने नागरिकों को 'डराया'

प्रधानमंत्री ने पौधरोपण भी किया

एजेंसी ▶▶ जोधपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को राजस्थान के जोधपुर में एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने संशोधित 'उड़ान' योजना भी लॉन्च की, जिसका उद्देश्य देश में विमानन कनेक्टिविटी का विस्तार और विमानन-आधारित विकास को गति देना है। प्रधानमंत्री ने नए टर्मिनल भवन का निरीक्षण किया। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राममोहन नायडू और केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने उन्हें टर्मिनल की विभिन्न विशेषताओं की जानकारी दी। इसके बाद प्रधानमंत्री ने नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया। यह परियोजना 480 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की गई है। 23,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला यह नया टर्मिनल भवन हर साल 20 लाख यात्रियों को संभालने में सक्षम है। इसमें आधुनिक यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे यात्रियों को अधिक सुगम और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। इस दौरान मोदी ने कहा कि युद्ध के दौरान कई अफवाहें फैलाई गईं। देशवासियों को डराया गया।

संशोधित 'उड़ान' योजना लॉन्च की विपक्ष पर बोला हमला

480 करोड़ की लागत से तैयार हुआ

23,000 वर्ग मीटर में फैला

20 लाख यात्रियों को हर साल संभालने में सक्षम

उड़ान योजना की शुरुआत करते प्रधानमंत्री मोदी

राजस्थान की विरासत और हरित

राजस्थान की शाही विरासत से प्रेरित इस टर्मिनल की वास्तुकला में मेहराब और झरोखों जैसे पारंपरिक तत्वों को आधुनिक डिजाइन के साथ समाहित किया गया है। ऊर्जा-कुशल प्रणालियां, जल संरक्षण उपाय और हरित भवन निर्माण पद्धतियां इसकी प्रमुख विशेषताएं हैं।

योजना के लिए 28,840 करोड़ रुपए का प्रावधान

पीएम मोदी ने संशोधित 'उड़ान' योजना भी लॉन्च की। योजना के तहत 28,840 करोड़ का आवंटन किया गया है। इसका उद्देश्य विमानन-आधारित विकास को गति देना है।

100 नए हवाई अड्डे और 200 हेलिपैड विकसित होंगे

अप्रयुक्त हवाई पट्टियों का उपयोग करते हुए 100 हवाई अड्डों के विकास पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके लिए 12,000 करोड़ का बजट निर्धारित किया गया है।

पचपदरा रिफाइनरी का लोकार्पण किया

गिनाईं ये उपलब्धियां, विकास में बड़ा कदम बताया

प्रधानमंत्री ने जोधपुर में नए एयरपोर्ट टर्मिनल और करीब 79,459 करोड़ की लागत से विकसित पचपदरा रिफाइनरी का लोकार्पण किया। रिफाइनरी से जुड़े पेट्रोकेमिकल जोन के विकास की दिशा में यह बड़ा कदम माना जा रहा है। इस रिफाइनरी से निकलने वाले उप-उत्पादों पर आधारित प्लास्टिक उद्योग स्थापित किए जाएंगे। 'उड़ान' से मारवाड़ की समृद्ध विरासत और आधुनिक बुनियादी ढांचे के इस अनूठे संगम में देश-विदेश से आने वाले यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी।

पचपदरा रिफाइनरी की खास बातें

पचपदरा रिफाइनरी देश की सबसे बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं में शामिल है। इसके निर्माण के लिए 1.5 करोड़ घन मीटर मिट्टी की खुदाई की गई।

राजस्थान की धरती के कण-कण ने हमें स्वाभिमान की सीख दी

पीएम मोदी ने कहा कि राजस्थान की धरती के कण-कण ने हमें स्वाभिमान की सीख दी है। यह रिफाइनरी यहां हजारों लोगों के लिए रोजगार का माध्यम बनेगी। भाजपा की सरकारें केवल परियोजनाओं का शिलान्यास करके उन्हें अधूरा नहीं छोड़तीं।

छोटे-छोटे क्षेत्रों को भी हवाई सेवाओं से जोड़ा जाएगा

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह टर्मिनल मारवाड़ के विकास को नई गति देगा। इसके तहत दूर-दराज के छोटे-छोटे क्षेत्रों को भी हवाई सेवाओं से जोड़ा जाएगा। राजस्थान के 54 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र भी दिए गए।

युद्ध के बीच घरेलू गैस की कीमतें रहीं अप्रभावित

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस युद्ध ने 21वीं सदी के सबसे बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया। सरकार ने प्रभावी प्रबंधन के जरिए इसकी कीमत करीब 950 रुपए के आसपास बनाए रखी।

हमने किसानों को 300 रुपए में दी यूरिया

पीएम मोदी ने कहा कि यूक्रेन युद्ध के कारण खाद का गंभीर संकट पैदा हो गया था। एक बोरी यूरिया की कीमत 3,000 रुपए से भी ऊपर पहुंच गई थी। हमने किसानों को यूरिया मात्र 300 रुपए में उपलब्ध कराया, सब्सिडी भी दी।

दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई

पीएम मोदी ने कहा कि युद्ध के इसी समय में भारत की दूसरे देशों के साथ दोस्ती बहुत काम आई। पहले भारत 25-26 देशों से ईंधन का आयात करता था, लेकिन संकट के समय भारत की रणनीति का जलवा दिख गया।

पहली बार लखनऊ पहुंचे नबीन

रोड शो में बरसे फूल... प्रदेश मुख्यालय में की अहम बैठक

मुख्यमंत्री योगी ने किया नबीन का स्वागत

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ लखनऊ

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद नितिन नबीन शनिवार को पहली बार लखनऊ पहुंचे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पुष्पगुच्छ देकर व भगवा अंगवस्त्र पहनाकर एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। योगी ने प्रदेश सरकार के मंत्रियों व कार्यकर्ताओं का परिचय भी कराया। योगी ने 'एक्स' पर लिखा कि प्रभु श्रीराम एवं लीलाधारी भगवान श्रीकृष्ण के चरणरज से पावन हुई संस्कृति, संस्कार और सृजन की साधना स्थली उत्तर प्रदेश में नबीन का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।

फिर से कमल खिलेगा

नबीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव में फिर से कमल खिलेगा और पार्टी कार्यकर्ता चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। आज पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा दिखाया गया प्यार और स्नेह संकेत देता है कि 2027 में कमल निश्चित रूप से खिलेगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से 'डबल इंजन' सरकार मोदी-योगी की जोड़ी ने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश में बदल दिया है, कमल निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश में खिलने के लिए तैयार है।

योगी बोले- हार्दिक स्वागत व अभिनंदन

मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर किए गए पोस्ट में लिखा कि प्रभु श्रीराम एवं लीलाधारी भगवान श्रीकृष्ण के चरणरज से पावन हुई संस्कृति, संस्कार और सृजन की साधना स्थली उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन जी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन।

उत्साह बता रहा फिर बनेगी भाजपा सरकार

नबीन ने कहा कि उत्तर प्रदेश की इस धरती को नमन करता हूं। प्रभु श्रीराम की धरती, भोले बाबा की धरती, श्रीकृष्ण की धरती को नमन करता हूं। श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करता हूं। यह उनका कार्यक्षेत्र रहा है। कार्यकर्ताओं का उत्साह है, निश्चित रूप से भाजपा की फिर से सरकार बनेगी। इस कार्ययोजना पर हम काम कर रहे। नबीन का स्वागत करने वालों में प्रदेश अध्यक्ष/केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, केंद्रीय राज्यमंत्री कमलेश पासवान, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना, सूर्य प्रताप शाही, स्वतंत्र देव सिंह, भूपेंद्र चौधरी, एके शर्मा, धर्मपाल सिंह, नंद गोपाल गुप्ता 'नन्दी', संजय निषाद, दारा सिंह , जेपीएस राठौर, राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा, संजय सेठ, ब्रजलाल, महापौर सुषमा खर्कवाल समेत जनप्रतिनिधि शामिल रहे।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन पर खुशखबर

रेलमंत्री ने बताया... 80 फीसदी काम पूरा, अगले साल से सफर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत को अपनी पहली बुलेट ट्रेन की सौगात मिलने वाली है। अगले साल अगस्त तक मुंबई अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर पर पहली ट्रेन शुरू हो जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को ऐलान किया है कि बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का पहला सेक्शन 2027 में तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का निर्माण कार्य 80 फीसदी पूरा हो चुका है।

चरणों में शुरू होगा पूरा बुलेट ट्रेन कॉरिडोर

वैष्णव ने बताया कि प्रोजेक्ट का काम बहुत तेजी से चल रहा है। अगले साल सूरत से बिलिमोरा तक का पहला सेक्शन चालू हो जाएगा, इसके बाद वापी से सूरत वाला सेक्शन शुरू होगा. फिर वापी से अहमदाबाद वाला सेक्शन पूरा किया जाएगा।

बिहार में एक और पुल गिरा

ब्रिज का स्लैब गिरने से कई मजदूर घायल

समस्तीपुर। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट माने जाने वाले ताजपुर-बख्तियारपुर गंगा सेतु के निर्माण कार्य के दौरान शनिवार को बड़ा हादसा हो गया। समस्तीपुर जिले के मोहनपुर प्रखंड अंतर्गत राजपुर-जौनापुर गंगा घाट के पास निर्माणाधीन पुल के पिलर संख्या-58 के समीप अचानक स्लैब टूटकर गिर गया।

ममता को एक और बड़ा झटका

प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा ने पार्टी के सभी पदों से दिया इस्तीफा

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की पूर्व सीएम ममता बेनर्जी को एक और बड़ा झटका लगा है। एक दिन पहले ही ममता के पार्टी ऑफिस पर बागी गुट ने कब्जा कर लिया था और अब टीएमसी की प्रदेश अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा देने का ऐलान कर सभी को चौंका दिया। चंद्रिमा को ममता की करीबी नेता माना जाता है।

3 जून को ही प्रदेश अध्यक्ष बनीं

चंद्रिमा को बंगाल चुनाव में हार के बाद 3 जून को ही सुब्रत बक्शी की जगह अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। ममता ने विधायकों की बगावत के बाद पार्टी की सभी समीतियों को भंग कर दिया था और संगठन में बड़े बदलाव किए थे। चंद्रिमा ने लिखा कि वे सौंपे गए टीएमसी के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रही हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण ने मध्य वर्ग को भारत का वृद्धि इंजन बताया

500 शहर बनेंगे नए आर्थिक केंद्र, गतिविधियां बढ़ेंगी

फ्रांस के प्रमुख आर्थिक मंच 'रेनकॉन्ट्रेस इकनॉमिक्स डी एक्स-एन-प्रोवेंस' में बोलीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को मध्य वर्ग को केवल वृद्धि का लाभार्थी नहीं, भारत का वृद्धि इंजन बताया। उन्होंने कहा कि देश के लगभग 500 शहर आर्थिक गतिविधि के अगले केंद्र के रूप में उभरने के लिए तैयार हैं। सीतारमण फ्रांस के एक प्रमुख आर्थिक मंच 'रेनकॉन्ट्रेस इकनॉमिक्स डी एक्स-एन-प्रोवेंस' में एक पैनल चर्चा में भाग ले रही थीं। उन्होंने बताया कि आज भारत की 31 फीसदी आबादी मध्य वर्ग में आती है। भारत की अर्थव्यवस्था खुलने के बाद से मध्य वर्ग सालाना 6.3 फीसदी की दर से बढ़ रहा है। उनका अनुमान है कि भारत में कुल खर्च का 93 फीसदी मध्य वर्ग या थोड़े संपन्न उपभोक्ताओं के कारण होगा। सीतारमण ने बताया कि यह मध्य वर्ग केवल महानगरों में केंद्रित नहीं है।

कोविड के बावजूद देश की अर्थव्यवस्था बढ़ रही

उन्होंने कहा कि मध्य वर्ग की खपत ही अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रही है। एक ओईसीडी अध्ययन का हवाला देते हुए सीतारमण ने कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए कई कदमों के कारण भारत 2030 से 2035 के बीच मध्य वर्ग की आबादी के मामले में चीन को पीछे छोड़ देगा। कोविड-19 के बाद भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है, जिसका मुख्य कारण मध्य वर्ग द्वारा प्रेरित खपत है।

मध्य वर्ग के लिए सरकार दे रही सहूलियतें

मध्य वर्ग के आकार को बढ़ाने के लिए सरकार ने कई पहल की हैं। इनमें वित्तीय समावेशन, हालिया जीएसटी दर युक्तिकरण और बिना गारंटी ऋण प्रदान करना शामिल है। प्रधानमंत्री आवास योजना भी इन पहलों का हिस्सा है। इन कदमों से मध्य वर्ग को लाभ मिल रहा।

लोग तकनीकी कौशल को उन्नत कर रहे

सीतारमण ने कहा कि लोग आगे रहने के लिए लगातार अपने तकनीकी कौशल को उन्नत कर रहे हैं। जो लोग एआई से नौकरियों के विस्थापन से डरते हैं, उनके लिए सरकार व्यापक सहायता दे रही है। देश भर में एआई-केंद्रित कौशल विकास कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी में जिला स्तर पर एआई कौशल शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

तलाक पर सुप्रीम कोर्ट ने की अहम टिप्पणी

हाईकोर्ट का आदेश बरकरार

पति को निजता का अधिकार, उचित प्रतिबंध भी संभव, दावा खारिज किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश को सही ठहराया है, जिसमें तलाक के मामले में विवाह-बाह्य संबंध के आरोपी पति के 'निजता के अधिकार' के दावे को खारिज कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि पत्नी पति पर लगे विवाह-बाह्य संबंध के आरोप को साबित करने के लिए कॉल डिटेल रिकॉर्ड और होटल बुकिंग से जुड़ी जानकारी जैसे साक्ष्य जुटाने के लिए अदालत की मदद ले सकती है। जस्टिस मनमोहन और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने अलग रह रहे पति की अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उसने दिल्ली हाई कोर्ट के 10 मई, 2023 के आदेश को चुनौती दी थी। अपील खारिज करते हुए पीठ ने कहा कि दोनों पक्षों के वकीलों की दलीलें सुनने के बाद हमें हाई कोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने की कोई आवश्यकता नहीं दिखती।

हाई कोर्ट ने यह कहा था

दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा था कि कानून विवाह-बाह्य संबंध को तलाक का वैध आधार मानता है। ऐसे में किसी विवाहित पुरुष पर यदि विवाह के दौरान किसी अन्य महिला के साथ यौन संबंध का आरोप है, तो केवल 'निजता के अधिकार' का हवाला देकर उसे कानूनी संरक्षण नहीं दिया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भी उल्लेख किया था, जिसमें कहा गया था कि निजता का अधिकार संरक्षित मौलिक अधिकार है, पर यह पूर्ण या असीमित नहीं है।

अमित शाह बोले- हर आतंकी मॉड्यूल को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध मोदी सरकार

23 और व्यक्ति 'आतंकवादी' घोषित इसमें 17 पाकिस्तानी, 6 भारतीय

यूएपीए के तहत केंद्र सरकार का फैसला

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आतंकवाद के खिलाफ मोदी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए 23 और व्यक्तियों को गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत 'आतंकवादी' घोषित किया है। घोषित किए गए 23 आतंकवादियों में 17 पाकिस्तानी और 6 भारतीय नागरिक हैं, जो वर्तमान में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओके) से भारत विरोधी गतिविधियों को संचालित कर रहे हैं।

आतंक के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस'

अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' विजन को आगे बढ़ाते हुए गृह मंत्रालय ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े 23 खूंखार आतंकवादियों को यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया है। ये आतंकवादी भारत विरोधी गतिविधियों, आतंकी हमलों, आतंकवाद को बढ़ावा देने, हथियारों की तस्करी, सीमा पार घुसपैठ, आतंकी संगठनों की मदद, फंड जुटाने और आतंकवादियों की भर्ती जैसी गतिविधियों में शामिल हैं। मोदी सरकार भारत और देशवासियों की सुरक्षा के लिए हर आतंकी मॉड्यूल को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

अब तक 57 व्यक्ति घोषित किए आतंकवादी

केंद्र ने 2019 में यूएपीए में संशोधन के बाद पहली बार व्यक्तियों को भी आतंकवादी घोषित करने का प्रावधान लागू किया था। अब तक अधिनियम की धारा 35 के तहत कुल 57 व्यक्तियों को यूएपीए की चौथी अनुसूची में 'आतंकवादी' के रूप में सूचीबद्ध किया जा चुका।

अलग-अलग संगठनों से जुड़े हैं आतंकी

गृह मंत्रालय द्वारा घोषित 23 आतंकवादियों में अधिकांश का संबंध जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी), जमात-उद-दावा (जेयूडी), हरकत-उल-मुजाहिद्दीन (एचयूएम), पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल), अल-कायदा और आईएसआईएस जैसे आतंकी संगठनों से है। इन पर सीमा पार घुसपैठ, हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी, ड्रोन के जरिए हथियार पहुंचाने, आतंकी फंडिंग, युवाओं की भर्ती, प्रशिक्षण शिविर संचालित करने और भारत में कई बड़े आतंकी हमलों की साजिश रचने या उन्हें अंजाम देने के आरोप हैं।

सूची में जैश-ए-मोहम्मद का शीर्ष कमांडर मसूद शामिल

मसूद कश्मीरी

गृह मंत्रालय ने जिन 23 व्यक्तियों को आतंकवादी घोषित किया है, उनमें मसूद इलियास कश्मीरी, मोहम्मद मुसादिक, मुफ्ती मोहम्मद असगर खान, हाफिज अब्दुल शकूर, अब्दुल्ला जिहादी, फिरदौस अहमद भट, गुलाम फरीद, हारून रशीद गनई, बिलाल अहमद मीर, आबिद कयूम लोन, नजीर अहमद गुज्जर, अब्दुल रऊफ, अशफाक अहमद, हाफिज खालिद वालीद, मौलाना इमदाद उल्लाह मक्की, मौलाना सैफुल्लाह खालिद, मोहम्मद याकूब, मौलाना यूसुफ ताईबी, ओवैस फारूज, कारी याकूब शेख, राणा इफ्तिखार, वसीम नूर जाट और मोहम्मद शहीद फैसल शामिल हैं। मसूद इलियास कश्मीरी पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का एक शीर्ष कमांडर है। वह 22 अप्रैल 2022 को जम्मू के सुंजवान में सुरक्षा बलों पर हुए जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी हमले में शामिल था।

जम्मू-कश्मीर के शोपियां में दिखे आतंकी

सुरक्षा बलों ने इलाके को तुरंत घेरा साजिश की नाकाम, मुठभेड़ जारी

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

दक्षिण कश्मीर के सैदपोरा, शोपियां में शनिवार को उस समय मुठभेड़ शुरू हो गई, जब घेराबंदी तोड़ भागने के प्रयास में आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोली चलाई।

सुरक्षाबलों ने त्वरित जवाबी कार्रवाई की और आतंकियों के इरादे को विफल बना दिया। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और देर रात गए तक दोनों तरफ से रुक-रुक कर गोलीबारी जारी थी। कश्मीर घाटी के किसी भीतरी क्षेत्र में यह इस वर्ष सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच पहली मुठभेड़ है।

दो से तीन आतंकी होने की आशंका

घेराबंदी में लतीफ व जाकिर नामक दो आतंकी फंसे हुए हैं, लेकिन पुलिस व सेना के अधिकारियों ने आतंकियों की संख्या और पहचान की पुष्टि से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि अभियान जारी है और आतंकियों की संख्या दो से तीन तक हो सकती है। उन्होंने बताया कि जिला पुलवामा और जिला शोपियां के एक दूसरे के साथ सटे इलाकों में बीते कुछ दिनों से आतंकी गतिविधियों की सूचनाएं मिल रही थी। इनके आधार पर कुछ इलाकों को चिह्नित करते हुए गत शाम एक तलाशी अभियान चलाया गया।

खबर संक्षेप

डिप्टी पीएम डार का पोता रेपिस्ट निकला, अरेस्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री इशाक डार के पोते रजा डार को दो विदेशी महिलाओं नीदरलैंड और वेनेजुएला से गैंगरेप के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। लाहौर की एक अदालत ने मामले से जुड़े सभी चार आरोपियों को पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जबकि एक अन्य आरोपी अभी तक फरार है। यह मामला 29 जून का है। रजा डार ने चार अन्य लोगों के साथ मिलकर इन दोनों विदेशी महिलाओं का अपहरण कर उन्हें जबरन बंधक बनाकर रखा और फिर उनका गैंगरेप किया।

स्पेन में पकड़ा गया गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों

नई दिल्ली। पंजाब एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स के इनपुट पर गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों स्पेन के मेड्रिड शहर में पकड़ा गया। स्पेन की सुरक्षा एजेंसियों ने गोल्डी ढिल्लों को हिरासत में लिया। गोल्डी एनआईए का वांटेड आरोपी भी है और उसके ऊपर 10 लाख का इनाम है। 5 लाख का इनाम पंजाब पुलिस ने भी उसके ऊपर घोषित किया हुआ है। कनाडा में हुई फायरिंग की कई घटनाओं में गोल्डी ढिल्लों का हाथ था। पंजाब में भी संगठित अपराध की कई घटनाओं में गोल्डी ढिल्लों आरोपी है। पहले वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग का हिस्सा था।

खालिद और इमाम को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश से जुड़े मामले में आरोपी उमर खालिद और शरजील इमाम को अदालत से बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की कड़कड़डूमा कोर्ट ने दोनों की जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए उन्हें राहत देने से इनकार कर दिया। इस फैसले के बाद दोनों आरोपियों को फिलहाल जेल में ही रहना होगा, जबकि मामले की सुनवाई आगे भी जारी रहेगी। दोनो आरोपियों ने कोर्ट में दूसरी बार जमानत अर्जी लगाई थी। उमर खालिद और शरजील इमाम पिछले 6 साल से जेल में हैं।

टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2026 के मौके पर पीयूष गोयल बोले

एफटीए पर कनाडा के साथ वार्ता अच्छी प्रगति पर, पेरू से कई मुद्दों पर मतभेद

पीएम मोदी ने उद्योग को गुणवत्ता के लिए प्रेरित किया

केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद संग संवाद भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए मुक्त व्यापार समझौते का पूरक बनेगा। इसका उद्देश्य समझौते के क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना है। यह एफटीए को लागू करना आसान बनाएगा और उसके लाभों को हासिल करने में मदद करेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत के विभिन्न देशों के साथ व्यापार समझौतों की स्थिति पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने साफ किया कि भारत और पेरू के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) निकट भविष्य में संपन्न होने की संभावना नहीं है। इसका मुख्य कारण कुछ उत्पादों के लिए बाजार पहुंच से जुड़ी गंभीर चिंताएं हैं।

गोयल ने यह भी बताया कि कनाडा के साथ एफटीए वार्ता अच्छी प्रगति पर है। गोयल ने टॉय बिज इंटरनेशनल बी2बी एक्सपो 2026 के मौके पर बातें कही। पीयूष गोयल ने वैश्विक आर्थिक मंदी की चिंताओं पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि भारत मंडपम में 50 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विजिटर्स की मेजबानी हुई है। यह भारत की आर्थिक सफलता की कहानी का साफ संकेत है। यह देश को 'आत्मनिर्भर भारत' बनाने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि है। पीएम नरेंद्र मोदी ने भारतीय उद्योग को लगातार गुणवत्ता, स्केल और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया है। गोयल ने विश्वास जताया कि खिलौना उद्योग का भविष्य बहुत उज्ज्वल है और यह उल्लेखनीय प्रगति के लिए पूरी तरह तैयार है।

देश के खिलौना उद्योग का भविष्य बहुत उज्जवल

भारत अपने घरेलू उद्योगों के हित की रक्षा कर रहा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल फाइल फोटो

पेरू से एफटीए होने में काफी समय लगेगा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने पेरू के साथ मुक्त व्यापार समझौते में देरी का मुख्य कारण बताया। उन्होंने कहा कि भारत के कुछ उत्पादों के लिए बाजार पहुंच को लेकर गंभीर चिंताएं हैं। भारत कई ऐसे उत्पादों के लिए पेरू को बाजार में पहुंच की पेशकश नहीं कर सकता है। दोनों देशों के बीच इन मुद्दों पर अभी भी मतभेद बने हुए हैं। गोयल ने साफ किया कि उन्हें नहीं लगता कि पेरू के साथ एफटीए बहुत जल्द संभव हो पाएगा। यह मुद्दा दोनों पक्षों के लिए एक बड़ी बाधा है। भारत अपने घरेलू उद्योगों के हितों की रक्षा करना चाहता है।

कनाडा संग वार्ता का दूसरा दौर सोमवार से

पीयूष गोयल ने बताया कि कनाडा के साथ प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर वार्ता अच्छी प्रगति कर रही है। वार्ता का अगला महत्वपूर्ण दौर सोमवार को शुरू होने वाला है। भारत सरकार अगले छह महीनों में इस समझौते को संपन्न करने का प्रयास कर रही है। यह दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों को नई गति देगा।

इजराइल से भी चर्चा जारी

इजराइल के साथ प्रस्तावित एफटीए पर भी बातचीत और चर्चाएं जारी हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के कारण इसकी गति थोड़ी धीमी हो गई है। गोयल ने उम्मीद जताई कि शांति प्रक्रिया समाप्त होने के बाद वार्ता को तेज किया जा सकेगा। भारत दोनों देशों के साथ व्यापार संबंधों को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जल्द जाएंगे ब्रुसेल्स

मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि वह विदेश मंत्री सुब्रह्मण्यम जयशंकर और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ ब्रुसेल्स जाएंगे। वे यूरोपीय आयोग के साथ भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) संवाद में भाग लेंगे। गोयल ने कहा कि यह संवाद भारत द्वारा अंतिम रूप दिए गए मुक्त व्यापार समझौते का पूरक बनेगा। इसका उद्देश्य समझौते के क्रियान्वयन में आने वाली कठिनाइयों को दूर करना है। यह एफटीए को लागू करना आसान बनाएगा और उसके लाभों को हासिल करने में मदद करेगा। यह बैठक भारत और यूरोपीय संघ के बीच व्यापार और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह भविष्य के व्यापारिक संबंधों की नींव रखेगा।

भारत-इजराइल द्विपक्षीय निवेश समझौता लागू

भारत गणराज्य की सरकार और इजराइल की सरकार के बीच 8 सितंबर 2025 को नई दिल्ली में हस्ताक्षरित द्विपक्षीय निवेश समझौता (बीआईए) शनिवार से प्रभावी हो गया। इस समझौते को दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने और सुरक्षित तथा पूर्वानुमानित निवेश माहौल सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। द्विपक्षीय निवेश समझौता निवेशकों और उनके निवेशों को मजबूत सुरक्षा प्रदान करता है। साथ ही, यह दोनों देशों को अपने वैध सार्वजनिक नीति उद्देश्यों के अनुरूप संप्रभु नीतिगत अधिकार बनाए रखने का पर्याप्त लचीलापन भी देता है। यह समझौता अंतरराष्ट्रीय निवेश कानून के आधुनिक सिद्धांतों और विकसित होते न्यायशास्त्र के अनुरूप तैयार किया गया है। सरकार के अनुसार, इस समझौते से भारत और इजराइल के बीच सीमा पार निवेश में वृद्धि होने की उम्मीद है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग और द्विपक्षीय साझेदारी को भी नई मजबूती मिलेगी।

स्कूली किताबों में आतंकियों का महिमामंडन

एलजी सिन्हा ने 8 अधिकारी सस्पेंड किए 30 दिन में जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश

लेखकों और प्रकाशकों को ब्लैकलिस्ट करने का फैसला लिया

एलजी सिन्हा बैठक लेते हुए

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी में पहुंची दो विवादित किताबों के मामले में बड़ा प्रशासनिक एक्शन लेते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के 8 अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया। जांच पूरी होने तक सभी अधिकारी प्रशासनिक विभाग से जुड़े रहेंगे। इसके अलावा एक कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारी को सेवा से हटा दिया गया है। सरकार ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश भी दिए हैं। साथ ही वाली दोनों किताबों के लेखकों और प्रकाशकों को ब्लैकलिस्ट करने का फैसला लिया गया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब जम्मू-कश्मीर पीपल्स फोरम (जेकेपीएम) ने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी के लिए 'समग्र शिक्षा योजना' के तहत खरीदी गई इन दो किताबों में अलगाववादी नेताओं और आतंकवादियों को जम्मू-कश्मीर की 'महान हस्तियों' और 'दिग्गजों' के तौर पर दिखाकर उनका महिमामंडन किया गया था। विपक्ष के नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस मुद्दे को उठाया।

किताबें वापस लेने का दिया था आदेश

विवाद बढ़ने के बाद स्कूल शिक्षा विभाग ने 3 जुलाई को सभी सरकारी स्कूलों को दोनों किताबें तत्काल प्रभाव से वापस लेने का आदेश जारी कर दिया था। सरकार ने जिन दो किताबों पर कार्रवाई की है, उनमें पहली किताब 'पर्सनालिटीज एंड लेजेंड्स ऑफ जेऐंडके' है, जिसे हिलाल अहमद और संतोष मीना ने लिखा है और जिसे ओबेरॉय बुक सर्विस, जम्मू ने प्रकाशित किया है। दूसरी किताब 'ग्रेट पर्सनालिटीज ऑफ जम्मू एंड कश्मीर' है, जिसे डॉ. सुशांत गिरी ने लिखा है और अनुराग प्रकाशन, दिल्ली ने प्रकाशित किया है। इस किताब में आतंकवादी मकबूल भट्ट को 'शहीद' बताया और हाफिज सईद को भी महान हस्ती बताने का दावा किया गया। वहीं, अलगाववादी नेताओं सैयद अली शाह गिलानी, मसरत आलम, शब्बीर अहमद शाह और मौलवी फारूक को कश्मीर का 'स्वतंत्रता सेनानी' बताया गया है।

एसीएस अश्वनी कुमार करेंगे जांच

सरकार ने पूरे मामले की जांच के लिए पावर डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के फाइनेंशियल कमिश्नर (एडिशनल चीफ सेक्रेटरी) अश्वनी कुमार (आईएएस) को जांच अधिकारी नियुक्त किया है। वहीं जनरल एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के एडिशनल सेक्रेटरी रोहित शर्मा को प्रेजेंटिंग ऑफिसर बनाया गया है। जांच अधिकारी को निर्देश दिया गया है कि वे 30 दिनों के भीतर सक्षम अधिकारी को अपनी रिपोर्ट सौंपें। सरकार ने दोनों किताबों के लेखकों और प्रकाशकों को पूरे केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में ब्लैकलिस्ट करने का आदेश दिया है। साथ ही निर्देश दिया गया है कि उनके द्वारा लिखी या प्रकाशित की गई सभी प्रिंटेड सामग्री को केंद्र शासित प्रदेश से वापस मंगाया जाए।

फ्यूल टैंक में पानी के रिसाव की आशंका

भूटान ने ठुकराया भारत का ई20 ऑफर सामान्य पेट्रोल जारी रखने की मांग की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भूटान ने भारत की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के उस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है, जिसमें उसे ई20 ईंधन सप्लाई करने की पेशकश की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूटान ने भारत से कहा है कि जब तक भारतीय बाजार में सामान्य पेट्रोल उपलब्ध है, तब तक वही सप्लाई जारी रखी जाए। दरअसल, इसकी सबसे बड़ी वजह भूटान का पुराना और कमजोर फ्यूल स्टोरेज इंफ्रास्ट्रक्चर है। देश के अधिकांश फ्यूल टैंक जमीन के नीचे बने हुए हैं और उनमें पानी के रिसाव की आशंका बनी रहती है। ऐसे में ई20 पेट्रोल के खराब होने और वाहनों को नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ जाता है। भूटान का पहाड़ी और दुर्गम भूभाग भी एक बड़ी चुनौती है, जहां वाहनों को लगातार अधिक पावर और भरोसेमंद प्रदर्शन की जरूरत होती है। अधिकारियों को आशंका है कि ई20 पेट्रोल इन परिस्थितियों में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं दे पाएगा।

पीएम त्शेरिंग तोबगे

---

5 से 15 जुलाई तक चलेगा यात्रा कार्यक्रम

आज से 6 देशों की विदेश यात्रा पर रहेंगे डॉ. एस. जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर 5 जुलाई से 6 देशों की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसमें कतर, बहरीन, कुवैत, ओमान, न्यूयॉर्क और ब्रुसेल्स शामिल हैं। विदेश मंत्री की इस यात्रा का कार्यक्रम 5 से लेकर 15 जुलाई तक चलेगा। डॉ. जयशंकर 5 से 10 जुलाई तक अपनी इस यात्रा की शुरुआत खाड़ी क्षेत्र के कतर, बहरीन, कुवैत, ओमान जैसे चार देशों से करेंगे। जहां उनकी इन सभी देशों के अपने समकक्षों यानी विदेश मंत्रियों और शीर्ष नेतृत्व के साथ मुलाकात होगी। खाड़ी के बाद विदेश मंत्री न्यूयॉर्क रवाना हो जाएंगे और वहां पर 13 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के लिए वर्ष 2028-29 में भारत के कार्यकाल के लिए एक अभियान को लांच करेंगे। उनकी की यात्रा का अंतिम पड़ाव 14 से 15 जुलाई तक ब्रुसेल्स होगा। जहां पर वह भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार और तकनीकी परिषद की तीसरी बैठक में भाग लेंगे।

चुनौतीपूर्ण मिशन में सुनिश्चित की नागरिकों की सुरक्षा

यूएन ने सराहे कांगो में भारतीय शांति सैनिकों के प्रयास, 651 को किया सम्मानित

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अफ्रीका महाद्वीप के देश पूर्वी डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में शांति स्थापना के लिए जारी भारतीय शांति सैनिकों (ब्लू हेलमेट) के प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पुरजोर अंदाज में सराहा गया है। सेना के कुल 651 शांति सैनिकों को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) पदक से सम्मानित किया गया है। बीते 3 जुलाई को कांगो के स्थायी ऑपरेटिंग बेस 'साके' में एक भव्य परेड समारोह हुआ था। जिसमें सभी सैनिकों को सम्मानित किया गया। आयोजन में मोनुस्को के वरिष्ठ अधिकारी, फोर्स मुख्यालय के प्रतिनिधि, सैन्य नेतृत्व और अन्य विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। सेना ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि संयुक्त राष्ट्र की तरफ से यह पदक उन सैन्य योद्धाओं को प्रदान किया जाता है। जिन्होंने यूएन के शांति मिशन में सराहनीय योगदान दिया हुआ होता है। पूर्व में 2023 में भारत को यूएन का सर्वोच्च सम्मान कहे जाने वाले 'डॉग हैमरशॉल्ड' पदक से भी सम्मानित किया गया था। जो कि शिशुपाल सिंह, सांवला राम बिश्नोई जैसे दो भारतीय शांति सैनिकों और शबर ताहिर अली (नागरिक यूएन कार्यकर्ता) को कांगो में उनके बलिदान के लिए मरणोपरांत प्रदान किया गया था। बता दें, वर्ष 1945 में संयुक्त राष्ट्र की स्थापना अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा को बनाए रखने के वैश्विक लक्ष्य के साथ की गई थी। जिसमें भारत एक प्रमुख योगदानकर्ता की भूमिका में शामिल रहा है। 50 से अधिक संयुक्त राष्ट्र मिशनों में 2 लाख 90 हजार से ज्यादा शांति सैनिक तैनात हैं।

'सुधार, प्रदर्शन, परिवर्तन' से निर्माण में रिकॉर्ड प्रगति

रक्षा उत्पादन 1.78 लाख करोड़ पर पहुंचा निर्यात 38 हजार करोड़ रुपए कर गया पार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में भारत ने अभावों से आत्मनिर्भरता, आत्मनिर्भरता से आत्मविश्वास और आत्मविश्वास से विकसित भारत के निर्माण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पहले कार्यकाल में अभाव दूर करने, दूसरे कार्यकाल में आकांक्षाओं को उपलब्धियों में बदलने और तीसरे कार्यकाल में 'सुधार, प्रदर्शन, परिवर्तन' की नीति के जरिए विकसित भारत की मजबूत नींव रखी जा रही है।

राजनाथ सिंह

'मेक-इन-इंडिया' पर भरोसा

रक्षा मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में देश का रक्षा उत्पादन बढ़कर 1.78 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो वित्त वर्ष 2014-15 की तुलना में तीन गुना अधिक है। उन्होंने बताया कि रक्षा निर्यात 38 हजार करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर को पार कर गया है, जो 2013-14 के 686 करोड़ रुपए की तुलना में लगभग 57 गुना अधिक है।

भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ी

रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा में परिवर्तनकारी बदलाव आया है और आज दुनिया अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण को गंभीरता से सुनती है। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत देश ने पिछले वर्ष अपने सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन भी शुरू किया। मोबाइल विनिर्माण, ऑटोमोबाइल निर्यात, स्वदेशी लोकोमोटिव उत्पादन और डिजिटल अवसंरचना के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है।

अगले सप्ताह 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर रहेंगे पीएम

ऑस्ट्रेलिया में पीएम मोदी की जान को खतरा, धमकी मिलने के बाद जांच शुरू

'अब मुस्तफा' नामक एक फेसबुक अकाउंट से कथित तौर पर दी धमकी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी को अगले सप्ताह 8 से 10 जुलाई तक की जाने वाली ऑस्ट्रेलिया की यात्रा से ठीक पहले जान से मारने की धमकी दी गई है। जिसे लेकर ऑस्ट्रेलिया के सुरक्षा अधिकारी व्यापक जांच-पड़ताल में जुट गए हैं। अभी तक फिलहाल किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। ऑस्ट्रेलिया के एक प्रमुख डिजिटल समाचार मंच और अखबार 'द ऑस्ट्रेलिया टुडे' की एक रिपोर्ट के जरिए यह जानकारी निकलकर सामने आई है। जिसमें यह दावा किया गया है कि 'अब मुस्तफा' नामक एक फेसबुक अकाउंट से कथित तौर पर भारत के पीएम को जान से मारने की यह धमकी दी गई है। जिसमें लिखा है कि 9 जुलाई को प्रधानमंत्री 'मेलबर्न मीट्स मोदी' कार्यक्रम में शामिल होंगे। जो मेलबर्न के मार्वल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान इस स्टेडियम की छत को बंद रखना चाहिए। वरना वह अपनी मौत के लिए ऑस्ट्रेलिया आ रहे होंगे।

पीएम एंथनी अल्बनीज और पीएम मोदी फाइल फोटो

अल्बनीज ने भारत को बताया अहम साझेदार

वहीं, ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज ने एक बयान जारी कर पीएम मोदी की इस यात्रा की घोषणा की है। जिसमें उन्होंने पीएम के मेलबर्न में स्वागत को लेकर उत्सुकता जताई है। साथ ही भारत को ऑस्ट्रेलिया का एक बड़ा महत्वपूर्ण साझेदार बताया है। उनके मुताबिक, पीएम नरेंद्र मोदी 8 से 10 जुलाई तक ऑस्ट्रेलिया की यात्रा पर रहेंगे। वर्तमान में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी और तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। मेलबर्न में मेरे और पीएम मोदी के बीच भारत-ऑस्ट्रेलिया वार्षिक शिखर सम्मेलन होगा। जिसमें हमारी बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं के अलावा साझेदारी से जुड़े हुए तमाम मामलों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। अल्बनीज ने यह भी कहा क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि को बनाए रखने में भारत और ऑस्ट्रेलिया की साझेदारी का बेहद महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

आईपी एड्रेस की पहचान की अभी कोई गिरफ्तार नहीं

ऑस्ट्रेलिया के सुरक्षा अधिकारियों ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। वहीं, उनके द्वारा अब तक की गई जांच-पड़ताल के दौरान इस फेसबुक खाते से जुड़े आईपी एड्रेस की पहचान करने के साथ ही आगे की जांच जारी है। लेकिन अभी तक किसी व्यक्ति की कोई गिरफ्तारी नहीं की गई है। यह पूरा मामला भले ही एक फेसबुक पोस्ट से जुड़ा हुआ है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया इसे हल्के में लेने के लिए तैयार नहीं है। पुख्ता और विस्तृत जांच चल रही है। इस संबंध में आधिकारिक रूप से ऑस्ट्रेलिया के मीडिया के साथ सार्वजनिक रूप से कोई जानकारी साझा नहीं की गई है।

क्या कभी हो पाएगी एलियन से मुलाकात !

क्या एलियन कभी पृथ्वी पर आएंगे? क्या उनसे हमारी मुलाकात हो पाएगी? इस सवाल का फिलहाल कोई सीधा 'हां' या 'ना' में जवाब देना मुश्किल है। एलियंस का धरती पर आना भले ही अभी विज्ञान कथाओं की तरह लगता हो, लेकिन वैज्ञानिक प्रयासों से भविष्य में, असंभव सा लगने वाला कुछ भी संभव हो सकता है।

कवर स्टोरी
शिखर चंद जैन

रात के समय जब हम आसमान में टिमटिमाते हुए तारों को देखते हैं, तो हमारे मन में एक सवाल बार-बार उठता है, 'क्या इस विशाल ब्रह्मांड में हम अकेले हैं?' या फिर किसी दूर के ग्रह पर हमारे जैसे ही या हमसे भी ज्यादा समझदार जीव रहते हैं? इन्हीं बाहरी दुनिया के जीवों को हम 'एलियन' या 'एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल' कहते हैं। गणितीय संभावनाओं को देखें तो ब्रह्मांड में कहीं न कहीं जीवन जरूर होना चाहिए। लेकिन अंतरिक्ष की असीम दूरियों को देखते हुए, उनका हमारे पास आना या हमारा उन तक पहुंचना बहुत ही कठिन काम है। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले कुछ दशकों में, जैसे-जैसे हमारी तकनीक और बेहतर होगी, हम शायद सौर मंडल के किसी चांद या बाहरी ग्रह पर जीवन के छोटे अंश (जैसे बैक्टीरिया) खोजने में सफल हो जाएंगे।

क्यों बरकरार है संभावना

वैज्ञानिकों के अनुसार, हमारे ब्रह्मांड में अरबों आकाशगंगाएं हैं और हर आकाशगंगा में खरबों तारे और ग्रह हैं। इतनी बड़ी जगह में सिर्फ हमारी पृथ्वी पर ही जीवन हो, ऐसा होना थोड़ा मुश्किल लगता है। इसलिए लगता है कि इस यूनिवर्स में कोई न कोई दूसरी दुनिया हो सकती है। खगोल वैज्ञानिक भी इस विषय पर यही सोचते हैं। इसीलिए वे सालों से एलियंस की खोज कर रहे हैं।

क्या एलियन पृथ्वी पर आएंगे!

हालांकि आम लोगों का मानना है कि कभी न कभी एलियन पृथ्वी पर आए होंगे या आएंगे। लेकिन वैज्ञानिक इस सवाल का जवाब तर्क के आधार पर खोजते हैं। एलियन पृथ्वी पर क्यों आना चाहेंगे? इसके वे कई तर्क देते हैं-

नए घर की खोज: जैसे हमारे वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर जीवन तलाश रहे हैं, वैसे ही एलियन भी अपने रहने के लिए एक नए और सुरक्षित ग्रह की तलाश में पृथ्वी पर आ सकते हैं।

संसाधनों की तलाश: अगर उनके अपने ग्रह के प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी, खनिज या ऊर्जा आदि खत्म हो गए हों, तो वे पृथ्वी के संसाधनों का उपयोग करने के लिए यहां का रुख कर सकते हैं।

जिज्ञासा और शोध: हो सकता है कि एलियन भी हमारी पृथ्वी के वैज्ञानिकों की तरह खोजी स्वभाव के हों। वे ब्रह्मांड के दूसरे जीवों यानी हम इंसानों के बारे में जानने और हमसे दोस्ती करने के लिए हमारे पास आ सकते हैं।

तकनीकी श्रेष्ठता: अगर कोई सभ्यता हमसे लाखों साल पुरानी है, तो उनके पास ऐसे स्पेसशिप हो सकते हैं जो रोशनी की रफ्तार से भी तेज चल सकें। ऐसी तकनीक होने पर उनके लिए पृथ्वी तक आना बहुत आसान होगा।

इसके विपरीत एलियन का आना क्यों मुश्किल है, इसके भी कुछ तर्क देते हैं-

अत्यधिक दूरी: ब्रह्मांड इतना बड़ा है कि हमारे सबसे करीबी तारे प्रॉक्सिमा सेंचुरी तक पहुंचने में भी आज की तकनीक से हजारों साल लग जाएंगे। एलियंस के लिए भी इतनी लंबी दूरी तय करना एक बड़ी चुनौती होगी।

समय का चक्र: हो सकता है कि ब्रह्मांड के किसी कोने में एलियन रहे हों, लेकिन वे इंसानों के पैदा होने से करोड़ों साल पहले ही खत्म हो चुके हों, या फिर वे तब आएंगे, जब इंसान धरती से गायब हो चुके होंगे।

संवाद की कमी: हमारी भाषा, रेडियो सिग्नल और सोचने का तरीका उनसे बिल्कुल अलग हो सकता है। मुमकिन है कि वे हमारे सिग्नलों को समझ ही न पा रहे हों।

वैज्ञानिक शोध और प्रयास

वैज्ञानिकों ने एलियंस को ढूंढ़ने और उनसे संपर्क करने के लिए कई प्रयास किए हैं।

सेटी प्रोजेक्ट: सर्च फॉर एक्स्ट्रा टेरेस्ट्रियल इंटेलिजेंस, दुनिया का सबसे बड़ा संगठन है, जो अंतरिक्ष से आने वाले रहस्यमयी सिग्नलों पर नजर रखता है। वैज्ञानिक बड़े-बड़े रेडियो टेलीस्कोप का इस्तेमाल करके आसमान से आने वाली आवाजों और तरंगों को सुनते हैं, ताकि एलियंस का कोई संदेश पकड़ा जा सके।

वोयाजर के गोल्डन रिकॉर्ड्स: साल 1977 में नासा ने अंतरिक्ष में दो स्पेसक्राफ्ट भेजे थे, जिनका नाम 'वोयाजर 1' और 'वोयाजर 2' है। इन स्पेसशिप में एक तांबे की बनी सीडी जैसी 'गोल्डन डिस्क' रखी गई है। इस डिस्क में पृथ्वी की आवाजें, संगीत, 55 भाषाओं में नमस्कार और हमारे ग्रह का नक्शा दर्ज है, ताकि अगर कभी यह किसी एलियन को मिले, तो वे हमारे बारे में जान सकें।

यूएफओ और यूएपी की जांच: दुनिया भर में कई बार आसमान में उड़ने वाली अजीबो-गरीब चीजों जैसे उड़न तश्तरी को देखने का दावा किया गया है। अब अमेरिकी सरकार और नासा जैसी एजेंसियां इन्हें 'यूएपी' (अनआइडेंटिफाइड एनोमैलुअस फैनोमेना) कहकर इन पर आधिकारिक रिसर्च कर रही हैं, ताकि यह साफ हो सके कि ये एलियंस के यान हैं या कोई प्राकृतिक घटना।

बहरहाल, भविष्य में कभी दूसरे ग्रह के वासियों एलियंस से पृथ्वीवासियों की कभी मुलाकात हो पाएगी या नहीं यह तो अभी नहीं कहा जा सकता लेकिन दुनिया भर के वैज्ञानिक इस कोशिश में हर संभव प्रयास कर रहे हैं। *

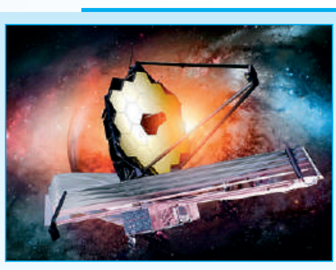

केपलर-जेम्स वेब टेलीस्कोप

नासा के इन आधुनिक टेलीस्कोपों का काम अंतरिक्ष में 'एक्सोप्लैनेट्स' यानी हमारे सौर मंडल से बाहर के ग्रह को खोजना है। वैज्ञानिकों ने अब तक हजारों ऐसे ग्रह खोजे हैं, जो 'गोल्डीलॉक्स जोन' में हैं। इसका मतलब है कि ये ग्रह अपने तारे से न तो बहुत ज्यादा गर्म हैं और न ही बहुत ज्यादा ठंडे, जहां पृथ्वी की तरह पानी और जीवन मौजूद हो सकता है। इसमें जीवन की संभावना भी हो सकती है।

मार्स मिशन

हमारे सबसे नजदीकी ग्रह मंगल पर पानी और जीवन के निशान खोजने के लिए भारत का 'मंगलयान', नासा के 'परसवेरेंस' रोवर जैसे कई मिशन भेजे गए हैं। इनके जरिए वैज्ञानिक मंगल ग्रह पर सूक्ष्मजीवों के जीवाश्म ढूंढ़ रहे हैं, जो अंतरिक्ष वासी एलियन या जीवन का पहला ठोस सबूत हो सकते हैं।

चिंताजनक है लगातार बढ़ता अंतरिक्ष में वेस्ट मैटर

जिस तरह से हम सबने अपनी पृथ्वी पर प्रदूषक वस्तुओं और कूड़े-कचरे का अंबार लगा रखा है, कुछ ऐसा ही हाल अंतरिक्ष का भी होता जा रहा है। स्पेस में स्पेसक्राफ्ट, एस्ट्रोनॉट्स और सैटेलाइट्स का वेस्ट मैटर भविष्य में गंभीर समस्या पैदा कर सकता है।

स्पेस इश्यू
अंजू जैन

जब हम रात में आसमान की तरफ देखते हैं, तो हमें टिमटिमाते तारे, चंद्रमा और कभी-कभी गुजरते हुए सैटेलाइट्स (उपग्रह) दिखाई देते हैं। यह नजारा बेहद जादुई लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे इस खूबसूरत अंतरिक्ष में एक बहुत बड़ी मुसीबत धीरे-धीरे पैर पसार रही है? इस मुसीबत का नाम है-'अंतरिक्ष का कचरा' या 'स्पेस डेब्री'।

क्या है स्पेस डेब्री: जैसे हम अपनी पृथ्वी पर प्लास्टिक, रैपर्स और खराब सामान फेंककर इसे गंदा कर रहे हैं, ठीक वैसे ही इंसानों ने अंतरिक्ष को भी कबाड़खाना बनाना शुरू कर दिया है। अंतरिक्ष कचरा या स्पेस जंक उन सभी मानव-निर्मित बेकार चीजों को कहते हैं, जो अब किसी काम की नहीं रहीं और पृथ्वी के चारों ओर अंतरिक्ष में चक्कर काट रही हैं। इस कचरे में बेकार हो चुके पुराने सैटेलाइट्स, रॉकेट्स के छूटे हुए टुकड़े, अंतरिक्ष यात्रियों के हाथ से छूटे हुए औजार (जैसे स्क्रू-ड्राइवर, ग्लव्स) और सैटेलाइट्स के आपस में टकराने से बने करोड़ों छोटे-छोटे टुकड़े शामिल हैं। वैज्ञानिकों के अनुमान के अनुसार, इस समय अंतरिक्ष में लाखों छोटे-बड़े टुकड़े तैर रहे हैं, जो एक बड़े खतरे की घंटी हैं।

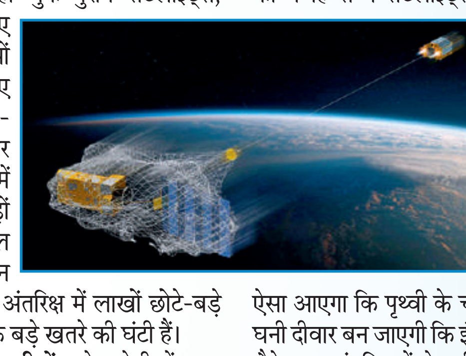

स्पेस डेब्री में शामिल चीजें: स्पेस डेब्री में बहुत कुछ हो सकता है। जैसे-जब किसी उपग्रह का जीवनकाल खत्म हो जाता है या उसका ईंधन समाप्त हो जाता है, तो वह वहीं अंतरिक्ष में निष्क्रिय होकर घूमने लगता है। उपग्रहों को अंतरिक्ष में छोड़ने के बाद रॉकेट के निचले और ऊपरी हिस्से अलग हो जाते हैं। ये हिस्से अंतरिक्ष में ही तैरते रह जाते हैं। जब दो सैटेलाइट्स आपस में टकराते हैं, तो उनके परखच्चे उड़ जाते हैं। एक टक्कर से हजारों नए छोटे-छोटे तीखे टुकड़े बन जाते हैं।

कुछ देश अपनी मिसाइल क्षमता को जांचने के लिए अंतरिक्ष में अपने ही पुराने सैटेलाइट को मिसाइल से उड़ा देते हैं। इससे पल भर में बेशुमार कचरा फैल जाता है।

स्पेस वेस्ट से संकट: अब आप सोच रहे होंगे कि अंतरिक्ष तो इतना विशाल है, फिर वहां थोड़े से कबाड़ से क्या फर्क पड़ता है? अंतरिक्ष हमारा भविष्य है। अगर आज हमने इसकी सफाई पर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाली पीढ़ी के लिए ब्रह्मांड के रहस्य जानने के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे। इसके कई खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। अंतरिक्ष में ये टुकड़े धीरे-धीरे नहीं तैरते। इनकी रफ्तार बंदूक की गोली से भी 10 से 15 गुना तेज होती है, लगभग 28,000 किलोमीटर प्रति घंटा। इतनी रफ्तार में एक छोटा-सा पेंट का टुकड़ा या पेंच भी किसी सैटेलाइट से टकराए, तो उसे पूरी तरह तबाह कर सकता है। इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन में हमेशा हमारे वैज्ञानिक रहते हैं। यदि कोई बड़ा टुकड़ा स्पेस स्टेशन से टकरा जाए, तो वहां रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की जान पर बन आ सकती है। उन्हें कई बार खुद को बचाने के लिए आपातकालीन कैप्सूल में छिपना पड़ता है।

हम मोबाइल के जरिए जो बात करते हैं, जीपीएस से रास्ता देखते हैं, टीवी देखते हैं और मौसम का पूर्वानुमान लगाते हैं, वे सब अंतरिक्ष में मौजूद सैटेलाइट्स की वजह से संभव होता है। अगर कचरे की वजह से ये सैटेलाइट्स नष्ट हो गए, तो हमारी पृथ्वी की आधुनिक लाइफलाइन एकदम रुक-सी जाएगी। अगर अंतरिक्ष में कचरा बहुत ज्यादा बढ़ गया, तो वे आपस में टकराकर और अधिक कचरा बनाएंगे। एक समय ऐसा आएगा कि पृथ्वी के चारों ओर कचरे की ऐसी घनी दीवार बन जाएगी कि इंसान कभी नया रॉकेट या सैटेलाइट अंतरिक्ष में भेज ही नहीं पाएगा। हम हमेशा के लिए पृथ्वी पर कैद हो जाएंगे।

निदान और समाधान: अंतरिक्ष में बढ़ रहे कचरे की इस समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक लगातार प्रयास कर रहे हैं। दुनिया भर की स्पेस एजेंसियां जैसे भारत की इसरो, अमेरिका की नासा इस मलबे को साफ करने के लिए बेहद अनोखे तरीकों पर काम कर रही हैं। वैज्ञानिक ऐसे विशेष सैटेलाइट बना रहे हैं, जो अंतरिक्ष में जाकर बड़े मलबे पर जाल फेंकेंगे या हारपून (भाला) मारकर उसे पकड़ेंगे और खींचकर पृथ्वी के वायुमंडल की तरफ ले आएंगे।

कुछ जापानी कंपनियां ऐसे सैटेलाइट्स का परीक्षण कर रही हैं, जिनमें बहुत शक्तिशाली चुंबक लगे होंगे। ये चुंबक लोहे और धातु के मलबे को अपनी ओर आकर्षित करके चिपका लेंगे। इस तरह कई और तकनीकें अपनाई जा रही हैं। संभव है इसका स्थायी समाधान खोज लिया जाएगा। *

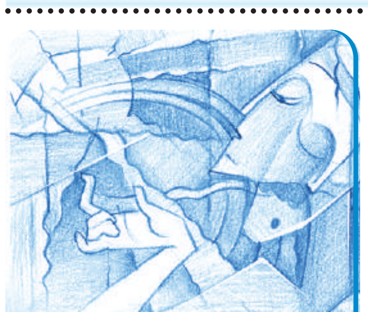

गजल
हबीब कैफी

चला गया कोई

उम्र अपनी बढ़ा गया कोई
नाम लेते ही आ गया कोई
मैंने थामा था हाथ कांटों में
फूल पाकर छुड़ा गया कोई
उसके सारे निशान जिंदा हैं
कैसे कह दूं चला गया कोई
इक तने पर लिखे थे बरसों से
नाम दोनों मिटा गया कोई
नींद यूं ही नहीं हुई गायब
तेरे किस्से सुना गया कोई
सिर्फ इक बात मैंने पूछी थी
बातें क्या-क्या सुना गया कोई
जिक्र जब भी वफा का आया है
सर झुका कर चला गया कोई

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

महंगाई से मुलाकात

चाहने को हम भी बहुत कुछ चाहते हैं। हमारी पहली चाहत तो यह ही है कि अपने पास अकूत वैध संपत्ति हो। वैध इसलिए, क्योंकि बुल्डोजर से सबको डर लगता है। बड़े-बड़े मुर्गे हलाल हो गए, फिर भला इस पिद्दी के शोरबे की क्या ही औकात है? हमारी दूसरी चाहत है कि महंगाई नाम की चीज को अपने देश से धक्के मार कर बाहर निकाल देना चाहिए। अंतर्मन में कुछ ऐसी भी चाहतें हैं, जिन्हें सार्वजनिक कर दें तो जूते पड़ने लगेंगे। हमारे एक मित्र ने एक महिला को सिर्फ 'आइ लव यू' कहा था। एक वह दिन था और एक आज का दिन है, अस्पताल से लौटकर आया है और प्रत्येक महिला को बुआ-दीदी से नीचे नहीं बोलता है।

इंसान कामनाओं का कोष है। मनुष्य की इच्छाएं अनंत हैं। सबको फेसबुक-एक्स आदि के दरिया में डालकर अपनी भड़ास निकालने से अच्छा है कि भाग्यवादी बन जाओ। 'जाही विधि राखे राम, ताही विधि रहिए।' हम भी रह ही रहे हैं। घोर महंगाई की चपत खाकर भी हंस रहे हैं। यूं किसी के चाहने या न चाहने से क्या होता है? भला मैं भी कहां चाहता था, फिर भी आज महंगाई से मेरी मुलाकात हो ही गई। वैसे यह कोई नई बात नहीं है। पहले कभी-कभार भेंट होती थी। इन दिनों वह मुझसे रोज ही किसी-न-किसी बहाने मेरे घर पर मिलने आ जाया करती है। जब मैं घर से बाहर रहता हूं तो वह वहां पर भी मुझसे टकरा जाती है। बाजार जाऊं तो वहां भी मिल जाती है। सड़क पर चल रहा होता हूं, तब भी वह हमारा पीछा नहीं छोड़ती है। पत्नी कहती है, 'यह मुई मेरी सौत है। इसकी निगाह तुम्हारे शरीर के साथ तुम्हारी जेब पर भी रहती है।'

मैं अकसर यह महसूस करता हूं कि मेरी जेब में रखा हुआ पर्स भी जरूरत से ज्यादा दुबला हो चुका है। महंगाई डायन के प्रकोप के चलते 'चंद क्वॉइन' ही शेष बचे हुए हैं। गनीमत है कि वह पूरी तरह खाली नहीं हुआ है। शायद इसी दुबले पर्स पर महंगाई डाका डालने पर उतारू है। जिसके पास धन नहीं है, उसको न चोरी का डर सताता है और न रहजनी का। उसे एकमात्र डर सताता है तो महंगाई का।

मेरा प्रतिदिन महंगाई से इसी तरह मिलना होता रहा तो एक दिन इस गरीब की जान ही निकल जाएगी। आप जानते हैं कि गरीब की जान उसकी हलक में अटकी होती है। यह उस चिड़िया की तरह होती है, जिसे जब तक दाना-पानी मिलता रहता है, चहकती रहती है, जिस दिन मिलना बंद हो गया, फुर्र से उड़ जाती है। लोग यूं ही प्राण को पखेरू नहीं कहते हैं।

मैं इस नामाकूल महंगाई से कितना भी बचना चाहता हूं, लेकिन वह है कि हाथ धोकर मेरे गले पड़ती जा रही है। आज महंगाई फिर एक बार मुझसे मिलने आई है। वह आवश्यकता से अधिक मोटी दिख रही है। पिछली बार जब उससे मिलना हुआ था, तब भी वह मोटी ही थी, लेकिन इस बार उसके शरीर की चर्बी पर एक और परत चढ़ चुकी है। वैसे भी जो प्रतिदिन दूसरों की जेब पर डाका डालता हो, उसका मोटा हो जाना अचरज की बात नहीं है। मैं अपने आस-पास के ऐसे तमाम लोगों को जानता हूं, जो दूसरों को लूटते रहते हैं और मोटे हो जाते हैं। महंगाई भी पुष्ट हो रही है। वह मुझसे कहने लग गई, 'तुम मेरे नाम का रोना रोते रहते हो, मैंने सोचा आज एक बार और मिल लेती हूं! कहो, कैसे मिजाज हैं?' मैंने कहा, 'मिजाज की छोड़ो। तुमने हमें कहीं का नहीं छोड़ा है। तुम जिस अनुपात में मोटी होती चली जा रही हो, हम उसी अनुपात में दुबले हो रहे हैं। उधर तुम्हारी खुराक बढ़ती जा रही है, इधर हम अपने को किसी दिहाड़ी मजदूर की पगार जैसा बेबस पाते हैं।'

महंगाई जैसे आज विश्व हास्य दिवस मनाने के मूड में थी। वह पहले खूब हंसी, फिर मुझे छेड़ती हुई बोली, 'देख रही हूं। तुम्हारे पांवों में बेबसी के घुंघरू बंधे हुए है, फिर भी तुम ठुमक रहे हो। तुम जैसे बकरे को कहां पता है कि कल मैं तुमको किस भारी-भरकम रूप में मिलने वाली हूं!' *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

विडंबनाओं पर कटाक्ष

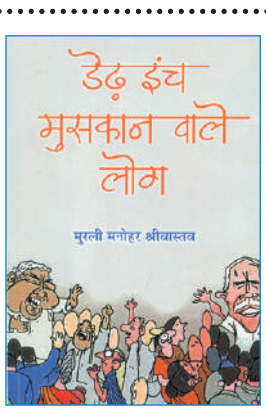

आज के बहुरूपिए समय में तमाम तरह की विडंबनाओं और विसंगतियों के संग जीने के लिए हम सब इतने अभ्यस्त हो गए हैं कि किसी भी प्रकार के विद्रूप में असहज महसूस नहीं करते हैं। लेकिन एक व्यंग्यकार की सजग दृष्टि न केवल जीवन और व्यवस्था में धंसे विद्रूप को इंगित करती है, उस पर कटाक्ष भी करती है। सुपरिचित व्यंग्यकार मुरली मनोहर श्रीवास्तव के ऐसे ही चुने हुए 65 व्यंग्यों का संग्रह 'डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग' हाल में छपकर आया है। इनमें कहीं वे नेशनल कैरेक्टर से लेकर, आटा से ज्यादा डाटा की चिंता करते नजर आते हैं, तो कहीं चुटकी लेते हुए मीडिया का महिमा मंडन करते दिखते हैं। 'ऑफिस रस' शीर्षक व्यंग्य में वह लिखते हैं, 'जिसे एक बार ऑफिस रस की लत लग गई, वह इसकी प्रॉपर डोज के बिना रह ही नहीं पाता। वह कहीं भी रहे, किसी भी हाल में पड़ा हो, इस रस की प्राप्ति के लिए छटपटाता रहता है।' हर खास-ओ-आम की जिंदगी में आज की तारीख में इंटरनेट डाटा का क्या महत्व हो चुका है, इस बारे में व्यंग्यकार की टिप्पणी ध्यान देने योग्य है। 'आटा और डाटा' शीर्षक व्यंग्य में वह कहते हैं, 'कई बार लगता है कि आटा न भी मिले तो चलेगा पर डाटा खत्म हो गया तो जीकर क्या करेंगे? लड़ाई यह है कि आटा जन-जन तक पहुंचा कि डाटा?' *

पुस्तक: डेढ़ इंच मुसकान वाले लोग (व्यंग्य संग्रह), **लेखक:** मुरली मनोहर श्रीवास्तव, **मूल्य:** 400 रुपए, **प्रकाशक:** विद्या विहार, नई दिल्ली

केप वर्दे ने छुड़ाए अर्जेंटीना के पसीने, मेस्सी सेना ने एक्स्ट्रा टाइम में जीता कड़ा मुकाबला

एजेंसी ▶▶| मियामी गार्डन्स

इस विश्व कप में साहस और कौशल की नई परिभाषा लिखने वाले छोटे से देश केप वर्दे ने खिताब की प्रबल दावेदार मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को नाकों चने चबवा दिए और अतिरिक्त समय तक चले इस मुकाबले को जीतने के बाद लियोनेल मेस्सी और उनकी टीम ने मस्तक पर छलके पसीने को पोछकर मानों राहत की सांस ली। इसके साथ ही विश्व कप में 'छिपे रुस्तम' केप वर्दे का शानदार अभियान यही खत्म हो गया और जीत के साथ अर्जेंटीना अंतिम 16 में पहुंच गया। आसानी से हार नहीं मानने वाले केप वर्दे ने नियमित समय में और फिर अतिरिक्त समय में बराबरी के गोल दागे। अर्जेंटीना के तीसरे गोल का वह जवाब नहीं दे सके और मेस्सी की टीम ने 3-2 से मुकाबला जीता।

छोटे देश ने कराया इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज

हारने के बावजूद अफ्रीका के पश्चिमी तट पर स्थित इस द्वीप देश ने विश्व कप के इतिहास के पन्नों में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया। जीत के बाद अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने कहा,' मैं केप वर्दे को श्रेय देना चाहूंगा। सच यही है कि जब लोग कहते हैं कि कोई विरोधी टीम कमतर नहीं होती और आज केप वर्दे ने साबित कर दिया कि वह शानदार टीम है। केप वर्दे के लिए डाइनी बोर्गेस ने 111वें मिनट में गोल दागा जबकि क्रिस्टियन रोमेरो का आत्मघाती गोल अर्जेंटीना के खाते में गया। लिसांद्रो मार्तिनेज ने 92वें मिनट में गोल करके अर्जेंटीना को 2-1 से बढत दिलाई।

केप वर्दे के लिए काब्राल और डुआर्टे ने दागे बराबरी के गोल

केप वर्दे के लिए सिडनी लोपेज काब्राल और डेरॉय डुआर्टे ने बराबरी के गोल दागकर अर्जेंटीना समर्थकों को स्तब्ध कर दिया था। ऐसा लग रहा था कि पेनल्टी शूटआउट से ही फैसला होगा, जिसमें मेस्सी का सामना वोजिन्हा से होगा लेकिन अर्जेंटीना ने अतिरिक्त समय में जीत दर्ज की। अब अर्जेंटीना का सामना मिस्त्र से होगा, जिसने अटलांटा में पेनल्टी शूटआउट में आस्ट्रेलिया को हराया।

हमने अच्छा प्रदर्शन किया: मेस्सी

मेस्सी ने मैच के बाद कहा,' हमने अच्छा प्रदर्शन किया और जहां गलतियां हुई हैं, उन्हें सुधारना होगा।' मेस्सी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिये खेलने वाले रौद्रिगो डि पॉल ने कहा ,' मेरे लिए उसकी दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।'

'गोल्डन बूट' की दौड़ में एमबाप्पे 1 गोल पीछे

इस साल टूर्नामेंट में मेस्सी ने सातवां गोल दागा और 'गोल्डन बूट' की दौड़ में एमबाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं । पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेस्सी 12 गोल कर चुके हैं। मेस्सी का विश्व कप में लगातार गोल करने का सिलसिला 2022 में मिली खिताबी जीत से चला आ रहा है।

मेस्सी के 20 गोल, 'गोल्डन बूट' की दौड़ में आगे

मियामी गार्डन्स। लियोनेल मेस्सी का गोल करने का सिलसिला जारी है और वह इतनी सहजता से गोल करते हैं कि यह आसान सा लगता है। इसके साथ ही अर्जेंटीना की लगातार दूसरा विश्व कप जीतने की उम्मीदें भी कायम है हालांकि केप वर्दे ने एकबारगी उसके लिए खतरे की घंटी बजा दी थी। विश्व कप में अपने प्रदर्शन से फुटबॉलप्रेमियों का दिल जीतने वाले केप वर्दे को अतिरिक्त समय में 3-2 से हराकर अर्जेंटीना ने अंतिम 16 में जगह बनाई। मेस्सी ने केप वर्दे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने कैरियर का 20वां गोल किया।

शर्मनाक रिकार्ड

एक विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बने हानी

अर्लिंगटन। मिस्त्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी एक ही टूर्नामेंट में दो आत्मघाती गोल करने वाले विश्व कप के इतिहास के पहले खिलाड़ी बन गए। आस्ट्रेलिया के मिडफील्डर एडेन ओ नील की 55वें मिनट में लगाई गई फ्रीकिक पर गेंद हानी के सिर से टकराकर मिस्त्र के गोल के भीतर ही चली गई। इससे पहले आस्ट्रेलियाई मिडफील्डर कोनोर मेटकाफे से टकराने के कारण हानी को चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी थी। बेल्जियम के खिलाफ ग्रुप चरण में 1-1 से ड्रॉ रहे मैच में भी उन्होंने आत्मघाती गोल किया था।

पहली बार नॉकआउट मुकाबला जीता मिस्र, ऑस्ट्रेलिया बाहर

अर्लिंगटन। होसाम अब्दुलमागुद ने शूटआउट में निर्णायक गोल किया, जिसके दम पर पहली बार विश्व कप नॉकआउट मुकाबला खेलते हुए मिस्र ने आस्ट्रेलिया के पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हरा दिया जबकि निर्धारित समय तक स्कोर 1-1 से बराबर था। मिस्र ने चौथी बार विश्व कप खेलते हुए यह जीत दर्ज की है। वहीं आस्ट्रेलिया नॉकआउट में तीन में से एक भी बार जीत नहीं सका है। अब मिस्र का सामना मंगलवार को गत चैम्पियन अर्जेंटीना से होगा, जिसने केप वर्दे को अतिरिक्त समय में 3-2 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई है। शूटआउट में आस्ट्रेलिया के हैरी साउटार का निशाना चूका और 18 वर्ष के लुकास हेरिंगटन का शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। मिस्र के लिए होसाम के अलावा महमूद साबिर, रामी राबिया और लिवरपूल के पूर्व स्टार मोहम्मद सालाह ने गोल दागे। मांसपेशी की चोट के बावजूद सालाह ने यह मैच खेला। आस्ट्रेलिया के लिए ये शूटआउट में जैकसन इरविन और अवेर माबिल ने गोल किए। इमाम अशूर ने 13वें मिनट में हेडर पर गोल करके मिस्र को बढत दिला दी थी। आस्ट्रेलिया ने 55वें मिनट में बराबरी की जब मिस्र के डिफेंडर मोहम्मद हानी एक ही विश्व कप में दो आत्मघाती गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

घाना को हराकर कोलंबिया अंतिम 16 में

कंसास सिटी। जोन एरियास ने शुरुआती मिनटों में लुई सुआरेस के क्रॉस पर गोल किया और इसी एक गोल के दम पर कोलंबिया ने भीषण गर्मी के बीच घाना को हराकर विश्व कप के अंतिम 16 में जगह बना ली। कोलंबिया का सामना अब मंगलवार को वैंकूवर में स्विटजरलैंड से होगा। मैच शुरू होने के कुछ मिनट के भीतर ही कोलंबिया के फॉरवर्ड जोन कोरडोबा को जांघ के पीछे की मांसपेशी में चोट लग गई, जिसके बाद कोच नेस्टर लोरेंजो को सुआरेज को बुलाना पड़ा। यह इंटर मियामी के स्टार फुटबॉल खिलाड़ी सुआरेज नहीं बल्कि स्पोर्टिंग सीपी के लिए खेलने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। उन्होंने आते ही अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ी और 14वें मिनट में डेनियल मुनोज से गेंद लेकर एरियास को जबर्दस्त क्रॉस दिया, जिन्होंने घाना के गोलकीपर लारेंस एटि जिगि को छकाकर गोल कर दिया।

खबर संक्षेप

हुलेनकोर्ट महिला ओपन खिताब की दौड़ में दीक्षा

हुलेनकोर्ट। दीक्षा डागर खिताब की दौड़ में बनी हुई है और भारत की चारों गोल्फर ने हुलेनकोर्ट महिला ओपन के कट में प्रवेश कर लिया। दीक्षा बढ़त पर थी लेकिन इवन पार 72 का स्कोर करके संयुक्त तीसरे स्थान पर खिसक गई। उन्होंने तीन बर्डी लगाए लेकिन तीन बोगी भी किए। भारत की अदिति अशोक ने भी लेडीज यूरोपीय टूर पर प्रभावी वापसी करके संयुक्त आठवां स्थान हासिल कर लिया। अवनि प्रशांत संयुक्त 18वें स्थान पर है जबकि प्रणवी उर्स संयुक्त 56वें स्थान पर है। स्पेन की कैरोलिना चाकारा ने सात अंडर 65 और कुल नौ अंडर स्कोर करके बढत बना ली है।

20 को ग्लास्गो रवाना होगी जिम्नास्टिक्स टीम

नई दिल्ली। भारत की कलात्मक जिम्नास्टिक्स टीम आगामी राष्ट्रमंडल खेलों की तैयारियों के तहत लंदन में तीन सप्ताह का प्रशिक्षण शिविर पूरा करने के बाद 20 जुलाई को ग्लास्गो के लिए रवाना होगी। यह प्रशिक्षण शिविर 29 जून से शुरू हुआ, जिसके लिए कोष भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने 'टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप' और 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम' के तहत दिया था। राष्ट्रमंडल खेलों के लिए महिला टीम में ओलंपियन प्रणति नायक, निश्का अग्रवाल, ईशिता रेवाले और प्रतिष्ठा सामंता शामिल हैं। पुरुष टीम में तपन मोहंती, तपेश्वरनाथ दास, स्वातिश केपी और योगेश्वर सिंह को जगह मिली है। राकेश पात्रा पुरुष टीम के कोच हैं जबकि पायल भट्टाचार्जी और अशोक कुमार मिश्रा महिला टीम के कोच के रूप में जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

उपलब्धि

क्रिकेट में वैभव का नया राज मास्टर ब्लास्टर का टूटा रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

बिहार के समस्तीपुर जिले के 15 वर्षीय प्रतिभाशाली क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने भारतीय क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय लिखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले देश के सबसे युवा खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया।

उन्होंने लगभग 37 वर्षों से कायम महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया। दोनों खिलाड़ियों के दौर और बल्लेबाजी शैली में जमीन-आसमान का अंतर है। सचिन ने 16 वर्ष 205 दिन की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखा था। उनकी बल्लेबाजी मजबूत रक्षात्मक तकनीक और कलात्मक स्ट्रोक्स के लिए जानी जाती थी, जो मुंबई की 'खड़ूस' क्रिकेट संस्कृति की पहचान मानी जाती है। सूर्यवंशी ने महज 15 वर्ष 99 दिन की उम्र में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले से भारतीय टीम में पदार्पण किया। उनकी बल्लेबाजी आक्रामक अंदाज की है, जो आधुनिक टी-20 क्रिकेट की तेज-तर्रार शैली के अनुरुप है।

सचिन फ्लॉपी डिस्क और सूर्यवंशी एआई की पीढ़ी के

सचिन फ्लॉपी डिस्क के दौर के खिलाड़ी थे जबकि सूर्यवंशी की पीढ़ी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित भविष्य की ओर बढ़ रही है। बदलते समय के बावजूद एक बात समान है कि देश को अपनी नई क्रिकेट प्रतिभाओं में भविष्य की उम्मीदें नजर आती हैं।

वैभव के डेब्यू को लेकर देशभर में उत्साह

सचिन के बाद शायद ही किसी युवा खिलाड़ी के पदार्पण को लेकर पूरे देश में ऐसा उत्साह देखने को मिला हो। इंग्लैंड से पहले आयरलैंड पहुंचने के बाद से ही प्रशंसक सूर्यवंशी के साथ सेल्फी लेने के लिए उत्सुक दिखाई दिए। लोकप्रियता का आलम यह रहा एक प्रशंसक ने राजस्थान रॉयल्स की ओर से नियुक्त उनके संरक्षक रोमी भिंडर के साथ भी सेल्फी खिंचवाई, वो भी केवल इसलिए कि वह सूर्यवंशी से जुड़े व्यक्ति के साथ तस्वीर लेना चाहता था। सोशल मीडिया और स्मार्टफोन के इस दौर में हर प्रशंसक मानो एक डिजिटल रिपोर्टर बन गया है।

विंबलडन में हार पर बोले भांबरी, हमने बहुत नर्वस मैच खेला

एजेंसी ▶▶| लंदन

भारत के डबल्स खिलाड़ी युकी भांबरी ने कहा है कि विंबलडन के पहले राउंड में मिली हार की वजह उनका और साथी खिलाड़ी माइकल वीनस का टूर्नामेंट का दबाव नहीं झेल पाना है। भांबरी और न्यूजीलैंड के वीनस को पहले राउंड में डच-अमेरिकन जोड़ी जीन-जूलियन रोजर और थियोडोर वाइनगर ने 3-6, 4-6 से हराया, जिसमें इंडो-कीवी जोड़ी को सर्व पर खुद को हावी करने में मुश्किल हुई, और वे किसी भी ब्रेक-पॉइंट के मौके को भुनाने में नाकाम रहे। भांबरी ने कहा, हमारे खेल के सबसे बड़े टूर्नामेंट में से एक में खेलते हुए, मुझे लगता है कि यह मौका मुझे और मेरे साथी खिलाड़ी माइकल वीनस को मिल गया। हम दबाव नहीं झेल पाए।

हमने बहुत नर्वस मैच खेला, और इसकी कीमत हमें चुकानी पड़ी। हमारा मूवमेंट तेज नहीं था, हमारा रिटर्न खराब था। हम सर्व पर रिदम नहीं बना पाए। पहले राउंड से बाहर होने के बावजूद 33 साल के भांबरी भविष्य को लेकर सकारात्मक हैं। उन्होंने कहा, मैं और माइकल साथ में अच्छा कर रहे हैं। इससे पहले हमारे कुछ अच्छे नतीजे रहे हैं। उम्मीद है कि हम कुछ और विंबलडन में वापस आकर इसे ठीक करेंगे। हम इस अनुभव से सीखेंगे और अगली बार बेहतर प्रदर्शन करेंगे। भांबरी ने अपना फोकस भारत के दक्षिण कोरिया के खिलाफ आने वाले डेविस कप क्वालीफायर मुकाबले पर किया, और इसे देश के लिए एक बड़ा मौका बताया।

अनुष का शानदार प्रदर्शन जीता रजत पदक

नई दिल्ली। भारत के स्टार घुड़सवार खिलाड़ी अनुष अग्रवाला ने जर्मनी के हेगन में आयोजित कैवालिएरो ड्रेसेज डेज प्रतियोगिता के सीडीआई1 प्री सेंट जॉर्ज वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। 'स्ट्रेट हॉर्स फ्लोरियाना' पर सवार अनुष ने 70.147 प्रतिशत अंक हासिल किए और 22 प्रतिभागियों के बीच दूसरे स्थान पर रहे। अनुष और फ्लोरियाना के बीच बेहतरीन तालमेल तथा सटीक प्रदर्शन की बदौलत उन्होंने प्रतिष्ठित 70 प्रतिशत का आंकड़ा पार किया, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनकी निरंतरता को दर्शाता है। इस स्पर्धा में जर्मनी की चार्लोट-मारिया शूर्मन 72.304 प्रतिशत अंक के साथ पहले स्थान पर रहीं। यह उपलब्धि ऐसे समय में आई है, जब 2026 एशियाई खेलों के लिए भारतीय ड्रेसेज टीम के चयन को लेकर अनुष विवाद के केंद्र में हैं।

भारत 'ए' ने बनाया 541 रन का विशाल स्कोर, सुदर्शन ने खेली 168 रन की पारी

एजेंसी ▶▶| गॉल

भारत ए ने साई सुदर्शन की 168 रन की शानदार शतकीय पारी के बाद मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान की बदौलत दूसरे अनौपचारिक टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को श्रीलंका ए के खिलाफ 8 विकेट पर 541 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर लिया। बारिश से प्रभावित तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक भारत ए ने 175 रन की बढ़त हासिल कर ली थी। मुकाबले का एक दिन का खेल अभी बाकी है।

सुदर्शन ने तीसरे दिन 104 रन से आगे खेलना शुरू किया और अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखते हुए 267 गेंद में 22 चौकों की मदद से 168 रन बनाए। हालांकि दूसरे छोर पर देवदत्त पडिक्कल 94 रन में एक भी रन का इजाफा किए बिना ही आउट हो गए। दिन की पहली ही गेंद पर पडिक्कल के आउट होने से भारत ए का स्कोर दो विकेट पर 248 रन हो गया। इसके बाद सुदर्शन को कप्तान ध्रुव जुरेल (53 रन, 88 गेंद) का अच्छा साथ मिला। सुदर्शन और जुरेल की साझेदारी से पहले हालांकि भारत ए को एक बड़ा झटका लगा जब रुतुराज गायकवाड़ (13) को तेज गेंदबाज असांका मनोज की गेंद हेलमेट पर लगने के बाद चोटिल होकर मैदान छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा।

प्रज्ञानानंदा ने जीते तीनों मुकाबले रैपिड वर्ग में उनके 12 अंक

एजेंसी ▶▶| जगरेब

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने आखिरी दिन तीनों मुकाबले जीतकर ग्रैंड शतरंज टूर के क्रोएशिया चरण में रैपिड श्रेणी में 12 अंक लेकर फ्रांस के फिरोजा अलीरजा के साथ संयुक्त शीर्ष स्थान हासिल कर लिया।

दूसरे दिन पिछड़ रहे प्रज्ञानानंदा ने आखिरी दिन क्रोएशिया के इवान सारिच, रोमानिया के डीक बोगडेन डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरि को हराया। फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव और उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव 11 अंक लेकर दूसरे स्थान पर रहे।

पूर्व विश्व चैंपियन क्रामनिक निलंबित

बिलिंग्स। अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (फिडे) ने पूर्व विश्व चैंपियन ब्लादीमिर क्रामनिक को कम से कम एक साल के लिए निलंबित कर दिया है, जिन्होंने डेनियल नारोदित्स्की समेत साथी खिलाड़ियों पर धोखेबाजी के आरोप लगाए थे, जो साबित नहीं हुए। नारोदित्स्की का पिछले साल 29 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था।

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
हमीदिया रोड शाखा, भोपाल
फोन : 0755-4257152, 2730646

मांग सूचना

वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) एवं प्रतिभूतिहित प्रवर्तन नियम , 2002 के रूल 3 (1) के अंतर्गत नोटिस।

जैसा कि अधोहस्ताक्षरी द्वारा वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13(2) एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम , 2002 के रूल 3 (1) के अंतर्गत बैंक द्वारा आप पर बकाया धन जमा करने हेतु निम्नवर्णित दिनांक को मांग नोटिस को रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रेषित किया गया था। उक्त नोटिस के द्वारा आप को बैंक द्वारा बकाया निम्न वर्णित राशि एवं उस पर देय ब्याज आपके द्वारा नोटिस प्राप्ति के 60 दिन के अंदर जमा किया जाना है, जो कि हमारे बैंक में वापस आ गयी है। जिससे यह विश्वास करने का कारण उत्पन्न हो जाता है कि आप उस डिमांड नोटिस को प्राप्त करने से बच रहे है। अतः अब इस नोटिस के प्रकाशन के द्वारा आपको एतद् द्वारा बैंक बकाया धनराशि को चुकाने हेतु नोटिस दिया जाता है, कि बैंक को देय निम्नवर्णित ऋण राशि इस नोटिस के प्रकाशन के 60 दिनों के भीतर हमारी बैंक में जमा कर दें । इस खाते से सम्बन्धित विवरण नीचे उल्लिखित है उक्त ऋण राशि का भुगतान न करने की स्थिति में अधोहस्ताक्षरी द्वारा वित्तीय अस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 एवं प्रतिभूतिहित परवर्तन नियम 2002 के अंतर्गत किसी अथवा सभी अधिकारों का प्रयोग किया जा सकता है। नोटिस का विवरण निम्नानुसार है:-
उधारकर्ताओं को एक्ट की धारा 13 एवं उपधारा 8 के प्रावधान के अन्तर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के एवज में उपलब्ध समय की ओर ध्यान आकर्षित किया जाता है।

उधारकर्ता एवं जमानतदार का नाम	प्रतिभूति के रूप में बंधक की गई संपत्ति का विवरण	बकाया राशि / मांग सूचना दिनांक
ऋणी- **श्री शिवाजी सिंह पुत्र श्री बैजनाथ सिंह एवं श्रीमती रचना सिंह पत्नि श्री शिवाजी सिंह** (1) मकान नं. 981, प्रियदर्शिनी कालोनी, परसिया रोड, छिन्दवाड़ा (म.प्र.) 480001 (2) 108, श्यामपल्ली कालोनी, पोस्ट बीएचईएल, अवधपुरी, जिला- भोपाल (म.प्र.) 462022 (3) मकान नं. एल-12, गोदावरी ग्रीन्स, विदिशा (म.प्र.) 464001	बंधक संपत्ति/एक्सटेंशन एक प्लाट/मकान नं. एल- 12, पटवारी हल्का नं. 60 का भाग, गोदावरी ग्रीन्स कालोनी, वार्ड नं. 37, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, कस्बा विदिशा, तह. विदिशा जिला-विदिशा क्षेत्रफल-864 वर्गफिट **चर्तुसीमाएं-** पूर्व-कालोनी रोड, पश्चिम- अन्य की भूमि, उत्तर- प्लाट नं. एल-13, दक्षिण- प्लाट नं. एल-11, संपत्ति मालिक- **श्री शिवाजी सिंह पुत्र श्री बैजनाथ सिंह एवं श्रीमती रचना सिंह पत्नि श्री शिवाजी सिंह**	गृह ऋण दि. 31.05.26 को बकाया (दि. 31.05.26 तक ब्याज समाहित) **₹ 30,25,863.64** + ब्याज एवं अन्य खर्चे Top up Loan ₹ 1,501,756/- + ब्याज एवं अन्य खर्चे **04-06-2026** NPA Date: 26.03.2026

इस नोटिस के द्वारा जन सामान्य को यह सूचित किया जाता है कि वे उक्त सम्पत्ति के समबन्ध में किसी प्रकार का समझोता / व्यवहार न करें एवम बन्धककर्ता को सूचित किया जाता है कि अधिनियम की धारा 13 (13) के नियमानुसार आप बैंक के पूर्व लिखित अनुमति के बिना प्रतिभूतिकृत सम्पत्ति का हस्तांतरण नहीं कर सकते।

स्थान : भोपाल, दिनांक : 05-07-2026 — प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ बड़ौदा

पद्मावत' की घूमर कोरियोग्राफर ज्योति डी. तोम्मार ने सिखाए घूमर के रंग

भोजपुर क्लब में आयोजित किया गया विशेष कार्यशाला में अभ्यास करते प्रतिभागी।

घूमने की तकनीक तथा भाव-भंगिमाओं का विस्तार से दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

फिल्म पद्मावत में अपनी भव्य और मनमोहक प्रस्तुति से देश-विदेश में चर्चित हुए गीत घूमर की कोरियोग्राफर ज्योति डी. तोम्मार ने भोजपुर क्लब में आयोजित रंग केसरिया में आयोजित विशेष घूमर कार्यशाला में प्रतिभागियों को इस पारंपरिक राजस्थानी लोकनृत्य की बारीकियों से परिचित कराया।

भोजपुर क्लब में आयोजित की विशेष कार्यशाला

राजस्थानी सांस्कृतिक की विरासत है घूमर

कार्यशाला के दौरान ज्योति डी. तोम्मार ने घूमर की पारंपरिक मुद्राओं, संतुलित पद संचालन, हाथों की अभिव्यक्ति, घूमने की तकनीक तथा भाव-भंगिमाओं का विस्तार से प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि घूमर केवल एक नृत्य नहीं, बल्कि राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, सौंदर्य और स्त्री अभिव्यक्ति का जीवंत प्रतीक है।

पारंपरिक लोक संगीत की मधुर धुनों पर किया घूमर

प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए घूमर की लय, ताल और शालीनता को आत्मसात किया। कार्यशाला में पारंपरिक लोक संगीत की मधुर धुनों पर जब प्रतिभागियों ने एक साथ घूमर प्रस्तुत किया तो वातावरण राजस्थानी संस्कृति के रंगों से सराबोर हो उठा।

संगीत प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया

पॉलिटेक्निक ऑडिटोरियम में 'गीतों का कारवां-3' से सजी संगीत संध्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

पॉलिटेक्निक ऑडिटोरियम में शनिवार की शाम इशाक अली एवं तरंग म्यूजिकल ग्रुप द्वारा 'गीतों का कारवां-3' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 10 से 12 गायकों ने अपने मधुर गीतों से संगीत प्रेमियों का भरपूर मनोरंजन किया। जिसमें शहर के संगीत प्रेमियों ने एक से बढ़कर एक गीतों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

गीतों से सजी इस संध्या में मुख्य कलाकारों में मंजुनाथ, इशाक अली के साथ-साथ डांसर खब्बा खाम्बा, सत्यप्रिया चंदेल, इक असलम, काजलिया वैष्णव, जानेमन शर्मा, शंकर मूर्ति, अस्मत गजल, प्रहलाद खान, सविता सिंघोले, प्रतिमा कुमार आदि ने अपनी प्रस्तुतियां दीं।

अपनी प्रस्तुति देते कलाकार।

भारत भवन में आयोजित गायन पर्व में हुई आस्था गोस्वामी और रुचिरा केदार की प्रस्तुति

सुरों की जुगलबंदी में भीगा अंतरंग सभागार, मेघ केदार और देस के रंगों से सजी संगीत संध्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भारत भवन के अंतरंग सभागार में आयोजित तीन दिवसीय 'गायन पर्व' के दूसरे दिन शनिवार की संध्या शास्त्रीय संगीत की गरिमा, रागों की गंभीरता और सुरों की मधुर संगति से सराबोर रही। मंच पर जब युवा गायिकाएं आस्था गोस्वामी और रुचिरा केदार ने संयुक्त प्रस्तुति दी, तो यह केवल दो स्वरों का मिलन नहीं, बल्कि भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपरा और सृजनशीलता का अनुपम संवाद बन गया। दोनों कलाकारों ने अपनी सधी हुई तालीम, भावपूर्ण अभिव्यक्ति और रागों की सूक्ष्म प्रस्तुति से श्रोताओं को देर तक मंत्रमुग्ध बनाए रखा।

शास्त्रीय संगीत के मधुर सुरों से शाम सराबोर

आस्था गोस्वामी और रुचिरा केदार अपनी प्रस्तुति देतीं हुईं।

संगीत की तकनीकी समृद्धि से परिचित कराया

कलाकारों ने राग केदार में कान्हा रे नंदनन्दन... की भावपूर्ण प्रस्तुति देकर भक्ति और माधुर्य का सुंदर समागम प्रस्तुत किया। इसके बाद प्रस्तुत तराना ने कार्यक्रम में नई ऊर्जा का संचार किया। तीव्र लय, सटीक तालबद्धता और स्वरों की सघन बुनावट ने श्रोताओं को भारतीय शास्त्रीय संगीत की तकनीकी समृद्धि से परिचित कराया।

राग मेघ से हुआ संगीत संध्या का शुभारंभ

संगीत संध्या का शुभारंभ राग मेघ से हुआ। झपताल में निबद्ध विलंबित बंदिश गरजे घटा घन... के माध्यम से दोनों गायिकाओं ने वर्षा ऋतु की गहन अनुभूति को सुरों में साकार किया। गंभीर आलाप, मंद्र और मध्य सप्तक की विस्तारपूर्ण यात्रा तथा स्वरों की नफासत ने राग मेघ की प्रकृति को जीवंत कर दिया। इसके बाद द्रुत एकताल में प्रस्तुत बंदिश छायी घटा घनघोर... ने वातावरण में चंचलता और उल्लास का संचार किया। तानों, बोल-आलाप और लयकारी के सुंदर संयोजन ने प्रस्तुति को विशेष प्रभावशाली बना दिया।

पारंपरिक कजरी कहनवा मानो ओ राधा रानी.... की प्रस्तुति

कार्यक्रम के अंतिम चरण में राग देस में प्रस्तुत बंदिश नदिया बैरी भई... ने विरह और संवेदना के भावों को सजीव कर दिया। इसके बाद पारंपरिक कजरी कहनवा मानो ओ राधा रानी.... की प्रस्तुति ने लोक और शास्त्रीय संगीत के मधुर संगम का मनोहारी दृश्य उपस्थित किया।

स्कीम फॉर अवॉर्ड ऑफ स्कॉलरशिप्स टू यंग आर्टिस्ट्स में मुस्कान मैना का चयन

भोपाल। राजधानी की युवा अभिनेत्री एवं रंगकर्मी मुस्कान मैना का चयन सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्सेज एंड ट्रेनिंग द्वारा संचालित 'स्कीम फॉर अवॉर्ड ऑफ स्कॉलरशिप्स टू यंग आर्टिस्ट्स' के तहत हुआ है। उनका यह चयन अभिनय के क्षेत्र में हुआ। एनएसडी, बेंगलुरु की पूर्व छात्रा मुस्कान मैना पिछले कई वर्षों से भोपाल में अभिनय के क्षेत्र में सक्रिय हैं। रंगमंच के साथ-साथ वे शहर के बच्चों को भी अभिनय की बारीकियां सिखा रही हैं और नई पीढ़ी को रंगकला से जोड़ने का कार्य कर रही हैं।

दर्शकों ने तालियों से किया स्वागत

रोमांटिक, सूफी और बॉलीवुड गीतों की दी शानदार प्रस्तुति

रविंद्र भवन में शरण्या जोशी की लाइव परफॉर्मेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

रविंद्र भवन में आयोजित सांस्कृतिक संध्या के दौरान प्रसिद्ध गायिका शरण्या जोशी की लाइव परफॉर्मेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया। उनकी मधुर आवाज और शानदार मंच प्रस्तुति ने पूरे माहौल को संगीत के रंगों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम की शुरुआत शरण्या जोशी ने अपनी लोकप्रिय प्रस्तुतियों से की, जिन पर दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उनका स्वागत किया।

गायिका शरण्या जोशी

झूमते और गुनगुनाते नजर आए दर्शक

उन्होंने रोमांटिक, सूफी और बॉलीवुड गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर श्रोताओं को देर तक बांधे रखा। उनकी आवाज की मिठास और गीतों की भावपूर्ण अभिव्यक्ति ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। लाइव परफॉर्मेंस के दौरान दर्शक भी संगीत की धुनों पर झूमते और गुनगुनाते नजर आए।

भूमिका नाट्य संस्था ने शाहपुरा में किया नाटक 'बड़े भाई साहब' का मंचन

नाटक 'बड़े भाई साहब' का मंचन करते कलाकार।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दी आर्ट रिवोल्यूशन के अंतर्गत, भूमिका नाट्य संस्था द्वारा शनिवार की शाम शाहपुरा में नाटक 'बड़े भाई साहब' का मंचन किया गया, जिसका लेखन मुंशी प्रेमचंद, और निर्देशन गोपाल दुबे द्वारा किया गया है।

बड़े भाई साहब कहानी दो भाइयों की है, जिसमें छोटा भाई खेलने में मस्त रहता है और ज्यादा पढ़ाई नहीं करता, वहीं बड़ा भाई गंभीर है, मेहनती है और छोटे भाई से तीन कक्षा आगे है। छोटा भाई छटवीं कक्षा में है और बड़ा भाई नवीं कक्षा में। बड़ा भाई छोटे भाई को हमेशा डांटता रहता है और अपनी तरह गंभीर बनने का उदाहरण देता है। परीक्षा आती है तो बड़ा भाई लगातार दो बार फेल हो जाता है। नाटक के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि हमें किताबी कीड़ा बने रहना ही जरूरी नहीं, समझ दुनिया देखने से आती है, पढ़ाई के साथ साथ खेल कूद भी जरूरी है।

केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक बनना है शिक्षा का उद्देश्य

अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का थर्ड ग्रेजुएशन-डे समारोह संपन्न

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों का थर्ड ग्रेजुएशन डे समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सीएसआईआर-एडवांस्ड मैटेरियल्स एंड प्रोसेसेस रिसर्च इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. थल्लाडा भास्कर रहे। विवि के कुलाधिपति संतोष चौबे भी मौजूद रहे। समारोह में विभिन्न देशों से आए अंतरराष्ट्रीय विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए उपाधियां दी गई। वाइस चांसलर प्रो. रवि प्रकाश दुबे ने विद्यार्थियों को समाज, राष्ट्र एवं मानवता के प्रति दायित्वों का निर्वहन करने की शपथ भी दिलाई।

भारत के अनुभवों को दुनिया तक पहुंचाने की जिम्मेदारी आपकी: भास्कर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल डिग्री प्राप्त करना नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार और संवेदनशील वैश्विक नागरिक बनना है। उन्होंने कहा कि भारत में अध्ययन के दौरान आपने यहां की संस्कृति, जीवन-मूल्यों, परंपराओं और वैज्ञानिक सोच को करीब से जाना है।

मंत्री विश्वास ने पर्वतारोही ज्योति को दी शुभकामनाएं

ज्योति रात्रे का साहस और परिश्रम युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का उदाहरणः सारंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मंत्री विश्वास सारंग से शनिवार को मध्यप्रदेश की पर्वतारोही ज्योति रात्रे ने मुलाकात की। इस अवसर पर सारंग ने उन्हें हाल ही में मैक्सिको स्थित पिको डी ओरिजाबा की 5,636 मीटर (18,491 फीट) ऊंची चोटी पर सफलतापूर्वक तिरंगा फहराकर देश का गौरव बढ़ाने की ऐतिहासिक उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

सारंग ने कहा कि ज्योति रात्रे का साहस, दृढ़ संकल्प, अनुशासन, अथक परिश्रम और राष्ट्र के प्रति समर्पण युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा का सशक्त उदाहरण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे भविष्य में भी सफलता के नए शिखर छूते हुए देश और मध्यप्रदेश का नाम राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करती रहेंगी। उल्लेखनीय है कि मैक्सिको के पिको डी ओरिजाबा शिखर पर तिरंगा फहराने के साथ ही ज्योति रात्रे तीन महाद्वीपों के सबसे ऊंचे ज्वालामुखियों पर भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराने वाली देश की सबसे वरिष्ठ महिला पर्वतारोही बन गई हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल मध्यप्रदेश, बल्कि पूरे देश के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

'शिवकुमार अर्चन गीत विमर्श- 2026' का आयोजन आज

भोपाल। वरिष्ठ गीतकार स्वर्गीय शिवकुमार अर्चन की साहित्यिक स्मृति को समर्पित 'शिवकुमार अर्चन गीत विमर्श-2026' का आयोजन रविवार को सायं 5.30 बजे दुष्यंत संग्रहालय में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार मयंक श्रीवास्तव करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. साधना बलवटे, निदेशक, निराला सृजन पीठ उपस्थित रहेंगी।

बैंक ऑफ इंडिया के दिव्यांग कर्मचारियों के लिए रंगमंच आधारित संवाद कार्यशाला

संचार कौशल, आत्मविश्वास संग विकसित हुई टीम भावना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बैंक आफ इंडिया के स्टाफ प्रशिक्षण महाविद्यालय में शनिवार की शाम दिव्यांगजन कर्मचारियों के लिए एक विशेष रंगमंच आधारित प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन विहान ड्रामा वर्क्स ग्रुप द्वारा किया गया। सौरभ अनंत के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला में रंगमंच को सीखने और आत्म-अभिव्यक्ति के सशक्त माध्यम के रूप में प्रयोग करते हुए प्रतिभागियों के संचार कौशल, आत्मविश्वास, टीम भावना, संवेदनशीलता तथा पारस्परिक संबंधों को विकसित करने के उद्देश्य से अनेक सहभागितापूर्ण गतिविधियां, थिएटर गेम्स और रचनात्मक अभ्यास आयोजित किए गए।

सहकर्मियों को नए दृष्टिकोण से समझने का दिया अवसर

समावेशी संरचना पर आधारित दृष्टिकोण के साथ तैयार की गई, जिससे प्रत्येक प्रतिभागी अपनी क्षमता के अनुसार सहजता से जुड़ सका। पूरे सत्र में प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह, खुलेपन और सक्रियता के साथ भाग लिया। कला और रंगमंच के माध्यम से सीखने की इस प्रक्रिया ने न केवल संवाद और सहयोग की भावना को सुदृढ़ किया, बल्कि प्रतिभागियों को स्वयं और अपने सहकर्मियों को नए दृष्टिकोण से समझने का अवसर भी दिया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930